www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 7 । अंक – 218 । नर्मदापुरम, गुरुवार 14 नवंबर 2024 । पृष्ठ–8 । मूल्य – 2.00 रुपए

नर्मदा एवं तवा के संगम तट पर बांद्राभान पर मेला शुरू — पृष्ठ 3
▸ सलमान-संतोष की अनूठी दोस्ती ▸ पिछड़ता पर्यावरण — पृष्ठ 4
▸ पंचायत सचिव, बाबू और कंप्यूटर ऑपरेटर रिश्वत लेते गिरफ्तार — पृष्ठ 6
अवैध खनिज परिवहन पर नियंत्रण के लिये 41 ई-चेकगेट की होगी स्थापना — पृष्ठ 8

सार-समाचार

स्वतंत्रता आंदोलन में भाजपा-आरएसएस की कोई भूमिका नहीं

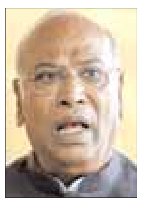

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के लिए होने वाली वोटिंग में अब कुछ ही दिन बाकी है। राजनीतिक दल पूरे दमखम से चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। राज्य में महाविकास अघाड़ी और महायुति के नेता एक दूसरे पर जमकर निशाना साध रहे हैं। बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भारतीय जनता पार्टी और उसके वैचारिक मार्गदर्शक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्वतंत्रता संग्राम और देश की एकता में कोई भूमिका नहीं होने का आरोप लगाया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने सत्तारूढ़ पार्टी पर तीखा हमला करते हुए नारों बंटेंगे तो कटेंगे और एक हैं तो सुरक्षित हैं की आलोचना की।

रक्षा अंतरिक्ष एजेन्सी का 'अंतरिक्ष अभ्यास ' संपन्न

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ की रक्षा अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा आयोजित 'अंतरिक्ष अभ्यास ' बुधवार को यहां संपन्न हो गया जिसमें अंतरिक्ष युद्ध के क्षेत्र में भारतीय सशस्त्र बलों की रणनीतिक तत्परता, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष क्षमताओं पर गहन चर्चा की गई। इसे अंतरिक्ष युद्ध के क्षेत्र में भारतीय सशस्त्र बलों की रणनीतिक तत्परता को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है।

कश्मीर में महसूस किए गए भूकंप के झटके

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर और घाटी के अन्य हिस्सों में बुधवार को तक भूकंप के मध्यम झटके महसूस किए गए। बुधवार सुबह 10:43 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.2 मापी गई। भूकंप का केंद्र उत्तर में अक्षांश 36.38 और पूर्व में देशांतर 71.75 में था। भूकंप के झटके सुबह 10.43 बजे कुछ सेकेंड तक महसूस किए गए। जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

तेलंगाना में मालगाड़ी पटरी से उतरी, रेल सेवाएं बाधित

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के पेद्दापल्ली जिले में राघवपुरम और रामागुंडम के बीच मंगलवार रात लोहे की कॉइल ले जा रही एक मालगाड़ी की 11 बोगियां पटरी से उतर गई जिससे ट्रेन सेवाएं बाधित हो गईं। कर्नाटक के बेल्लारी से उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जा रही मालगाड़ी के राज्य होकर गुजरने के दौरान यह हादसा हुआ। इस दुर्घटना के कारण दिल्ली-चेन्नई मुख्य रेलवे लाइन पर ट्रेनों का परिचालन रुक गया है और दोनों तरफ की ट्रेनों को रोक दिया गया है। ट्रेन सेवाओं में व्यवधान के कारण यात्रियों को देरी और अन्य कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

आईएएस संजीव हंस के मामले में 2 और को भेजा जेल

पटना, एजेंसी। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी संजीव हंस के खिलाफ दर्ज करोड़ों रुपये के अवैध धनशोधन मामले में गिरफ्तार किए गए दो और अभियुक्तों को बिहार में पटना की एक विशेष अदालत ने आज न्यायिक हिरासत में लेते हुए जेल भेज दिया।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने मामले में गिरफ्तार किए गए देवेन्द्र सिंह आनन्द और बिपुल बंसल को आज पटना स्थित ईडी की विशेष अदालत के न्यायाधीश सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रूपेश देव की अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड के लिए अधिकृत न्यायिक दंडाधिकारी के समक्ष पेश किया गया। अदालत ने इन अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में लेने के बाद 25 नवम्बर 2024 तक के लिए जेल भेजे जाने का आदेश दिया गया। इस मामले मे संजीव हंस और बिहार के झंझारपुर से पूर्व विधायक गुलाब यादव समेत कई लोग पहले से ही जेल में बंद हैं। गौरतलब है कि ईडी आईएएस संजीव हंस के खिलाफ अवैध धनशोधन मामले में जांच कर रही है। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया गया। जांच के दौरान ही ईडी ने हंस और पूर्व विधायक यादव से लंबी पूछताछ के साथ ही कई स्थानों पर छापेमारी भी की।

बिना कानूनी प्रक्रिया तोड़-फोड़ करने वाले अधिकारी होंगे दंडित

सुप्रीम कोर्ट ने 'बुलडोजर न्याय' पर लगाया ब्रेक

कहा- अधिकारी जज नहीं बन सकते

नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति को मनमाने ढंग से नहीं छीना जा सकता है। कानून-व्यवस्था बनाए रखना व नागरिकों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है।

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 'बुल्डोजर न्याय' के खिलाफ बुधवार को सख्त फैसला सुनाया और देशव्यापी दिशा- निर्देश जारी करते हुए कहा बिना उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन किये किसी अपराध के दोषी या आरोपी की संपत्ति के साथ तोड़-फोड़ करने वाले अधिकारी दंडित किए जाएंगे।

न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने आश्रय के अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत मौलिक अधिकार का एक पहलू बताते हुए कहा कि किसी अपराध के आरोपी या दोषी की रिहायशी या व्यावसायिक संपत्ति को कानून की उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना ध्वस्त नहीं किया जा सकता है। पीठ ने सरकारी अधिकारियों द्वारा इस तरह की मनमानी और अत्याचारपूर्ण कार्रवाई के खिलाफ विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि अधिकारियों द्वारा 'बुलडोजर कार्रवाई' करना शक्ति के पृथक्करण के मूल सिद्धांत का उल्लंघन होगा, जिसके तहत न्यायपालिका को ऐसे मुद्दों पर निर्णय लेने का काम सौंपा गया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता और संपत्ति को मनमाने ढंग से नहीं छीना जा सकता है। कानून-व्यवस्था बनाए रखना और नागरिकों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है।

अदालत ने दोषी ठहराए जाने तक आरोपी के निर्दोष होने के अनुमान के सिद्धांतों पर जोर देते हुए कहा कि दोषी को भी मनमाने तरीके से की गई किसी भी कार्रवाई के खिलाफ कानून के तहत संरक्षण दिया गया है। पीठ ने कहा, 'महिलाओं, बच्चों और वृद्धों को इस तरह बेघर होते देखना सुखद दृश्य नहीं है।' शीर्ष अदालत ने कहा कि अधिकारी न्यायपालिका द्वारा किए जाने वाले कार्यों को अपने हाथों में नहीं ले सकते और नागरिकों के मौलिक और वैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करते हुए कार्य नहीं कर सकते। अदालत ने कहा कि यदि कार्यपालिका किसी व्यक्ति को दोषी घोषित करना शुरू कर दे तो यह 'पूरी तरह से असंवैधानिक' होगा। ऐसे मामलों में अनधिकृत निर्माण हो सकते हैं, जिन पर समझौता किया जा सकता है। अदालत ने कहा कि किसी घर या व्यावसायिक संपत्ति को गिराने से पहले संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि उनके पास कोई अन्य विकल्प उपलब्ध नहीं है। पीठ ने कहा कि घर का निर्माण परिवार के वर्षों के सपने, आकांक्षाओं और सामूहिक उम्मीद का परिणाम है।

कम से कम आज उनका बुलडोजर गैराज में खड़ा रहेगा, अब किसी का घर नहीं टूटेगा. सरकार के खिलाफ इससे बड़ी टिप्पणी और क्या हो सकती है : **अखिलेश यादव**, सपा नेता

यह वास्तव में भाजपा सरकार को आईना दिखाने जैसा है। बुलडोजर न्याय नाम की कोई चीज नहीं है। संविधान है, कानून का राज है और इस देश में वही चलेगा : **सुप्रिया श्रीनेत**, कांग्रेस नेता

15 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए

नागरिकों की आशंकाओं को दूर करने के लिए न्यायालय ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत निर्देश जारी किए कि पूर्ण न्याय करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने से पहले व्यक्ति को 15 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए, जिसमें अनधिकृत निर्माण की प्रकृति और सीमा का उल्लेख हो। न्यायालय ने सरकारी अधिकारियों द्वारा की जाने वाली ऐसी कार्रवाई का विवरण देने के लिए एक डिजिटल पोर्टल बनाने का भी निर्देश दिया। पीठ ने स्पष्ट किया कि किसी भी अधिकारी द्वारा उसके (शीर्ष अदालत के) आदेश का उल्लंघन करने पर अवमानना कार्यवाही और अभियोजन अलग से चलाया जाएगा। ऐसे मामलों में संपत्ति की वापसी और नुकसान की भरपाई के लिए अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

राज्य सरकारों को आदेश भेजने का निर्देश

शीर्ष अदालत ने संबंधित अधिकारियों के लिए परिपत्र जारी करने के लिए सभी उच्च न्यायालयों और राज्य सरकारों को अपना आदेश भेजने का निर्देश दिया। शीर्ष न्यायालय ने यह फैसला जमीयत उलमा ए हिंद और अन्य द्वारा दायर याचिका पर दिया, जिसमें सभी राज्य सरकारों द्वारा मनमानी कार्रवाई की वैधता पर सवाल उठाया गया था। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि ये निर्देश सार्वजनिक भूमि, सड़कों, जल निकायों और रेलवे से सटी भूमि पर अनधिकृत निर्माणों पर लागू नहीं होंगे। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर योगी सरकार की भी प्रतिक्रिया आई है। सरकार ने इस फैसले पर कहा कि इस फैसले से माफिया प्रवृति के तत्व यह संगठित पेशेवर अपराधियों पर लगाम कसने में आसानी होगी। कानून का राज सब पर लागू होता है। यद्यपि यह आदेश दिल्ली के संदर्भ में था, उत्तर प्रदेश सरकार इसमें पार्टी नहीं थी।

सर्वोच्च अदालत की अजित पवार गुट को नसीहत

शरद पवार की फोटो न करें इस्तेमाल, अपने पैरों पर खड़े हों

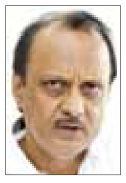

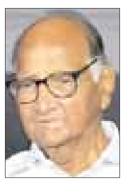

नई दिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बीच सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपी अजित पवार गुट को नसीहत दी है। एनसीपी शरद की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एनसीपी अजित पवार अपने पैरों पर खड़ी हो। चुनाव में शरद पवार की फोटो का इस्तेमाल न करें। क्योंकि दोनों पार्टियों के बीच वैचारिक मतभेद हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार सुप्रीम कोर्ट के चक्कर लगाने की जगह चुनाव पर ध्यान दें। कोर्ट ने अजित पवार के वकील बलवीर सिंह से कहा कि अपने कार्यकर्ताओं से कहें कि चुनाव में शरद पवार की फोटो, पुरानी या नई वीडियो क्लिप का उपयोग न करें। अपने कार्यकर्ताओं, नेताओं और चुनाव से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच ऑनलाइन सूचना जारी करके ऐसे निर्देश दें।

मामले पर सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि हालांकि भारत के लोग बुद्धिमान हैं जो अजित पवार और शरद पवार के बीच अंतर समझते हैं। लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के इस युग में वह धोखा भी खा सकते हैं। शीर्ष अदालत ने मामले की अगली सुनवाई मंगलवार को तय की है। मामले को लेकर शरद पवार गुट की ओर से याचिका दायर की गई थी। इसमें वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा था कि अजित पवार गुट के एक एमएलसी ने समर्थन दिखाने के लिए शरद पवार का एक वीडियो क्लिप वायरल किया था।

मुख्यमंत्री ने कोटा में विद्यार्थियों के साथ साझा किए अपने अनुभव

किसी भी पद पर रहें, मित्रता भाव हमेशा बनाए रखना

विद्यार्थी इच्छाशक्ति मजबूत रखें, लक्ष्य की प्राप्ति अवश्य होगी

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि विद्यार्थियों को अपना जुनून हमेशा कायम रखना चाहिए। इच्छाशक्ति जितनी दृढ़ होगी, लक्ष्य उतना ही आसान होगा। उन्होंने कहा कि जीवन में किसी भी पद पर पहुंचे, मित्रता का प्रेमभाव हमेशा बनाए रखना। इसका सबसे अच्छा उदाहरण श्रीकृष्ण और सुदामा की दोस्ती का है। उनकी दोस्ती 11 वर्ष की उम्र में हुई थी और जब वे द्वारका के राजा बने तब भी उनकी दोस्ती ने दुनिया के सामने उदाहरण प्रस्तुत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राजस्थान के कोटा जिले में एलन शिक्षण संस्थान के समउन्नत भवन में विद्यार्थियों से चर्चा कर रहे थे। प्रारंभ में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विद्यार्थियों ने गजहार पहनाकर स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति का इससे अच्छा उदाहरण दूसरा नहीं हो सकता कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात में पहली बार विधायक बनने के साथ ही मुख्यमंत्री बने और लगातार तीन बार मुख्यमंत्री रहे। मुख्यमंत्री के बाद वे पहली बार सांसद बनें और पहली बार में ही देश के प्रधानमंत्री बनें। इसके बाद लगातार सांसद बने और प्रधानमंत्री भी। उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में हैट्रिक भी बनाई। आर्थिक दृष्टि से गुजरात देश के अन्य राज्यों की तुलना में अग्रणी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण 11 वर्ष की आयु में मथुरा से राजस्थान होते हुए मध्यप्रदेश के उज्जैन पधारे थे। भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी यात्रा के दौरान प्रदेश में जहां-जहां विश्राम किया या ठहरे उन स्थानों को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा धार्मिक महत्व के तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विद्यार्थी निराशा को अपने आप पर हावी न होने दें। जब निराश हो जाए तो राजनेताओं की तरफ देखें, वे बार-बार चुनाव लड़ते हैं और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रयासरत रहते हैं। कई बार विद्यार्थी लक्ष्य प्राप्ति की दौड़ में पीछे रह जाते हैं तो उन्हें निराश नहीं होना चाहिए, जबकि दोगनी ऊर्जा के साथ फिर प्रयास करना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एलन शिक्षण संस्थान मध्यप्रदेश के उज्जैन में अपने संस्थान प्रारंभ करें, जिससे मध्यप्रदेश के छात्रों को भी स्थानीय स्तर पर लाभ प्राप्त हो सकेगा।

समाज सेवा के लिए छोड़ी डॉक्टरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मैंने अपने शैक्षणिक काल से ही अपना लक्ष्य समाज सेवा के रूप में निर्धारित किया था। वर्ष 1982 में मेरा चयन मेडिकल कॉलेज के लिए हो गया था, परंतु समाज सेवा के अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मैंने मेडिकल में प्रवेश न लेते हुए, बीएससी की उपाधि प्राप्त की। मैं यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट रहते हुए राजनीति में सक्रिय रह सका। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता के तीन मूल मंत्र हैं, जिन्हें विद्यार्थियों को आत्मसात करना चाहिए। पर्याप्त नींद लें, नियमित रूप से व्यायाम करें और प्राणायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं। उन्होंने बताया कि अपने लक्ष्य पर शुरू से ही ध्यान केन्द्रित रखना चाहिए।

बुधनी और विजयपुर में 75 प्रतिशत से अधिक मतदान, छुटपुट हिंसक घटनाएं, गोली भी चली

विजयपुर में भाजपा-कांग्रेस प्रत्याशियों को किया नजरबंद

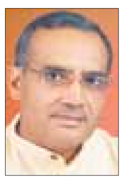

भोपाल, देशबन्धु। बुधनी और विजयपुर विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव के लिए आज छुट-पुट हिंसक घटनाओं के बीच मतदान संपन्न हुआ।

सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक हुए मतदान में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के बावजूद कई बूथों से मारपीट और बवाल की खबरें आईं। विजयपुर में फर्जी मतदान का आरोप लगाकर कुछ लोगों ने सेक्टर मजिस्ट्रेट पर हमला कर दिया। कई जगह भाजपा और कांग्रेस समर्थकों के बीच झड़पें हुईं, गोलियां भी चलीं, इसमें कुछ लोगों के चोट लगी। इससे पहले हंगामे की आशंका से मतदान शुरू होने के कुछ देर बाद ही कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा को कराहल व भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत को मंडी स्थित रेस्ट हाउस में नजरबंद कर दिया गया। शाम 4 बजे के बाद दोनों को सशर्त छोड़ा गया। दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में 75 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। जहां बुधनी में 72.37 मतदाताओं ने वोट डाले, वहीं विजयपुर में 75.27 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। वहीं, कांग्रेस और भाजपा, दोनों ही दलों के नेताओं ने प्रशासन पर एक-दूसरे के दबाव में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुखवीर से भेंटकर आपत्ति जताई और घंटी बजाकर विरोध किया। वहीं वीरपुर तहसील के सीखेड़ा गांव में बूथ कैप्चरिंग के विरोध पर दबंगों ने ग्रामीणों पर कट्टे से फायर कर दिया। पैर में गोली लगने से शिवराज जाटव नाम का ग्रामीण घायल हो गया। मारपीट में 5 लोग घायल हो गए। विजयपुर तहसील के अंधूपुरा गांव में शाक्य ▪ शेष पृष्ठ 8 पर

बुधनी में कांग्रेस प्रत्याशी के भाई को पीटा, गाड़ियों में तोड़फोड़

बुधनी विधानसभा में मतदान के दौरान कुछ स्थानों पर भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए और उनके बीच जमकर झड़प हुई। शाहगंज स्थित एक मतदान केंद्र पर कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल के छोटे भाई से मारपीट की गई। वहीं गाड़ियों में भी तोडफोड़ की गई। कांग्रेस इस हमले के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं पर आरोप लगाया है। कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल ने आरोप लगाया कि सत्ता पक्ष की ओर से खुलेआम गुंडागर्दी की गई। मतदाताओं को मतदान करने रोका गया। वहीं अपने पक्ष में मतदान के लिए दबाव भी बनाया। इस घटना के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ता थाने पहुंच गए, उसके बाद पुलिस ने मतदान केंद्र और आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने परिवार सहित ग्राम जैत में मतदान किया। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल ने बूथ संख्या-नौ पर पत्नी के साथ पहुंचकर मतदान किया। भाजपा प्रत्याशी रमाकांत भार्गव ने मतदान केंद्र संख्या-54 पर मतदान किया। बुधनी विधानसभा क्षेत्र में शाम 5 बजे तक 72.37 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

पटवारी और वीडी को सीमा पर रोका

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी राजस्थान के झालाबाड़-बारां होते हुए श्योपुर पहुंचे थे। उन्हें कुहांजापुर पुल पर रोक दिया गया। वहीं शिवपुरी से श्योपुर पहुंच रहे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा को भी बांसरैया गांव में रोक दिया। प्रशासनिक अधिकारियों ने उन्हें नियमों का हवाला देते हुए बताया कि चुनाव के दौरान कोई भी बाहरी व्यक्ति प्रवेश नहीं कर सकता।

भारतीय शेयर बाजार हुआ धड़ाम

निवेशकों के 6 लाख करोड़ रुपए डूबे

सेंसेक्स में 984 अंकों की हुई गिरावट

मुंबई, एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार के लिए बुधवार का कारोबारी सत्र नुकसान वाला रहा। बाजार में चौतरफा गिरावट देखी गई। भारी बिकवाली के कारण निफ्टी और सेंसेक्स दोनों पांच महीने के निचले स्तरों पर पहुंच गए।

कारोबार के अंत में सेंसेक्स 984 अंक या 1.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,690 और निफ्टी 324 अंक या 1.36 प्रतिशत 23,559 पर था। गिरावट के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का मार्केट कैप करीब 6 लाख करोड़ रुपये कम होकर 430 लाख करोड़ रुपये रह गया है, जो कि कल 436 लाख करोड़ रुपये था।

बिकवाली का सबसे अधिक दबाव मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर पर देखा गया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 1,456 अंक या 2.64 प्रतिशत गिरकर 53,800 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 532 अंक या 2.96 प्रतिशत गिरकर 17,458 पर था। एनएसई के करीब सभी इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। रिल्यटी, इन्फ्रा, ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, मेटल, और पीएसई में सबसे ज्यादा गिरावट थी।

27 शेयर लाल निशान में बंद हुए

सेंसेक्स के 30 में से 27 शेयर लाल निशान में बंद हुए। एमएंडएम, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, बजाज फिनसर्व, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एलएंडडी टॉप लूजर्स थे। एनटीपीसी, टाटा मोटर्स और इन्फोसिस गेनर्स थे। पीएल कैपिटल-प्रभुदास लीलाधर के एडवाजरी -प्रमुख, विक्रम कसाट का कहना है कि आज लागातार पांचवा दिन है, जब भारतीय शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली है। इसकी वजह विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार की जा रही बिकवाली, बढ़ती महंगाई और खराब कॉरपोरेट आय का होना है, जिसके कारण निवेशकों का आत्मविश्वास हिला हुआ है। चॉइस ब्रोकिंग के अनुसार, निफ्टी में लगातार गिरावट का ट्रेंड जारी है और इस कारण सेंटीमेंट भी नकारात्मक बना हुआ है। मौजूदा स्तरों को देखते हुए निफ्टी में 23,650 एक बेहद अहम सपोर्ट होने वाला है और अगर यह टूटता है तो 23, 400 के भी स्तर देखने को मिल सकते हैं। ऊपरी स्तरों पर 24,200 एक बड़ी रुकावट का स्तर है। आगे कहा कि बैंक निफ्टी में 50,500 और 50,000 का स्तर एक अहम सपोर्ट है। अगर यह 52,400 के ऊपर निकलता है तो 52,800 और 53,000 के स्तर तक जा सकता है।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

जिले के दो एसडीएम अवकाश पर, 2 अन्य अधिकारियों को मिला प्रभार

इटारसी, देशबन्धु। जिले के इटारसी और पिपरिया एसडीएम अवकाश पर गये हैं, प्रशासनिक व्यवस्था के तहत इन दोनों अनुविभाग में दो अन्य अधिकारियों को प्रभार मिला है। इटारसी एसडीएम का प्रभारी पूर्व में यहां एसडीएम रहीं श्रीमती नीता कोरी को दिया गया है जो वर्तमान में नर्मदापुरम एसडीएम हैं। वे यहां का अतिरिक्त प्रभारी भी देखेंगी। कलेक्टर कार्यालय से जारी आदेश में उल्लेख है कि इटारसी एसडीएम टी प्रतीक राव और पिपरिया एसडीएम सुश्री अनिशा श्रीवास्तव 13 नवंबर से 8 दिसंबर तक अवकाश पर रहेंगे। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर अनिल कुमार जैन एसडीएम पिपरिया और श्रीमती नीता कोरा प्रभारी डिप्टी कलेक्टर एवं एसडीएम नर्मदापुरम अपने कार्य के साथ इटारसी एसडीएम की जिम्मेदारी भी संभालेंगे।

सायबर अपराधियों से व्यापारी को बचाने पर भागवत का सम्मान

इटारसी, देशबन्धु। मध्यप्रदेश पुलिस में सेवारत और फुटबाल कोच भागवत सिंह को एक डिजीटल अरेस्ट विदेशी व्यापारी को सायबर अपराधियों से बचाने में दिये योगदान के बाद सम्मानित किया गया है। भागवत ने अपने आला अधिकारियों के मार्गदर्शन में एक सब इंस्पेक्टर के साथ जाकर करीब आठ घंटे डिजीटल अरेस्ट एक व्यापारी को भोपाल में सायबर अपराधियों के चुंगल से बचाया है। बता दें कि 9 नवंबर शनिवार को विवेक ओबरॉय को साइबर अपराधियों ने डिजिटल अरेस्ट (होम अरेस्ट) करके करीब सात-आठ घटे तक रखा गया था। डीआईजी मोहम्मद यूसुफ कुरैशी के मार्गदर्शन में सब इंस्पेक्टर सचिन यादव और भागवत सिंह ने फरियादी के घर पहुंच कर दरवाजा तोड़कर फरियादी को डिजिटल अरेस्ट से मुक्त कराया एवं करोड़ों रुपए की ठगी होने से बचाया। संभवत: यह देश का पहला मामला है, जिसमें किसी पीड़ित को साइबर पुलिस के द्वारा लाइव कार्यवाही कर बचाया गया है। जिस कारण से मुख्यमंत्री सीएम मोहन यादव स्वयं साइबर ऑफिस में सभी वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने आए थे। वरिष्ठ अधिकारियों ने भागवत और एसआई सचिन यादव का सम्मान किया। सीएम मोहन यादव ने 11000 रुपए ईनाम की घोषणा भी की है।

ट्रेन प्रबधकों ने बॉक्स बॉय को उपहार भेंट किये

इटारसी, देशबन्धु। इस वर्ष भी दीपावली व देव उठनी ग्यारस के शुभ अवसर पर इटारसी ट्रेन प्रबधकों ने बॉक्स बॉय को उपहार व मिठाई वितरण के कार्यक्रम का आयोजन किया। इटारसी स्टेशन प्रबंधक सुधेंदु राय की अध्यक्षता में स्टेशन प्रबंधक कार्यालय में हुए कार्यक्रम में मुख्यालय में उपस्थित गाड़ी प्रबंधकों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। विदित हो कि बॉक्स बॉय गाड़ी प्रबंधक की पेटी वहन करने का कार्य करते हैं, यही उनकी परिवारिक जीविका का एक मात्र साधन है। सभी गाड़ी प्रबंधक उन्हें अभिन्न सहकर्मी मानते हुए इस परंपरा को अंजाम देते हैं। प्रत्येक त्योहार पर गाड़ी प्रबंधक जयदीप मीना और चंद्रक गालर विशेष रूप से संपूर्ण जिम्मेदारी निभाते हुए इस कार्य को बड़ी निष्ठा व ईमानदारी पूर्वक सम्पन्न करते हैं। उक्त कार्यक्रम में इटारसी स्टेशन प्रबंधक के अतिरिक्त संचालक निरीक्षक अजय पटेल, संरक्षा संयोजक शरद सप्ताल व गाड़ी प्रबंधक उपस्थित हुए।

सोमनाथ ट्रेन में एसी थ्री टायर श्रेणी का अतिरिक्त कोच लगाया

इटारसी, देशबन्धु। रेलवे प्रशासन द्वारा अतिरिक्त यात्री भीड़ को क्लीयर करने के उद्देश्य से यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जबलपुर-वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस ट्रेन में वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के एक अतिरिक्त कोच लगाने का निर्णय लिया है। प्रतीक्षा सूची को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। यह अतिरिक्त कोच गाड़ी संख्या 11464 जबलपुर से वेरावल सोमनाथ एक्सप्रेस में आज से आगामी सात दिनों के लिए लगेंगे। यात्री सोमनाथ ट्रेन के बढ़े हुए अतिरिक्त कोचों की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे।

तवा-नर्मदा के संगम बांद्राभान में रामसत्ता एवं भंडारे का आयोजन

इटारसी, देशबन्धु। जिले के सबसे बड़े बांद्राभान मेले में इटारसी के चूनावाला साहू परिवार द्वारा एक शतक पुरानी परंपरा का निर्वाह करते हुए इस वर्ष भी रामसत्ता एवं भंडारे का आयोजन आसरा वृद्ध आश्रम रेवासंगम धर्मशाला में किया गया है। उक्त आशय की जानकारी महेश साहू, रमेश के साहू एडवोकेट ने संयुक्त रूप से दी। श्री साहू ने बताया कि रामसत्ता की स्थापना 14 तारीख को संध्या 4 बजे होगी एवं समापन पूर्णिमा को संध्या 5 बजे मां नर्मदा की पूजन, अर्चन और महा आरती के साथ समापन होगा। इस दौरान अखंड रामसत्ता एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि रेवा संगम धर्मशाला का निर्माण श्रीमती लक्ष्मी बाई कोदुलाल साहू चूनावाला साहू परिवार द्वारा बांद्राभान में नर्मदा परिक्रमा वासियों के लिए किया है। इसी में आसरा वृद्ध आश्रम का संचालन विगत कुछ वर्षों से किया जा रहा है जिसमें लगभग 30 वृद्ध निवास कर रहे हैं। साहू परिवार ने सभी मंडलों से भी निवेदन किया है कि वे साज बाज के साथ पधारकर अपनी प्रस्तुति और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं। बांद्राभान मेले का अपना एक ऐतिहासिक महत्व है जिसमें पूरे प्रदेश से लाखों की संख्या में लोग पधार कर नर्मदा और तवा के पावन संगम पर स्नान कर व्रत कर दान कर पुण्य कमाते हैं।

गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व पर निकाला नगर कीर्तन

• पंज प्यारों ने की अगुवाई •गुरुनानक पब्लिक स्कूल के बच्चों ने किया मार्चपास्ट •जगह-जगह पुष्पवर्षा कर किया गया स्वागत

इटारसी, देशबन्धु। सिखों के प्रथम गुरु गुरुनानक देव के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में गुरुसिंघ सभा ने बुधवार को नगर कीर्तन शोभायात्रा निकाली। जगह-जगह कीर्तन यात्रा की अगवानी की गई। नगर कीर्तन पंज प्यारों की अगुवाई में श्री गुरुद्वारा गुरुसिंघ सभा से प्रारंभ हुआ। होकर जयस्तंभ चौक होकर नीमवाड़ा, सराफा बाजार, आठवी लाइन होकर, भारत टाकीज, स्टेट बैंक चौराह, सिंधी कालोनी रोड, बिन्द्राजी की गली, मालवीयगंज, पंजाबी मोहल्ला, चामुंडा चौराह, रेस्ट हाउस से गुरुद्वारा श्री गुरुसिंघ सभा में वापस आकर संपन्न हुआ। नगर कीर्तन में सिख समाज के लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। गुरुग्रंथ साहिब की सवारी के साथ गुरु के पंज सिंह निशान साहिब लेकर चल रहे थे। गुरुनानक पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने बैंड के साथ मार्च पास्ट किया जो आकर्षण का केन्द्र रहा। स्त्री सत्संग जत्था शबद कीर्तन करते हुए चल रहा था। नगर में जगह जगह नगर कीर्तन का स्वागत किया और गुरुग्रंथ साहिब की पूजा की गई।

श्री दुर्गा नवग्रह मंदिर समिति ने किया स्वागत - श्री गुरु नानकदेव जी के जन्म महोत्सव के अवसर पर श्री दुर्गा नवग्रह मंदिर समिति ने नगर कीर्तन का स्वागत किया। मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रमोद पगारे ने नगर कीर्तन में चल रहे श्री गुरु ग्रंथ साहब की पूजा अर्चना की। पांच प्यारों को पुष्प हार अर्पित किये। लगभग आधा किलोमीटर रास्ते को फूलों से पाठ दिया गया। संगत के प्रत्येक सदस्य को प्रसादी दी गई। संगत पर जबरदस्त पुष्प वर्षा की गई। मंदिर समिति के सचिव जितेंद्र अग्रवाल, कोषाध्यक्ष दीपक जैन, सुनील दुबे शिक्षक, भूपेंद्र विश्वकर्मा, ओमप्रकाश कैथवास, पं सत्येंद्र पांडे, पीयूष पांडे, सन्नी छाबड़ा, चेतन महादेव, रितेश मालवीय, नैतिक अग्रवाल, गोपाल नामदेव, शिवराज डोनी, उदित दुबे, मयंक कलोसिया, आकाश गालर, विपुल चौधरी, मांगीलाल मेहरा, बंशीधर शर्मा, अनूप तिवारी, संतोष शर्मा ने नगर कीर्तन का स्वागत किया।

अनाधिकृत तरीके से प्लॉट बेचने वाले 25 कॉलोनाइजर्स को नोटिस

इटारसी, देशबन्धु। केसला ब्लॉक से सटे ग्रामीण अंचलों में बिना शासकीय अनुमति एवं डायवर्सन कराए अनाधिकृत रूप से भूखंड विक्रय कर रहे 25 कालोनाइजरों के खिलाफ राजस्व विभाग ने जांच शुरू कर दी है। एसडीएम टी प्रतीक राव के निर्देश पर केसला तहसीलदार एसएस रघुवंशी ने जांच पूरी करने के बाद सभी कालोनाइजरों एवं भूस्वामियों की जमीनों की रजिस्ट्री-बिक्री नामांतरण पर पाबंदी लगाने के आदेश जारी कर नोटिस जारी किए हैं। कालोनाइजरों की पेशी पर उनकी सुनवाई की जाएगी। हालांकि प्राथमिक जांच में गलत ढंग से कालोनी विकसित कर बेचने का मामला है, जो अपराध की श्रेणी में आता है। इस क्षेत्र में लंबे समय से अवैध कालोनियों में सस्ते भूखंड एवं फार्म हाउस बेचने का कारोबार धड़ल्ले से चल रहा था। पूर्व के राजस्व अधिकारियों एवं पटवारियों की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है, चूंकि इससे पहले इनकी विभागीय जांच नहीं कराई गई। मामले में जांच के बाद एफआईआर भी की जा सकती है।

अधिकारियों ने बताया कि मप्र भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 59-2 एवं मप्र ग्राम पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज संसोधन अधिनियम 2013 एवं राजस्व कानून के तहत विवादित रकबों का निराकरण न होने तक इन्हें एसडीएम ने सीज करते हुए अपने प्रबंधन में ले लिया है। सड़क किनारे सस्ते भूखंड बेचने का काम लंबे समय से चल रहा था, कई सौदों की रजिस्ट्री नामांतरण होने के बाद यह मामला जांच में आया, जिसके बाद हड़कंप मचा हुआ है।

कालोनाइजरों ने जमीन का डायवर्सन, शहर एवं ग्राम निवेश, विकास शुल्क, रेरा पंजीयन समेत अन्य कार्रवाई पूरी नहीं की। मामूली सड़कें बनाकर बोर्ड लगाकर भूखंड बेचना शुरू कर दिया, कई जमीनों के मालिकों से प्रापट्री डेवलपर एवं ब्रोकरों ने कमीशन पर सौदे कर जमीनें बेचने का काम शुरू कर दिया था, इस सूची में इटारसी, केसला के कई बड़े भू माफिया भी शामिल हैं, जो जमीनों को बिना कानूनी कार्रवाई अवैध प्लाटिंग कर रहे थे।

इन पर हुई कार्रवाई - भारत बारस्कर पिता दीवान एवं अन्य चौकीपुरा ग्राम कासदा रैयत, आनंद मेहतो पिता त्रिलोकीनाथ मेहतो एवं अन्य 5 निवासी इटारसी ग्राम कासदा रैयत, नर्मदा प्रसाद चौधरी पिता रिखीराम निवासी जुझारपुर ग्राम देहरी, चंद्रशेखर चौधरी पिता सुंदरलाल जुझारपुर ग्राम देहरी, रमेश पिता जयराम कुर्मी जुझारपुर ग्राम देहरी, राहुल पिता रमेश मेहतो पथरोटा ग्राम देहरी, रोहित परमानंद मेधानी निवासी केसला ग्राम केसला, संजय चौरसिया पिता राधेश्याम चौरसिया इटारसी ग्राम केसला, सुजीत तिवारी पिता रामकृपाल इटारसी ग्राम केसला, चेतराम पिता श्रीपाल निवासी इटारसी ग्राम केसला, मनीष पिता कृष्णा एवं एक अन्य निवासी बैतूल ग्राम केसला, सागरबाई बेवा भागराम निवासी सहेली ग्राम केसला, शोभा मालवीय पत्नी बृजेश मालवीय निवासी सुखतवा ग्राम केसला, बृजेश कुमार पिता नवलकिशोर निवासी सुखतवा ग्राम केसला, राधाबाई पवार पत्नी मुरारीलाल निवासी दौड़ी झुनकर ग्राम केसला, बृजेश कुमार पिता नवलकिशोर निवासी सुखतवा ग्राम केसला, प्रदीप कुमार पिता धर्मदास निवासी केसला ग्राम केसला, रूकमणी बाई पत्नी राधेश्याम निवासी गौंची तरोंदा ग्राम गोंची तरोंदा, राजेन्द्र प्रसाद पिता गोकुल प्रसाद इटारसी ग्राम गोंची तरोंदा, राधाबाई पत्नी रघुवीर निवासी गोंची तरोंदा ग्राम गोंची तरोंदा, भगवानदास पिता सखाराम एक अन्य निवासी गोंची ग्राम गोंची तरोंदा, प्रवीण कुमार वल्द सरदार निवासी गोंची तरोंदा, अमरजीत सिंह त्रिलोकसिंह इटारसी ग्राम गोंची तरोंदा, हरनाथ पिता चैनसिंह ग्राम गोंची तरोंदा।

गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रूपये निर्धारित

हरदा, देशबन्धु। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2025-26 के लिये गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2425 रूपये घोषित किया गया है। यह गत वर्ष से 150 रूपये अधिक है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने किसान भाईयों से आग्रह किया है कि अधिकाधिक क्षेत्र में गेहूं की बुवाई करें और बढ़ी हुई एमएसपी से अपनी उपज का उचित मूल्य प्राप्त करें। रबी विपणन वर्ष 2025-26 के लिये अब किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिये विभाग द्वारा तैयारी प्रारम्भ कर दी गई है।

सरकार ने यूपीएस लागू करके युवाओं का भविष्य खतरे में डाला: पांडेय

रेलकर्मियों से किया संपर्क

इटारसी, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेलवे मजदूर संघ के मंडल अध्यक्ष राजेश पांडेय ने कहा है कि सन् 2004 के बाद रेलवे में पदस्थ हुए युवा कर्मचारियों की पेंशन को केन्द्र सरकार ने पहले एनपीएस और अब यूपीएस लागू कर भविष्य को खतरे में डालने का काम किया है, नए युवा कर्मचारियों की जीवन भर की पूंजी से जमा होने वाली पेंशन का लाभ ही उन्हें सही ढंग से नहीं मिलेगा। लाल झंडा यूनियन के नेताओं की मौन सहमति से सरकार ने यूपीएस जबरदस्ती थोप दी, जबकि इसमें एनपीएस से ज्यादा समस्याएं आएंगी। हम आज भी ओपीएस लागू करने पर अड़े हैं।

आगामी मान्यता चुनाव में हमें पूरे जोन में रेलकर्मियों का साथ मिलेगा। श्री पांडेय यहां आगामी चुनाव को लेकर वे बुधवार को रेलकर्मियों से संवाद करने आए थे। पांडेय ने कहा कि ट्रेकमैन, गैंगमेन एवं खलासी जैसे निचले पदों पर कई उच्च शिक्षित युवा काम कर रहे हैं, लेकिन एलडीसी ओपन टू ऑल न खुलने के कारण वे पदोन्नति के लिए विभागीय परीक्षा नहीं दे सकते, इसके लिए जरूरी है कि पर्याप्त पद भरे जाएं। संघ ने सरकार से संक्रमण भत्ता बढ़ाने, सुविधाओं में बढ़ोतरी की मांग की है। रेलकर्मी जान जोखिम में डालकर रेलवे का परिचालन कर रहे हैं, विरोधी दल ने सरकार से हाथ मिला लिया, वरना यूपीएस का ड्राफ्ट मंजूर नहीं हो पाता।

यह हैं मांगें- स्टेशन मास्टर्स सहित सभी श्रेणी के कर्मचारियों को नाइट ड्यूटी एलाउंस से रुपये 43600 का बेरियर हटाया जाए। स्टेशन मास्टर्स की ड्यूटी अधिकतम 6 घंटे की जाए। एलडीसीई ओपन टू आल की जाए, स्वयं के अनुरोध पर अंतर रेलवे स्थानान्तरण शीघ्र किए जाएं। रनिंग स्टाफ के लिए आयकर छूट सीमा में वृद्धि की जाकर डीसी-आईसीएम के निर्णय का पालन किया जाए।

रेलवे में महिला कर्मचारियों के लिए कार्य स्थल पर सुविधाएं दी जाएं। उत्पादकता लिंक बोनस (पीएलबी) - वेतन गणना सिलिंग को हटाया जाए। रेलवे कर्मचारियों के माता-पिता को सुविधा- मानार्थ पास और चिकित्सा सुविधाएं प्रदान की जाएं। ट्रेन मैनेजर्स का एंट्री ग्रेड पे रुपये 4200 किया जाए, उन्हें एमएसीपी 4600 एवं 4800 ग्रेड पे दी जाए। रेलवे में कर्मचारियों के काम के घंटे घटाकर 8 घंटे किये जाए। भारतीय रेल पर प्वाइंट्समेन के रूप में काम करने वाले कर्मचारियों के कैरियर ग्रोथ का आदेश तुरंत हो। हार्डशिप एवं रिस्क अलाउंस सभी श्रेणियों के कर्मचारियों को दिया जाए। ट्रेक पेट्रोलिंग करने वाले इंजीनियरिंग कर्मचारियों की पैदल चलने वाली बीट को कम किया जाए। रनिंग कर्मचारियों को एसपीएडी के नाम पर नौकरी से निकालना बंद किया जाए। रनिंग कर्मचारियों की वर्किंग बीट को बार-बार न बढ़ाया जाए। 8 वे वेतन आयोग का गठन किया जाए। लोको पायलेट्स का न्यूनतम ग्रेड पे 4600 किया जाए, इसे इनकम टैक्स से माइलेज को मुक्त किया जाए। रेलवे आवासों विशेष रूप से रोड साइड स्टेशनों के आवासों के अनुरक्षण एवं नए आवास बनाने हेतु शीघ्र नीति बनाकर कार्रवाई की जाए।

आमला की शक्तिकेंद्र स्तरीय कार्यशाला संपन्न

आमला, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी संगठन पर्व अंतर्गत सदस्यता अभियान के तृतीय चरण में बूथ विस्तारक अभियान 3 अंतर्गत भाजपा नगर मंडल आमला के 7 शक्ति केंद्रों पर अभियान के निमित आगामी कार्ययोजना को केंद्रित बूथ स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मंडल सदस्यता प्रभारी एवं जिला महामंत्री सुधाकर पवार के मार्गदर्शन एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष रामकिशोर देशमुख के नेतृत्व में शक्ति केंद्र प्रवासी सहयोगी, शक्ति केंद्र संयोजक सह संयोजक शक्ति केंद्र के वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति आहुत बूथ स्तरीय कार्यशाला में शक्ति केंद्र अंतर्गत विभिन्न बूथों के बूथ अध्यक्ष, पंच परमेश्वर समेत कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यशाला के दौरान जिला महामंत्री सुधाकर पवार के द्वारा शक्तिकेंद्र सहयोगियों के साथ आगामी दिनों में संगठन द्वारा बूथ विस्तारक अभियान 3 के अंतर्गत सक्रिय बूथ समितियो के गठन पर भाजपा कार्यकर्ताओ का मार्गदर्शन किया गया। गौरतलब है कि शक्ति केंद्र कार्यशाला के पश्चात् आगामी दिनों में भाजपा संगठन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण संगठनात्मक इकाई बूथ समिति का गठन होना है। शक्ति केंद्र कार्यशाला में भाजपा जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र गढेकर वरिष्ठ भाजपा नेता चिरौंजी पटेल मंडल सहयोगी सतीश हारोडे समेत शक्ति केंद्र प्रवासी सहयोगी, शक्ति केंद्र संयोजक सह संयोजक शक्ति केंद्र के वरिष्ठ पदाधिकारि बूथ अध्यक्ष, महामंत्री, बी एल ए समेत सभी बूथ समिति सदस्यो की उपस्थिति रहे।

बिरसा मुंडा कॉलेज के छात्र-छात्राओं के ड्रायविंग लायसेंस बनाये

इटारसी, देशबन्धु। भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय सुखतवा में आज ड्राइविंग लाइसेंस कैंप में लगभग पचास छात्र-छात्राओं के ड्रायविंग लायसेंस बनाये गये। प्राचार्य श्रीमती कामधेनु पटोदिया के संरक्षण में एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के मार्गदर्शन में यह कैंप आयोजित हुआ। कैंप में जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती निशा सिंह के निर्देश पर जिला परिवहन की टीम आई जिसमें निरंजन बघेल, कशिश पोपली, राजेश चौधरी, सौरभ दीवान एवं संजय मीणा विद्यार्थियों को ड्राइविंग लाइसेंस के पहले की पाठशाला चिन्हों से अवगत कराया। संजय मीणा ने बच्चों को बताया कि आरटीओ के जो रोड पर लगे हुए निशान होते हैं वह तीन प्रकार के होते हैं। एक गोल, दूसरा ट्रायंगल और तीसरा चौकोर। गोल वाले जो निशान होते हैं वह विशेष तौर पर विशेष परिस्थिति में लगाए जाते हैं, त्रिकोण में जो निशाना बनाए जाते हैं उसका हमें आवश्यक रूप से पालन करना होता है एवं जो चौकोर में नीले कलर के निशान होते हैं, उसका हम उपयोग कर भी सकते हैं और नहीं भी कर सकते हैं। निरंजन बघेल ने बताया कि लाइसेंस बच्चों के लिए क्यों आवश्यक है। प्राचार्य ने बताया कि सड़क पर चलते हुए सर्वप्रथम अपने साइड का ध्यान रखना चाहिए एवं इसके साथ-साथ अपने पास वहां के समस्त दस्तावेज एवं लाइसेंस होना अत्यंत आवश्यक होता है जिससे हम परेशानियों से बच सकते हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ राधा आशीष पांडे ने बताया कि मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं अग्रणी महाविद्यालय के निर्देश के परिपालन में आज जो कैंप लगा है उसमें छात्रों के लिए यह कैंप पूर्ण रूप से निशुल्क था एवं छात्रों के लिए जो निर्धारित शुल्क है, उसे लेकर लाइसेंस बनाए। उक्त लाइसेंस कैंप में महाविद्यालय के करीब 50 छात्र छात्राओं ने लाइसेंस कैंप वन का फायदा लेकर अपने लाइसेंस बनवाए। कार्यक्रम में डॉ मंजू मालवीय, डॉ प्रवीण कुशवाहा, उमेश कुमार पहाड़े, राकेश अहिरवार के साथ-साथ राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

बागड़ा बफर रेंज में नए रेंजर ने संभाला पदभार

सोहागपुर, देशबन्धु। सतपुड़ा टाइगर रिजर्व बागड़ा बफर रेंज के नए रेंजर के रूप में लोकेश पवार ने बुधवार को पदभार ग्रहण किया। रेंजर लोकेश पवार को पूर्व में रेंजर रहे विजय बारस्कर द्वारा कार्यभार सौंपा गया।

नए रेंजर ने बलोकेश पवार ताया कि वह इससे पहले पेंच टाइगर रिजर्व में 2 वर्षो से पदस्थ थे जहां से स्थानांतरित होकर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के बागड़ा बफर रेंज का पदभार ग्रहण किया गया है। पिछले 37 महीना से बागड़ा बफर रेंज में पदस्थ रेंजर विजय बारस्कर द्वारा अपना कार्यकाल संपूर्ण स्टाफ से मधुर व्यवहार रख कर पूरा किया गया। उनके कार्यकाल में कभी भी विवाद की स्थिति नहीं बनी। उन्होंने मढ़ई का अतिरिक्त प्रभार भी बखूबी संभाला था। स्थानीय ग्रामीण सुहागपुर नगर के नगरवासी एवं उनके वरिष्ठअधिकारी नेता उनकी कर शैली से हमेशा संतुष्ट नजर आए। बिनेका एवं परसा पानी में पर्यटकों के लिए उन्होंने शानदार व्यवस्थाएं की थे। टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए नए-नए सुझाव और कार्य करते थे। विदाई के दौरान सभी कर्मचारी भावुक दिखाई दिए। वही नए रेंजर का कहना है वरिष्ठ और कनिष्ठ कर्मचारी के साथ समन्वय बनाकर टूरिज्म और क्षेत्र वासियों के हित में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्य करेंगे।

उत्कृष्ट विद्यालय केसला में छात्रसंघ के चुनाव कराए गए

इटारसी, देशबन्धु। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय केसला में भारतीय लोकतंत्रीय प्रणाली से अवगत कराने उद्देश्य से प्रति वर्षानुसार छात्रसंघ के चुनाव कराए। प्राचार्य एसके सक्सेना ने बताया कि 18 वर्ष की उम्र के पश्चात वोट डालने का अधिकार नागरिक को मिलता है और उन अधिकारों की जानकारी विद्यालय स्तर पर ज्ञात कराने का एक प्रयास है।

चुनाव प्रभारी संतोष भारद्वाज एवं सुश्री शबाना बेगम ने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया में प्रथम स्तर पर कक्षा नायक के चुनाव होते हैं, उसमें पिछले वर्ष के उच्चतम अंक प्राप्त करने वाले छात्र उच्च सदन का प्रतिनिधि निर्वाचित होता है। पश्चात निम्न सदन के लिए वोटिंग प्रक्रिया प्रथम कालखंड में अपनाई जाती है। उच्च और निम्न सदन के लिए एक छात्र और एक छात्रा अनिवार्य है। उसी दिन तृतीय कालखंड में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव और सहसचिव के नामांकन फार्म प्रस्तावक और समर्थक के द्वारा भराए जाते हैं। अध्यक्ष कक्षा 12 वी से, उपाध्यक्ष कक्षा 11 वी से, सचिव कक्षा 10 वी से और सहसचिव कक्षा 9 वी के लिए निर्धारित है ताकि प्रत्येक कक्षा का प्रतिनिधित्व छात्र संघ में हो सके। वरिष्ठ व्याख्याता गजेंद्र गौर ने बताया कि मतदाता सूची का कक्षा वार निर्धारण होता है। मतदान के लिए बाक्स तैयार किए जाते हैं तीन सदस्यीय मतदान दल बनता है, 6 बूथ तैयार किए जाते हैं, छात्र विधिवत लाइन में आते हैं, आइडेंटी कार्ड उसका मतदाता परिचय पत्र होता है। पी 1 मतदाता सूची में नाम देखेगा पी 2 मारकर पेन से अमिट स्याही लगाएगा और पी 3 मतपत्र देगा जो की छात्र गुप्त मतदान द्वारा अपना मत देगा। इस प्रकार समस्त लोकतंत्र की प्रक्रिया से छात्र को अवगत कराया जाता है।

निर्वाचन अधिकारी व्याख्याता श्रीमती सुनीता दुबे ने बताया कि छात्रों की उपस्थिति में गणना का कार्य संपन्न किया। चुनाव में अध्यक्ष पंकज कलमे, उपाध्यक्ष कमलेश पंद्राम, सचिव प्रीति उइके, सहसचिव देवांश कामले विजयी घोषित हुए। इस संपूर्ण प्रक्रिया में प्रमोद श्रीवास, नेपाल राजपूत, जगदीश साहू, राजेश पटेल, चंद्रशेखर नागर, श्रीमती सरिता श्रीवास्तव, भावना शुक्ला, अंशु अस्थाना, लीला तायडे, आशा मुराई, मंजू चौकसे, सावित्री उईके, रामजीवन वर्मा सभी ने अपने दायित्वों का निर्वहन किया। प्राचार्य एसके सक्सेना ने चुनाव परिणामों की घोषणा की।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

पैकेजिंग मूल्य से अधिक दाम लेने पर प्रकरण पंजीबद्ध

नर्मदापुरम, देशबन्धु। सोशल वर्कर सीमा कैथवास ने बुधवार को पैकेजिंग से अधिक मूल्य लेने की शिकायत की थी, जिसमें उनके द्वारा एस मार्ट सुपर बाजार कोठी बाजार नर्मदापुरम द्वारा फॉर्च्यूनर 15 लीटर का सोयाबीन रिफाइंड तेल में अंकित मूल्य से अधिक पैसे लेना बताया गया। सीमा की शिकायत पर नापतोल विभाग अधिकारी सलिल ल्यूक एवं आशीष श्रीवास्तव द्वारा संस्था पर पहुंचकर जांच की और संस्था के विरुद्ध पैकेज नियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीकृत किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस का आयोजन 16 को

नर्मदापुरम, देशबन्धु। डिप्टी कलेक्टर नर्मदापुरम ने बताया कि राज्य आनंद संस्थान द्वारा आनंद विषय से संबंधित कुछ चयनित अंतर्राष्ट्रीय/विश्व दिवसों पर आयोजन प्रदेश स्तर पर विभिन्न आयोजन किये जाते है। इसी तारतम्य में 16 नवम्बर शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस का आयोजन किया जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय सहिष्णुता दिवस पर विभिन्न गतिविधियां एवं कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

श्री कृष्ण- सुदामा की मित्रता देखकर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

भागवत कथा का हुआ समापन

हरदा, देशबन्धु। एक गरीब ब्राह्मण राजमहल के द्वार पर आया तो द्वारपालों ने उसे रोक लिया,इधर व्यासपीठ से सुदामा के भाव को व्यक्त करता हुआ गीत गाया गया,अरे ! द्वारपालों कन्हैया से कह दो,के दर पे सुदामा गरीब आ गया है। द्वारपाल कन्हैया के पास सूचना लेकर गए और उन्हें बताया कि कोई सुदामा नाम का गरीब ब्राह्मण आया है। सूचना मिलते ही,कृष्ण नंगे पांव दौड़ पड़े ।कृष्ण अपने मित्र सुदामा की दीन दशा देखकर रो पड़े,उन्होंने सुदामा का सत्कार किया ।देख सुदामा की दीन दशा करुणा कर के करुणानिधि रोए। पानी परात को हाथ दियो नहीं,नैनन से तिनके पग धोए। यह कथा नार्मदीय ब्राह्मण समाज धर्मशाला में गुरुवार को भागवत कथा के समापन पर आचार्य नारायण साकल्ले ने कही। श्री कृष्ण बने अनुज शुक्ला एवं सुदामा बने चकोर पारे के अभिनय को देखकर श्रद्धालु भावुक होकर रो पड़े। कथावाचक ने कहा कि सच्ची मित्रता अमीरी गरीबी नहीं देखती है ।दुख के समय सच्चा मित्र सदैव साथ रहता है ।उन्होंने कहा कि भागवत कथा कभी पूर्ण नहीं हो पाती है,लेकिन कभी अधूरी भी नहीं रहती है ।कथा के दौरान श्रीकृष्ण गोलोकगमन सहित अन्य कथाओं को विस्तार से कही ।वहीं कृष्ण भजनों पर श्रोताओं ने नृत्य किया। कथा के समापन पर सर्व ब्राह्मण समाज संगठन के पदाधिकारियों सहित परिजनों ने व्यासपीठ का पूजन कर आशीर्वाद लिया। सभी के सहयोग के लिए आयोजक अनिल शुक्ला एवं दीपक शुक्ला ने सभी का आभार माना। इसके बाद महाआरती हुई ।अंत में सभी ने प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

शहरी क्षेत्र के स्कूल व अस्पतालों का फायर सेफ्टी ऑडिट कराएं: कलेक्टर

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में मुख्य नगर पालिका अधिकारियों की बैठक लेकर नगरीय विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में निर्देश दिये कि शहरी क्षेत्रों में स्थित स्कूलों, अस्पतालों और अन्य बड़े भवनों का फायर सेफ्टी ऑडिट नियमित रूप से कराते रहें। उन्होने कहा कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी अपने क्षेत्र के एसडीएम और एसडीओपी के साथ समन्वय स्थापित कर बाजार में दुकानदारों बैठक व्यवस्था बेहतर बनाएं तथा शहरी क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे हर दुकान के बाहर लगवाने के लिये व्यापारियों को प्रेरित करें। उन्होने कहा कि शहरी क्षेत्र में यातायात सुचारू बनाने के लिये वाहन पार्किंग व्यवस्था सुधारें।

कलेक्टर ने सभी सीएमओ से कहा कि अपने-अपने क्षेत्र के वृद्ध पेंशनर्स की ई-केवायसी प्रक्रिया शतप्रतिशत कराएं। उन्होने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने के संबंध में जागरूकता लाने के लिये भी निर्देश दिये। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत 2.0 योजना, राजस्व वसूली, कायाकल्प अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, पीएम स्वनिधि योजना तथा स्वनिधि से समृद्धि योजना की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होने नगरीय क्षेत्र में संचालित विकास कार्यों की भी समीक्षा की तथा निर्माण कार्य समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को दिये। बैठक में संयुक्त कलेक्टर सतीश राय एवं हरदा, सिराली, टिमरनी व खिरकिया के मुख्य नगर पालिका अधिकारी भी मौजूद थे।

नर्मदा एवं तवा के संगम तट बांद्राभान पर मेला शुरु

लाखों की संख्या में पहुंचते हैं श्रद्धालु, प्रशासन ने की बेहतर व्यवस्थाएं

नर्मदापुरम, देशबन्धु। मां नर्मदा एवं तवा के संगम तट बांद्राभान में बुधवार से तीन दिवसीय बांद्राभान मेले का शुभारांभ हुआ। लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायक नर्मदापुरम डॉ सीतासरन शर्मा, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, कलेक्टर सोनिया मीना, मध्य प्रदेश तैराकी संघ अध्यक्ष पीयूष शर्मा, जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने विधिवत पूजा अर्चना कर मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ गुरुकरन सिंह, जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती मंजूलता पटेल, एसडीएम नर्मदापुरम श्रीमती नीता कोरी, एसडीओपी पराग सैनी, डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड राजेश जैन, जनपद सीईओ हेमंत सूत्रकार सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहें।

कलेक्टर सुश्री मीना एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गुरुकरन सिंह ने अधिकारियों के साथ मोटरबोट के माध्यम से नदी मार्ग द्वारा मेला क्षेत्र पर व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया एवं मेले के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि कार्तिक मास की पूर्णिमा के अवसर पर लगने वाला सुप्रसिद्ध बांद्राभान मेले में लाखों की संख्या में श्रद्धालु स्नान के लिए पहुंचते हैं। जिसे ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन नर्मदापुरम द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई।

जनपद सीईओ नर्मदापुरम हेमंत सुत्रकार ने बताया कि तीन दिवस तक आयोजित होनें वाला मेला 16 नवंबर तक चलेगा। मेले में नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, सीहोर, भोपाल, राजगढ एवं अन्य जिलो से आने वाले यात्रियों व श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखते हुये मेला स्थल के पहुंच मार्गों को दुरूस्त किया गया है। मेले के लिए मुख्य घाट सहित अन्य प्रमुख स्नान घाटों तक के रेतीले क्षेत्र में आवागमन सुलभ बनाया गया है। मेला स?थल पर नदी में गहरे पानी में जाने से लोगो को रोकने के लिए बैरीकेडिंग की गई है। शुद्ध पेयजल की भी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उचित यातायात प्रबंधन तथा जाम से निजात पाने के लिये अलग-अलग स्थानों पर पार्किंग बनाई गई है, जिससे मार्ग पर कोई अवरोध उत्पन्न ना हो एवं वाहनों की आवा जाही सतत रूप से जारी रहे। उन्होंने बताया कि स्नान के दौरान गहरे पानी में श्रद्धालुओं को डूबने से बचाने व अन्य किसी प्रकार की आपात स्थिति से बचाव के लिए कुशल तैराकों, गोताखोरों एवं नदी में पेट्रोलिंग हेतु मोटर बोट, लाईफ जैकिट, वायरलैस सैट, वॉकी-टॉकी, सर्च लाईट वॉच टावर इत्यादी की व्यवस्था भी की गई है। इसके अलावा खोया-पाया केन्द्र, स्वास्थ विभाग का अमला एंबुलेंस तथा प्राथमिक उपचार के लिए दवाओं के साथ मेला स्थल पर तैनात है। अस्थाई शौचालय, चलित शौचालय, अस्थाई चेंजिंग बूथ भी मेला स्थल पर हैं। मेले में शांति एवं कानून व्यवस्था, भीड एवं ट्रैफिक नियंत्रण तथा हर प्रकार की अप्रत्याशित परिस्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल पूरी तरह मुस्तेद रहेगा। मेले में आने वाले यात्रियों के खाने-पीने, चाय-नाश्ते तथा रोजाना की जरूरतों के हिसाब से दूरस्थ क्षेत्रों से आये दुकानदारों ने दुकाने भी स्थापित की है। मनोरंजन व धार्मिक वातावरण हेतु सांस्कृतिक कार्यक्रम भी निरंतर संचालित रहेगें। उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक मेले की सफलता सुनिश्चित करने के लिये कलेक्टर श्री सुश्री मीना के मार्गदर्शन में समस्त इंतजाम पुख्ता व व्यवस्थित किए गये है।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के लिए पंजीयन शुरु, प्रदर्शनी में लगेंगे 30 स्टॉल

मोटा अनाज मिलेट के उत्पादन एवं मार्केटिंग पर विशेष ध्यान दिया जाए - संभागायुक्त

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर केजी तिवारी की अध्यक्षता में बुधवार को दो सत्रों में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। संभागायुक्त ने प्रथम सत्र में किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, सहकारिता विभाग, मार्कफेड, मत्स्य विभाग, उद्यानिकी विभाग, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विभाग की तथा द्वितीय सत्र में उद्योग विभाग, रेशम एवं खेल विभाग, सूक्ष्म एवं लघु उद्योग विभाग की योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की संभागीय समीक्षा की।

बैठक में जिला उद्योग व व्यापार केंद्र के महाप्रबंधक कैलाश माल ने बताया कि नर्मदापुरम संभाग की रीजनल इंडस्ट्री कांन्क्लेव 7 दिसंबर को नर्मदा पुरम जिले में आयोजित की जाएगी। स्थानीय आईटीआई महाविद्यालय में आयोजित होने वाली रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में शामिल होने के लिए उद्योगपतियों द्वारा पंजीयन कराए जा रहे। कॉन्क्लेव में प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी. प्रदर्शनी में 30 स्टॉल लगाए जाएंगे। अब तक स्टॉल लगाने के लिए 110 उद्योगपतियों ने पंजीयन कराए हैं। एक जिला एक उत्पादन के तहत भी प्रोडक्ट प्रदर्शित किए जाएंगे। कॉन्क्लेव में तीन से 4000 लोग शामिल होंगे। मुख्यमंत्री उद्योगपतियों से वन टू वन चर्चा करेंगे एवं उद्योगपतियों से राउंड टेबल वार भी चर्चा करेंगे।

संभागायुक्त श्री तिवारी ने किसान कल्याण एवं कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए की मोटा अनाज मिलेट मिशन योजना के अंतर्गत मोटे अनाज श्री अन्न के उत्पादन को नर्मदा पुरम संभाग के जिलो में बढ़ावा मिले। मोटे अनाज की मार्केटिंग एवं प्रशिक्षण तथा मेला पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाए। उन्होंने कहा की फसल गिरदावरी में भी मोटे अनाज का सर्वे किया जा रहा है। संभागायुक्त ने कहा कि मिट्टी परीक्षण लैब पूरी क्षमता से कार्य करें। मिट्टी परीक्षण लैबो की कैपेसिटी बढ़ाई जाए। बताया गया कि वर्तमान में एक मिट्टी परीक्षण लैब 1 दिन में 40 मिट्टी के नमूने का परीक्षण करती है। संभागायुक्त ने हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर के संबंध में एवं उसकी उपयोगिता के संबंध में आवश्यक जानकारी ली। बताया गया कि एग्रीकल्चर वेस्ट स्टार्टअप के तहत हरदा एवं नर्मदापुरम में विशेष कार्य योजना बनाकर कार्य किया जाना है।

बैठक में बताया गया कि गेहूं के बेस्ट मटेरियल से भूसा बनाने का काम भी किया जा रहा है। भूसा की अधिकता से निराश्रित पशुओं की समस्या का भी निराकरण हो सकेगा। संभागायुक्त ने सहकारिता विभाग की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सहकारी बैंक जिलों से की जाने वाली रिकवरी को बढ़ाएं। बैंक वसूली में तेजी लाएं। बताया गया कि कॉपरेटिव एक्ट के अंतर्गत वसूली की प्रकरण तैयार किए जा रहे हैं। सेड मेप स्ट्रक्चर के अंतर्गत सहकारी सोसाइटी में कॉमन सर्विस सेंटर को डेवलप करने, सोसाइटियों को मॉडल सोसाइटी में डेवलप करने के संबंध में कार्य किया जा रहा है संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि सहकारी बैंक और अधिक मेहनत से कार्य करें।

संभागायुक्त ने उद्यानिकी विभाग की पुष्प विस्तार क्षेत्र योजना, उद्यानकी विस्तार क्षेत्र योजना की जानकारी ली। बताया गया कि नर्मदापुरम में 84 बैतूल में 64 एवं हरदा में 38 हेक्टेयर क्षेत्र में उद्यानिकी का विस्तार किया जाएगा तथा सेडमेप स्ट्रक्चर के तहत एक एकड़ जमीन चिन्हित कि गई है जिसमें फाउंडेशन तैयार कर कार्य किया जाएगा। संभागायुक्त ने जिला मत्स्य विभाग की समीक्षा करते हुए सहकारी बैंक के प्रबंधकों को निर्देश दिए कि वे किसान क्रेडिट कार्ड के लिए प्राथमिकता से ऋण राशि स्वीकृत करें। बताया गया कि सहकारी बैंक मत्स्य पालक मछुआरों को जाल एवं नाव के लिए छोटी-छोटी लोन राशि देती है। पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए संभागायुक्त ने निर्देश दिए की पशु चलित एंबुलेंस 1962 का व्यापक प्रचार प्रचार किया जाए पशु चिकित्सकों को एसएमएस के माध्यम से भी पशु चिकित्सा एम्बुलेंस 1962 की जानकारी दी जाए एवं उन्हें प्रेरित किया जाए कि वह अपने बीमार पशुओं का उपचार पशु चिकित्सा एंबुलेंस में कराए। बताया गया कि पशुओं के बीमार होने पर पशुपालक अपने घर पर एंबुलेंस बुलाकर पशुओं का उपचार कराना सुनिश्चित करते हैं। 100 रूपये के शुल्क पर पशुओं का बेहतर तरीके से उपचार किया जाता है। बैठक में पशु संगणना, बकरी पालन, शुकर पालन के तहत दिए जा रहे अनुदान की जानकारी ली। बताया गया कि पशु संगणना का कार्य शुरू किया जाएगा। बैठक में संयुक्त उपायुक्त विकास जी सी दोहर, संयुक्त संचालक कृषि श्री बीएल बिलैया सहित सभी संभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण पर ध्यान दें सभी अधिकारी: कलेक्टर

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कलेक्टर सोनिया मीना ने राजस्व अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में कलेक्टर राजस्व महाअभियान-3.0 के लिए सभी राजस्व अधिकारियों को तैयारी करने एवं जिले को अभियान में टॉप पर लाने एवं आरसीएमएस पोर्टल पर प्रगति लाने के निर्देश दिए। सुश्री मीना ने कहा कि सभी अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसीलदार, नायब तहसीलदार अपने अपने क्षेत्रांतर्गत संबंधित कर्मचारियों से चर्चा कर उन्हें अभियान की महत्वता एवं अभियान के दौरान होनें वाली गतिविधियों से अवगत कराऐं। उन?हानें सभी राज्सव अधिकारियों को निर्देशित किया है कि इस दौरान नियमित रूप से कार्यप्रगति की समीक्षा करते रहें। कलेक्टर ने अधिकारियों को जनता के साथ संवाद स्थापित कर समस्या का निवारण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राजस्व विभाग के अंतर्गत राजस्व वसूली, स्वामित्व योजना, भूमि आवंटन, धारणाधिकार एवं भू-अर्जन से संबंधित प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री मीना ने तहसीलदारों को निर्देशित किया है कि बड़े ग्रामीण क्षेत्रों के लिए आरआई एवं पटवारियों की टीम बना कर प्रकरणों के त्वरित निराकरण किये जाने के साथ साथ इन स्थानों पर समुचित संसाधन उपलब्ध करवाये जाऐं। सुश्री मीना ने राजस्व महाअभियान-3.0, 15 नवंबर से 15 दिसंबर की विभिन्न गतिविधियों की तैयारी करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से सभी प्रकरणों के निराकरण करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदार के रीडर्स को भी निर्देश दिए हैं कि वे सभी भी राजस्व अभियान 3.0 अभियान में प्राथमिकता से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। रीडर्स आईडी पर कोई भी केस पेंडिंग ना रहे इस बात का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि रीडर्स की भी इस अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका है इसलिए सभी अपने उत्तरदायित्वों के प्रति सजग रहें एवं समय सीमा में प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर डीके सिंह, संयुक्त कलेक्टर अनिल जैन, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेन्द्र रावत सहित समस्त एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा उनके रीडर्स उपस्थित थे। बैठक में राजस्व विभाग से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की गई।

राजस्व मामलों का समय सीमा में निराकरण करें, अन्यथा होगी कार्यवाही: कलेक्टर

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिये है कि राजस्व महाअभियान-3.0 के दिशा निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही करें। राजस्व महाअभियान-3.0 के तहत 15 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण और राजस्व अभिलेखों में त्रुटि सुधार की कार्यवाही की जाना है।

कलेक्टर ने निर्देश दिये कि राजस्व अधिकारी क्षेत्र भ्रमण नियमित रूप से करें तथा राजस्व न्यायालयों के दिन निर्धारित कर राजस्व प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण करें। लोक सेवा अधिनियम के तहत निर्धारित समय सीमा से बाहर निराकरण पाये जाने पर राजस्व अधिकारियों पर अधिनियम के प्रावधानों के तहत अर्थदण्ड की कार्यवाही की जाएगी। श्री सिंह ने राजस्व अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम अपने-अपने स्तर से अधीनस्थ अधिकारियों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित कर शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करें तथा वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त पत्रों के निराकरण की समीक्षा करें। उन्होने कहा कि तहसील एवं पंचायत स्तर पर जनसुनवाई भी नियमित रूप से आयोजित की जाए ताकि ग्रामीणों को आवेदनों के निराकरण के लिये जिला स्तरीय जनसुनवाई में न आना पड़े। कलेक्टर श्री सिंह ने सभी एसडीएम व तहसीलदारों को निर्देश दिये कि पीएम किसान योजना के हितग्राहियों में से जिनकी ई-केवायसी की कार्यवाही अपूर्ण है, उसे पूरा करें। उन्होने निर्देश दिये कि पीएम किसान योजना के तहत किसानों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से फार्मर रजिस्ट्री की कार्यवाही पूर्ण करें अन्यथा किसानों को इस योजना का लाभ लेने में परेशानी आ सकती है। उन्होने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी अपने मुख्यालय पर रहें। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को राजस्व वसूली बढ़ाने के निर्देश भी दिये। उन्होने कहा कि राजस्व अधिकारी अपने क्षेत्र के लंबित नामांतरण, सीमांकन, बंटवारे, नक्शा तरमीम के आवेदनों का शीघ्रता से निराकरण करें ताकि प्रदेश स्तर पर उनकी रैंकिंग सुधर सके। बैठक में संयुक्त कलेक्टर सतीश राय, एसडीएम हरदा कुमार शानु देवड़िया, एसडीएम खिरकिया अशोक डेहरिया व डिप्टी कलेक्टर संजीव नागू सहित जिले के सभी राजस्व अधिकारी मौजूद थे।

पीएम श्री स्कूलों का नियमित निरीक्षण करें और व्यवस्थाएं बेहतर बनायें - कलेक्टर आदित्य सिंह ने कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिले में संचालित पीएम श्री स्कूलों का नियमित निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की लगातार मॉनिटरिंग करें और इन स्कूलों में विद्यार्थियों के लिये सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराएं। श्री सिंह ने सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिये कि हर सप्ताह पीएम श्री स्कूल का निरीक्षण किया जाए और निरीक्षण पंजी में टीप दर्ज करें। कलेक्टर ने विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिये कि बच्चों को खेल-खेल में पढ़ाई के लिये रंगीन चित्रों के माध्यम से शिक्षित करें। उन्होने कहा कि प्री-प्रायमरी अरूण कक्षा के सभी विद्यार्थियों की समग्र आईडी अगले एक सप्ताह में बनवायें। कलेक्टर ने विभागीय योजनाओं की सही जानकारी न देने पर तीनों विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों के विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जिले में कुल 6 पीएम श्री विद्यालय स्वीकृत है जोकि सिराली, कायदा, चौकड़ी, खिरकिया, टेमागांव व हंडिया में संचालित हैं। इन स्कूलों में कुल 1847 विद्यार्थी पंजीबद्ध है। इनमें से हंडिया, चौकड़ी व टेमागांव के स्कूल के लिये 16.30-16.30 लाख रूपये लागत के अतिरिक्त कक्ष स्वीकृत हो गये है। निर्माण कार्य के लिये टेण्डर प्रक्रिया जारी है। बैठक में जिला पंचायत की सीईओ श्रीमती सविता झानिया व शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर ने खिरकिया क्षेत्र के ग्राम बमनगांव, सक्तापुर, चौकड़ी व छीपाबड़ का किया दौरा

स्कूल,अस्पताल व वेयरहाउस का निरीक्षण किया

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह ने बुधवार को जिले की खिरकिया तहसील के ग्राम बमनगांव, सक्तापुर, चौकड़ी व छीपाबड़ का दौरा कर वहां शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति का जायजा लिया। उन्होने इस दौरान स्कूल, अस्पताल, जल जीवन मिशन की पेयजल योजना, उपार्जन केन्द्र और नहरों से सिंचाई कार्य का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान एसडीएम खिरकिया अशोक डेहरिया सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम बमनगांव में जल जीवन मिशन के तहत संचालित पेयजल योजना का निरीक्षण किया। उन्होने सरपंच व सचिव को निर्देश दिये कि कार्य पूर्ण होने पर पेयजल योजना को अपने आधिपत्य में लें और जलकर वसूल कर योजना को अच्छी तरह संचालित करें। इस दौरान कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम हिवाला में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत दलहन प्रदर्शन कार्यक्रम के तहत चयनित ''अरहर पूसा-16'' की खेती देखी और किसान दौलत सिंह पिता अर्जुन सिंह से चर्चा की। किसान ने बताया कि वर्ष 2020 से अभी तक बीज निगम द्वारा मिलने वाला अनुदान उसे नहीं मिला है, जिस पर कलेक्टर श्री सिंह ने शीघ्र ही भुगतान कराने के लिये आश्वस्त किया।

कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खिरकिया का निरीक्षण किया। उन्होने अस्पताल का फायर ऑडिट कराने तथा समय-समय पर अग्निशमन संबंधी मॉकड्रिल आयोजित करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा अधिकारी को दिये। उन्होने खिरकिया अस्पताल में स्थित पोषण पुनर्वास केन्द्र का भी निरीक्षण कर वहां भर्ती बच्चों की माताओं से चर्चा की। कलेक्टर श्री सिंह ने इस दौरान निर्देश दिये कि मोरगढ़ी जैसी दूरस्थ ग्रामों में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित कर कुपोषित बच्चे चिन्हित कर उन्हें पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती कराएं। उन्होने सक्तापुर स्थित उपार्जन केन्द्र देखा। कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम चौकड़ी में नहर से सिंचाई कार्य का निरीक्षण किया और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि नहरों की साफ-सफाई का कार्य कराते रहें।

कलेक्टर ने ग्राम चौकड़ी के पीएम श्री स्कूल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्कूल की शिक्षिका सुश्री मीनाक्षी पाराशर का कार्य सराहनीय पाया गया, जिस पर उन्होने उन्हें गणतंत्र दिवस पर सम्मानित करने के लिये जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिये। मॉडल स्कूल चौकड़ी के निरीक्षण के दौरान उन्होने शिक्षकों की बैठक लेकर निर्देश दिये कि समय पर स्कूल आएं। उन्होने विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को स्कूलों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने प्राथमिक विद्यालय चौकड़ी में प्री प्राइमरी कक्षा का भी निरीक्षण किया। उपस्थित शिक्षक ने बताया कि बच्चों की समग्र आईडी नहीं बनी है, जिस पर उन्होने जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सभी बच्चों की समग्र आईडी बनवाने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने मॉडल स्कूल चौकड़ी के कक्षों में साफ-सफाई न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट की। उन्होने स्कूल की पुस्तकालय व कम्प्यूटर लेब का भी निरीक्षण किया।

उपार्जन केन्द्र पर खरीदी शुरू कराएं- ग्राम चौकड़ी के किसानों ने कलेक्टर श्री सिंह से शिकायत की कि गांव के सोयाबीन के उपार्जन केन्द्र के लिये स्लॉट बुक नहीं हो रहे है तथा समिति के कर्मचारी अनुपस्थित रहते है, जिस पर उन्होने सहकारी बैंक के जिला प्रबन्धक को कल से ही उपार्जन के लिये सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

विधायक ने किया दिगम्बर जैन समाज के सामुदायिक भवन निर्माण कार्य का भूमि पूजन

हरदा, देशबन्धु। विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने ने वार्ड क्र. 7 गढीपुरा में जैन समाज के मंदिर के पीछे जैन समाज की मांग पर सामुदायिक भवन निर्माण कार्य कराये जाने हेतु विधायक निधि से दस लाख रूपये की राशि स्वीकृत की गई थी। जिसका भूमि पूजन बुधवार को हरदा विधायक डॉ. दोगने द्वारा किया गया। जैन समाज को मिली उक्त सौगात के लिए समस्त सामाजिक लोगों ने हरदा विधायक डॉ. दोगने का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष पूर्व नपाध्यक्ष सुरेन्द्र जैन, उपाध्यक्ष विशाल जैन, प्रदीप अजमेरा, राजीव जैन, राहुल जैन, संजय जैन, पूनमचंद जैन, सतीश सिंघई, संजय बजाज, प्रदीप जैन, आकाश लहरी, सचिन सिंघई, सरगम जैन, मनोज जैन, पूर्व नपाध्यक्ष साधना जैन, शकुंतला जैन, साधना राजीव जैन, संध्या बजाज, ऊषा जैन सहित बड़ी संख्या में सामाजिक लोग उपस्थित थे।

देशबन्धु

नर्मदापुरम, गुरूवार 14 नवम्बर 2024

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

जलवायु सम्मेलन : बड़े देशों पर निगाहें

अज़रबैजान की राजधानी बाकू में सीओपी-29 के नाम से जलवायु सम्मेलन हो रहा है जिसमें 200 देश हिस्सा ले रहे हैं। 11 नवम्बर से प्रारम्भ हुआ सम्मेलन 22 तारीख तक चलेगा। 'कांफ्रेंस ऑफ द पार्टीज़' कहलाने वाले ऐसे सम्मेलनों की शुरुआत 1995 में जर्मनी की राजधानी बर्लिन से हुई थी। इस श्रृंखला में यह 29वां जमावड़ा है जिसमें सभी देश जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली समस्याओं के आकलन के साथ पृथ्वी का तापमान नियंत्रित करने के बारे में चर्चा करेंगे। भारत विकसित देशों की जिम्मेदारी तय करने का पक्षधर है।

20वीं शताब्दी के छठे व सातवें दशक में प्रदूषण घटाने तथा पर्यावरण संरक्षण को लेकर वैश्विक चिंताएं प्रकट हुई थीं लेकिन सघन एवं सामूहिक प्रयास 90 के दशक के आरम्भ से दिखे। तभी से जलवायु परिवर्तन की गम्भीरता की ओर दुनिया का अधिक ध्यान गया। माना गया कि यह बहुत चिंताजनक है जिस पर सामूहिक प्रयासों की ज़रूरत है। सीओपी के अलावा 'अर्थ समिट' जैसे विभिन्न मंचों से नीले ग्रह को गर्म होने से बचाने हेतु गम्भीर प्रयासों की ज़रूरत बतलाई जाती रही। राष्ट्रसंघ के कई सत्र भी इसे लेकर हो चुके हैं। सीओपी के पिछले सभी सम्मेलनों में अनेक प्रकार की बातें हुईं। बर्लिन के अलावा 1997 में जेनेवा (स्विटजरलैंड), 2005 में क्योटो (जापान), 2010 में कानकुन (मैक्सिको) और 2013 में वारसा (पोलैंड) में हुए सम्मेलन जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को रोकने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के लिहाज़ से अहम रहे, परन्तु मील का पत्थर साबित हुआ पैरिस (फ्रांस) में आयोजित 2015 का सीओपी 21 सम्मेलन। इसमें शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य रखा गया तथा 196 देशों ने इसे समझौते के रूप में स्वीकार किया जो सभी देशों पर बाध्यकारी है।

जिस अमेरिका ने क्योटो सम्मेलन में इस समझौते पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया था, उस पर 2020 में राष्ट्रपति बनते ही जो बाइडेन ने हस्ताक्षर कर दिये थे। उनके पूर्ववर्ती और अब पुन: राष्ट्रपति बन गये डोनाल्ड ट्रम्प का रुख इसे लेकर क्या होगा, यह देखना होगा क्योंकि वे दुनिया में प्रदूषण का ठीकरा विकासशील एवं अविकसित देशों पर फोड़ते रहे हैं। स्वयं बड़े कारोबारी होने के नाते वे विकसित तथा औद्योगिक देशों के पक्षधर माने जाते हैं। अन्य दो ताकतवार देश- चीन व रूस का रवैया भी इस विषय पर ढुलमुल रहा है क्योंकि इन दोनों ही देशों में उद्योग एवं व्यवसायों से बड़े पैमाने पर ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन होता है परन्तु वे इसे न्यायोचित बताते रहे हैं; और उनकी इस विषय पर आलोचना का साहस कम ही हो पाता है। जब तक बड़े और शक्तिशाली देश भी जलवायु परिवर्तन के कारकों पर ईमानदारीपूर्वक लगाम नहीं लगाते, दुनिया का तापमान कम करने के प्रयास अधूरे रहेंगे।

1990 की शुरुआत से लागू नयी वैश्विक अर्थप्रणाली से इस समस्या के तार तो जुड़े हुए हैं ही, अंतरराष्ट्रीय मतभेदों में भी यह विषय उलझकर रह गया है। पृथ्वी का तापमान न घटने के लिये विकसित एवं विकासशील देश परस्पर दोषारोपण कर जिम्मेदारी एक-दूसरे पर डाल रहे हैं। बहुत से विशेषज्ञ एवं पर्यावरणविद इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि प्रदूषण बढ़ने का प्रमुख कारण जीडीपी में वृद्धि की लालसा है। विकास के नाम पर की जा रही अनेक तरह की गतिविधियों में तीव्र कार्बन उत्सर्जन होता है जो तापमान बढ़ाने का प्रमुख कारक है। इतना ही नहीं, उत्पादन बढ़ाने हेतु किये जा रहे अनगिनत मानवीय उपक्रम ग्रीन हाउस प्रभाव को सतत बढ़ा रहे हैं। इस बढ़ते तापमान के परिणामों का दुनिया भली-भांति अनुमान लगाये बैठी है और उसके कारण जो त्रासदियां होंगी उस पर स्कूलों में सामाजिक विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, भूगोल जैसे विषय पढ़ने वाले बच्चे तक वाकिफ़ हैं, परन्तु फिर भी यह विशेषज्ञों की बहसों का सबब बना हुआ है। माना जा रहा है कि जिस प्रकार से घरों में लगे करोड़ों की संख्या में एयर कंडिशनरों से लेकर विशालकाय उद्योग और बड़ी तादाद में दुनिया भर की सड़कों पर दौड़ते ईंधन वाले वाहनों से लेकर परमाणु बिजली संयंत्रों से पर्यावरण लगातार प्रदूषित हो रहा है, उससे यदि पृथ्वी का तापमान 3 डिग्री तक और बढ़ता है तो विश्व के ज्यादातर ग्लेशियर पिघल जायेंगे। इसके चलते विश्व भर में समुद्र के किनारे बसे 50 से अधिक शहर जल समाधि ले लेंगे।

इस सम्मेलन में अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा होने जा रही है। इसमें प्रमुख है विकासशील देशों को वित्तीय मदद ताकि वे वातावरण में हो रहे परिवर्तन को रोकने के लिये विभिन्न उपायों पर खर्च कर सकें। जलवायु वित्त कार्य निधि (सीएफएएफ) के नाम से यह अंतरराष्ट्रीय कोष स्थापित होगा जिसका मुख्यालय बाकू में होगा। दूसरा मुद्दा है ग्रीन एनर्जी ज़ोन एंड कॉरिडोर स्थापित करना। इसके तहत निवेश को बढ़ावा देते हुए आर्थिक विकास की गति बढ़ाने के उपाय होंगे। बुनियादी अधोरचना, आधुनिकीकरण, विस्तार आदि के जरिये क्षेत्रीय सहयोग को प्रोत्साहित किया जायेगा। ऊर्जा भंडारण की वैश्विक क्षमता को बढ़ाने के नये लक्ष्य तय किये गये हैं। 2022 की स्थापित क्षमता को 6 गुना बढ़ाकर 1500 गीगावाट तक बढ़ाया जायेगा। 2040 तक 80 मिलियन किलोमीटर को ऊर्जा ग्रिड के तहत लाने का लक्ष्य है। स्वच्छ हाइड्रोजन, ग्रीन डिजिटल एक्शन आदि इस सम्मेलन के एजेंडा में हैं।

भारत अपना पक्ष 18-19 नवम्बर को रखेगा जिसकी इस विषय को लेकर अपनी ही चिंताएं और अपेक्षाएं हैं। वह भी विकसित देशों की जिम्मेदारी तय करने का पक्षधर है। वैसे वैश्विक मंचों पर भारत चाहे जो कहे, उसे स्वयं अपने स्तर पर यानी देश के भीतर जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिये ईमानदार पहल करने की आवश्यकता है। भारत दुनिया के सर्वाधिक प्रदूषित देशों में से एक है. फिलहाल राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और उसके आसपास के इलाकों में रहने वाले लोग इस प्रदूषण का कहर झेल रहे हैं।

सलमान-संतोष की अनूठी दोस्ती

दुनियादारी

■ **सर्वमित्रा सुरजन**

हाल ही में एक दिलचस्प खबर देखने और पढ़ने मिली, जिससे कई और प्रसंग याद आ गए। मध्यप्रदेश में डीएसपी संतोष पटेल ने एक वीडियो अपने सोशल मीडिया एकाउंट्स पर डाला और लिखा- ये हैं सलमान ख़ान जो कि भोपाल के अप्सरा टॉकीज इलाक़े में सब्ज़ी का ठेला लगाते हैं। वर्ष 2009 में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने गये थे तो सब्ज़ी भाजी ख़रीदते वक्त इनसे मुलाक़ात हुई थी। ये भाई हमारी भावनाओं को समझकर रात को ठेले उठाते वक्त सब्ज़ी भाजी दे दिया करते थे। जेब में जितने रुपये होते थे इतने में ही सलमान भाई ख़ुश हो जाते थे और कई बार उधार कर लेते थे और अनेक बार भटा, टमाटर फ्री में दिये। 14 साल बाद जब अचानक पुलिस की गाड़ी के पास बुलाया तो सलमान हल्का सा डरा हुआ महसूस कर रहा था लेकिन वो पहचान गया था। मुलाक़ात हुई तो हम दोनों को बहुत अच्छा लगा। बुरे समय में जिन्होंने साथ निभाया, उन्हें भुलाना किसी पाप से कम नहीं है। इतना ही कहता हूं कि बंदे में एक दोष न हो, बंदा एहसान फ़रामोश न हो। संघर्ष के दिनों में साथ निभाने वालों के लिए वादा करता हूं कि हम वो नहीं जो मुश्किलों में आपका साथ छोड़ दें, हम वो हैं ज़रूरत पड़ी तो आपकी सांसों से अपनी सांसें जोड़ दें।

नपे-तुले शब्दों में डीएसपी संतोष पटेल ने सब्जी विक्रेता सलमान के लिए अपनी कृतज्ञता भी प्रकट की और एक मिसाल उन तमाम लोगों के लिए कायम कर दी, जो संघर्ष कर के आगे बढ़ते हैं, दूसरों के कंधों को सीढ़ियों की तरह इस्तेमाल करते हैं, मगर जब उन्हें मंजिल मिल जाती है, तो फिर संघर्ष के अपने साथियों और मददगारों को पहचानते भी नहीं हैं। संतोष पटेल और सलमान खान की इस अनूठी दोस्ती की चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हुई, बहुत से लोगों ने उनकी मुलाकात के वीडियो को शेयर किया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि संतोष पटेल बेहद सहजता से सलमान खान से पूछते हैं कि मुझे पहचानते हो, और सलमान खान कहते हैं, क्यों नहीं पहचानेंगे। दरअसल संतोष पटेल सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और सलमान खान उनकी खबर सोशल मीडिया के जरिए ही रखते थे कि वे कहां हैं और क्या कर रहे हैं। लेकिन उन्हें इस बात की उम्मीद शायद नहीं रही होगी कि कभी इस तरह श्री पटेल उनसे मिलने पहुंच जाएंगे। हालांकि जब सलमान खान ने अपने ठेले के सामने पुलिस की गाड़ी देखी तो एकबारगी वे घबरा गए, मगर फिर संतोष पटेल को देखकर उनकी घबराहट चली गई।

आज प्रेमचंद होते तो शायद संतोष और सलमान की मित्रता पर गुल्ली-डंडा जैसी कोई और मशहूर कहानी लिखते। पाठक जानते हैं कि गुल्ली-डंडा कहानी में बचपन के साथियों के बड़े होकर फिर से मिलने और खेलने का सुंदर चित्रण प्रेमचंद ने किया है, जिसमें सामाजिक और आर्थिक ओहदा दोस्ती पर भारी पड़ता हुआ दिखता है।

> **नपे-तुले शब्दों में डीएसपी संतोष पटेल ने सब्जी विक्रेता सलमान के लिए अपनी कृतज्ञता भी प्रकट की और एक मिसाल उन तमाम लोगों के लिए कायम कर दी, जो संघर्ष कर के आगे बढ़ते हैं, दूसरों के कंधों को सीढ़ियों की तरह इस्तेमाल करते हैं, मगर जब उन्हें मंजिल मिल जाती है, तो फिर संघर्ष के अपने साथियों और मददगारों को पहचानते भी नहीं हैं। संतोष पटेल और सलमान खान की इस अनूठी दोस्ती की चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हुई।**

इस कहानी में नायक जब बचपन के साथी गया से फिर मिलता है तो मन में सोचता है कि मैं उसकी ओर लपकना चाहता था कि उसके गले लिपट जाऊं, पर कुछ सोचकर रह गया. बोला-कहो गया, मुझे पहचानते हो?

गया ने झुककर सलाम किया-हां मालिक, भला पहचानूंगा क्यों नहीं!

कहानी की ये पंक्तियां संतोष पटेल और सलमान खान की मुलाकात में चरितार्थ हुई हैं। फर्क इतना ही है कि संतोष पटेल ने सलमान खान को बिना झिझके गले लगा लिया और दोनों के बीच एक सरकारी अफसर और सब्जी विक्रेता के ओहदे का फर्क होने के बावजूद पुराने रिश्तों की गर्माहट दिखी।

2017 में मप्र लोकसेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद डीएसपी बने संतोष पटेल ने 2009 से लेकर 2013 तक भोपाल में रहकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी। उस समय कई बार उनके पास पैसे नहीं होते थे, ऐसे में सलमान खान रात को दुकान समेटते समय बैंगन और टमाटर मुफ्त में दे दिया करते थे। संतोष पटेल के मुताबिक सलमान खुद गरीब थे, लेकिन मुझे मुफ्त में सब्ज़ियां दिया करते थे। पढ़ाई पूरी करने और डीएसपी बन जाने के बाद उनका काम के सिलसिले में भोपाल आना हुआ तो वे पुरानी यादों को ताजा करने और खास तौर पर सलमान खान को तलाशने के लिए अप्सरा टॉकीज के पास के इलाके में आए और यहां उनकी तलाश पूरी भी हुई।

आज के दौर में जब जीवन से अपनापन, सहजता, निस्वार्थ रिश्ते गायब होते जा रहे हैं, तब संतोष-सलमान की इस जीवंत कथा को उम्मीद की तरह देखा जाना चाहिए। इस प्रकरण से ललित सुरजन जी (मेरे पिता) का सुनाया एक वाकया याद आ गया कि तंगी के दिनों में उनके मित्र एडव्होकेट जमालुद्दीन की मां ने दीवाली पर दिए जलाने और मिठाई खरीदने के लिए उन्हें पैसे दिए थे, जबकि रायपुर की चूड़ी लाइन में खुद उनकी छोटी सी दुकान थी। इसी तरह जमाल चाचा की बेटी की शादी का अवसर आया, तो कार्ड में जमाल चाचा ने बाबूजी (स्व.मायाराम सुरजन) का नाम डलवाया, क्योंकि वे उन्हें घर का बुजुर्ग मानते थे। अपनी बेटी के साथ-साथ जमाल चाचा ने एक अनाथ लड़की का विवाह भी संपन्न करवाया था।

मुझे यकीन है कि हमारे घर ही नहीं, हिंदुस्तान के हजारों-लाखों घरों में ऐसे प्रसंग पीढ़ी दर पीढ़ी सुनाए, बताए जाते रहे होंगे। कृष्ण-सुदामा से लेकर गुल्ली-डंडा और सलमान-संतोष की कहानी तक में सदियों से सांस लेते भारत को महसूस किया जा सकता है। गंगा-जमुनी सभ्यता केवल मुहावरा नहीं है, यही हिंदुस्तान का सच भी है। मगर अब इसमें कागज दिखाने, कपड़ों से पहचान करने और दुकानों पर नाम लिखने की राजनीति हावी की जा रही है। लव जिहाद, जमीन जिहाद, आर्थिक जिहाद, शिक्षा जिहाद, वोट जिहाद की नफरती सोच समाज में भरने की सायास कोशिशें हुई हैं। इसका विस्तार बंटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे, सेफ रहेंगे तक किया जा चुका है। अखिलेश यादव ने बिल्कुल सही कहा है कि बंटेंगे तो कटेंगे सबसे नकारात्मक नारा है और इतिहास में यह निकृष्टतम नारे के तौर पर दर्ज होगा।

राहुल गांधी ने भी मंगलवार को गोंदिया की अपनी सभा में लव यू वाले नारे और इसके पीछे की राजनीति का खुलासा करते हुए कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के वक्त नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान का नारा निकला था। राहुल गांधी के मुताबिक राजनीति में सिर्फ नफरत, हिंसा और गुस्सा ये चीजें फैलाई जा रही थीं। इसलिए हमने सोचा कि अगर दूसरी साइड ने नफरत का ठेका ले रखा है, तो हम मोहब्बत का ठेका ले लेते हैं। उसमें फायदा भी है। नफरत में भाई भाई से लड़ता है, नफरत को नफरत नहीं काट सकती है। कोई आपसे नफरत करता है, आप उससे जाकर और नफरत करो, तो बात नहीं कटती लेकिन कोई भी आपसे नफरत करें और आपने उसे मोहब्बत दिखा दी, में नफरत खत्म हो जाती है। यह कांग्रेस पार्टी की सोच है, महात्मा गांधी की सोच है।

राहुल गांधी का यह भाषण भले चुनावी मंच से दिया गया, लेकिन असल में इसमें भारत के विचार का दर्शन होता है। वो दर्शन जिसे गांधीजी ने दुनिया के सामने रखा और आज उस पर न चलने का नुकसान भी देखा जा रहा है। राजनीति के जरिए नफरत और हिंसा को बढ़ाने का खामियाजा अंतत: समाज भुगत रहा है, क्योंकि आपसी प्रेम और सौहार्द्र की जगह शक ने ले ली है। लेकिन इस वक्त भी सलमान खान और संतोष पटेल जैसे लोग समाज में मौजूद हैं, जो नेकी, भाईचारे, कृतज्ञता और दोस्ती जैसे शब्दों को चरितार्थ कर रहे हैं।

पिछड़ता पर्यावरण

■ **राजकुमार सिन्हा**

वैश्विक प्रकृति संरक्षण सूचकांक 2024' की रिपोर्ट में 180 देशों में भारत को 176 वें स्थान पर रखा गया है। भारत का सबसे निचले स्थान पर होना मुख्यरूप से अकुशल भूमि-प्रबंधन और जैव-विविधता पर बढ़ते खतरों के कारण है। हम एक ऐसे समय में रह रहे हैं जब संपूर्ण पारिस्थितिकी विनाश की संभावना के बारे में चर्चा करना जरूरी है, लगभग उसी संदर्भ में जैसे परमाणु हथियारों के आलोचकों ने अक्सर पूर्ण परमाणु विनाश की संभावना का उल्लेख किया है। हमारी वर्तमान सामाजिक व्यवस्था, मानव स्वतंत्रता और प्रकृति के साथ मानवीय संबंध के यांत्रिक दृष्टिकोण में उलझी हुई है, जो सीधे तौर पर पारिस्थितिक अनिवार्यता के विपरीत है।

भारत की बात करें तो इंग्लैंड स्थित 'यूटिलिटी बिडर' की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीस वर्षों में 6,68,400 हेक्टेयर जंगल देश ने खो दिया है। वर्ष 1990 से 2020 के बीच वनों की कटाई की दर में भारत दुनिया के दूसरे सबसे बड़े देश के रूप में उभरा है। भारत सरकार द्वारा वन क्षेत्र में वृद्धि के बावजूद, 'ग्लोबल फारेस्ट वाच' जैसे अन्तरराष्ट्रीय संगठनों ने रिपोर्ट दी है कि भारत ने 2001 से 2023 के बीच 23300 वर्ग किलोमीटर वृक्ष-क्षेत्र खो दिया है। 'ग्लोबल फारेस्ट वाच' ने यह भी बताया है कि 2013 से 2023 तक 95 प्रतिशत वनों की कटाई प्राकृतिक वनों में हुई है।

बेंगलुरु के 'टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च' के डाक्टर एमडी मधुसूदन ने बताया कि आमतौर पर नक्शे सार्वजनिक नहीं होते, परन्तु 'जियो स्पेशल डेटा नीति' के बाद 'प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना' के लिए नक्शे सार्वजनिक हुए। देहरादून स्थित 'इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग' ने 1999 से 2019 के दौरान असम के सोनीतपुर में 34,400 हेक्टेयर वनक्षेत्र कम होने की जानकारी दी थी, जबकि इसी दौरान 'फारेस्ट सर्वे रिपोर्ट' में वहां 33,800 हेक्टेयर वनक्षेत्र बढ़ा बताया गया। मधुसूदन के मुताबिक जब सोनितपुर के डिजिटल नक्शे को जूम किया गया तो पता चला कि जिस इलाके को फोरेस्ट दिखाया गया है, वह चाय बागान है।

> **विकास कार्य के लिए जंगल कट रहे हैं, उनके स्थान पर हुए पौधारोपण को जंगल मान लिया गया है। पर्यावरणविद एवं 'विधि सेंटर फॉर लीगल पालिसी' में 'जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र' के लीडर देबादित्यो सिन्हा का कहना है कि सिर्फ पौधारोपण करने से जंगल का निर्माण नहीं हो सकता। प्राकृतिक वनों में वनस्पतियों की कम-से-कम तीन परतें होती हैं, जिसमें सबसे नीचे आता है 'वन तल' जो कि मिट्टी एवं जडी-बूटियों से बना होता है।**

तमिलनाडु के कोयंबटूर के वेलापरई में चाय बागानों को भी फारेस्ट कवर दिखाया गया है। लक्षद्वीप का 95 फीसदी इलाका फारेस्ट कवर है, जबकि वहां नारियल के पेड़ हैं और उनके बीच घनी आबादी बसी है। दिलचस्प तो यह है कि जैसलमेर के मरुस्थली इलाके को फारेस्ट कवर दिखाया गया है, जबकि वहां रेगिस्तानी झाड़ियां थीं। दिल्ली के लुटियन-जोन का कुछ हिस्सा भी 'फारेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया' के नक्शे में फारेस्ट कवर है। 'सेंटर फॉर साइंस एंड इन्वायरमेंट' (सीएसई) की महानिदेशक सुनीता नारायण कहती हैं कि 'स्टेट ऑफ फारेस्ट रिपोर्ट- 2021' के मुताबिक देश में 1.6 लाख हेक्टेयर (0.2प्रतिशत) वन क्षेत्र बढ़ा है। देश में 7.753 करोड़ हेक्टेयर वन भूमि है जिस पर 5.166 करोड़ हेक्टेयर फारेस्ट कवर है। बचे 2.587 करोड़ हेक्टेयर (34प्रश) वन-भूमि का क्या हुआ, उसका कोई जिक्र नहीं है।

विकास कार्य के लिए जंगल कट रहे हैं, उनके स्थान पर हुए पौधारोपण को जंगल मान लिया गया है। पर्यावरणविद एवं 'विधि सेंटर फॉर लीगल पालिसी' में 'जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र' के लीडर देबादित्यो सिन्हा का कहना है कि सिर्फ पौधारोपण करने से जंगल का निर्माण नहीं हो सकता। प्राकृतिक वनों में वनस्पतियों की कम-से-कम तीन परतें होती हैं, जिसमें सबसे नीचे आता है 'वन तल' जो कि मिट्टी एवं जडी-बूटियों से बना होता है। इसके बाद झाड़ियां और फिर आते हैं पेड़। वन-तल एवं झाड़ीनुमा वनस्पति की सबसे अहम भूमिका होती है। केवल पेड़ों की संख्या पर निर्भर रहना मौजूदा पारिस्थितिकी तंत्र की जटिल संरचना और प्राकृतिक संतुलन की उपेक्षा करता है। 'राष्ट्रीय वन नीति' का लक्ष्य पर्यावरणीय स्थिरता और पारिस्थितिकी संतुलन के लिए मैदानी क्षेत्रों में 33.3 प्रतिशत और पहाड़ी क्षेत्रों में 66.6 प्रतिशत भूमि को वनाच्छादित करना है।

भारत 17 विशाल जैव-विविधता वाले देशों में से एक है। यहां दुनिया की 12 फीसद जैव-विविधता है। यह समृद्ध जैव-विविधता पारिस्थितिकी संतुलन, पोषण-चक्र और जलवायु विनियमन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत के 27.5 करोड़ लोगों की आजीविका को सहारा देती है, जो वन-संसाधनों पर निर्भर हैं। देश के 10 जैव-भौगोलिक क्षेत्रों में 1,03,258 से अधिक जीव-जंतुओं और 55,048 से अधिक वनस्पतियों की प्रजातियां दर्ज की गई है। जैव-विविधता भारत की जलवायु परिवर्तन के शमन और अनुकूलन (मिटिगेशन एंड एडॉप्टेशन) में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 'लोक लेखा समिति' की रिपोर्ट के अनुसार 'पर्यावरण और वन मंत्रालय' 45000 पौधों और 51000 जानवरों की प्रजातियों की पहचान करने के बाबजूद? जैव-विविधता संरक्षण के मोर्चे पर विफल रहा है।

भारत में गुजरात और महाराष्ट्र की सीमा से शुरू होकर गोवा, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल के बाद कन्याकुमारी तक जाने वाले 1600 किलोमीटर लंबे इलाके को 'पश्चिमी घाट पर्वत श्रृंखला' कहा जाता है। वर्ष 2010 में पर्यावरणविद् प्रो. माधव गाडगिल की अध्यक्षता में गठित 'पश्चिमी घाट इकालॉजी एक्सपर्ट पैनल' ने इस संपूर्ण क्षेत्र को पारिस्थितिकी संवेदनशील क्षेत्र का दर्जा दिया था और यहां सीमित खनन का पक्ष लिया था। हालांकि, पेड़ काटने, खनन और अतिक्रमण के कारण 'पश्चिमी घाट' के पारिस्थितिकी तंत्र पर विपरीत असर पड़ रहा है। गोवा में 2007 से 2011 तक करीब पैंतीस हजार करोड़ रुपये का अवैध खनन किया गया। 'इसरो' के अध्ययन के अनुसार 1920- 2013 में 'पश्चिमी घाट' का 35 फीसद क्षेत्र नष्ट हो चुका है।

स्थानीय आदिवासी समुदाय द्वारा छत्तीसगढ़ के हसदेव के जंगलों को बचाने के संघर्ष को राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सुर्खियां मिल चुकी हैं। 'केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय' की 'फारेस्ट एडवाइजरी कमेटी' द्वारा 15 जनवरी 2019 को छत्तीसगढ़ में 'पारसा ओपन कास्ट कोल माइंस' को फारेस्ट क्लियरेंस दे दिया गया। आदिवासी बहुल सूरजपुर और सरगुजा जिले में स्थित यह क्षेत्र एक लाख सत्तर हजार हेक्टेयर में फैले 'हसदेव अरण्य' का हिस्सा है जो सघन वनों से आच्छादित है। इसी में से 841.538 हेक्टेयर जैव-विविधता से परिपूर्ण हिस्से को खनन के लिए दे दिया गया है, जबकि 2009 में 'पर्यावरण मंत्रालय' ने 'हसदेव अरण्य' को माइनिंग के लिए 'नो गो क्षेत्र' घोषित किया था। 'हसदेव अरण्य' में स्तनपायी जीवों की 34, सरीसृपों की 14, पक्षियों की 111 और मत्स्य वर्ग की 29 प्रजातियां हैं। इसी प्रकार वृक्षों की 86, औषधीय पौधों की 51, झाड़ी प्रजाति के पौधों की 19 और घास प्रजाति के पौधों की अनेक प्रजातियां यहां मौजूद हैं।

'भारतीय वन सेवा' के पूर्व अधिकारी अशोक कुमार शर्मा और अन्य लोगों द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका में 'वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980' में किए गए संशोधनों को भारत के जंगलों के लिए 'मृत्यु की घंटी' बताया है। वरिष्ठ पत्रकार हृदयेश जोशी बताते हैं कि धरती के 36 जैव-विविधता हॉट-स्पॉट में से चार भारत में हैं, लेकिन आज उन पर भी खतरा मंडराना रहा है। बढ़ते शहरीकरण, औद्योगिक विस्तार और संसाधनों के दोहन से समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र को खतरा बढ़ रहा है। जैव-विविधता पर 'अंतर-सरकारी निकाय' (आईपीबीईएस) के अनुसार, पृथ्वी की सतह का तीन-चौथाई हिस्सा पहले ही मानव जाति के लालची उपभोग के कारण काफी हद तक बदल चुका है और दो-तिहाई महासागरों का क्षरण हो चुका है। भारतीय अर्थशास्त्री पवन सुखदेव ने अनुमान लगाया है कि जैव-विविधता की हानि की लागत प्रतिवर्ष 1.75 से 4 लाख करोड़ रुपये तक होती है।

अक्टूबर 2024 को कोलंबिया के केली में आयोजित 16 वें 'संयुक्त राष्ट्र जैव-विविधता सम्मेलन' के बाद भारत ने वैश्विक लक्ष्यों के अनुरूप 2030 तक अपने स्थलीय, अंतर्देशीय जल एवं तटीय और समुद्री क्षेत्रों के कम-से-कम 30 प्रतिशत को संरक्षित करने के लक्ष्य के साथ कार्ययोजना शुरू की है। 'नेशनल बायो-डायवर्सिटी स्ट्रेटजी एण्ड एक्शन प्लान' के अनुसार भारत ने 2017-2018 से लेकर 2021-2022 तक जैव-विविधता सुरक्षा, संरक्षण और पुनर्स्थापन के लिए 32,200 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। आगामी 2029- 2030 तक जैव-विविधता संरक्षण के लिए अनुमानित वार्षिक औसत व्यय 81,664.88 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रकृति संरक्षण पर होने वाले निवेश से क्या बदलाव आता है।

(लेखक बरगी बांध विस्थापित संघ के वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं।)

आपके पत्र

लड़कियों को भी खेलने के अवसर मिलने चाहिए

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व स्पिनर नीतू डेविड को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने हॉल ऑफ़ फेम में शामिल किया है। यह सम्मान प्राप्त करने वाली वह दूसरी भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। नीतू दुनिया की अकेली ऐसी महिला क्रिकेटर हैं जिनकी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ी का रिकॉर्ड अभी तक कोई महिला क्रिकेटर तोड़ नहीं सकी है। सिर्फ क्रिकेट ही नहीं, बल्कि खेल की ऐसी कोई प्रतियोगिता नहीं है जिसमें महिलाओं ने अपनी कामयाबी के झंडे नहीं गाड़े हैं. जिला स्तर से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक की सभी प्रतिस्पर्धाओं में महिलाओं ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर यह साबित किया है कि यदि उन्हें भी सुविधाएं और प्रैक्टिस के अवसर मिले तो वह हर प्रतियोगिता जीत सकती हैं। लेकिन अभी भी देश के कई ऐसे ग्रामीण क्षेत्र हैं जहां लड़कियों को न तो खेल की सुविधाएं मिलती हैं और न ही प्रैक्टिस के लिए मैदान उपलब्ध हो पाते हैं जिससे उनकी प्रतिभा प्रभावित होती है और वह खेलने के अवसरों से वंचित हो जाती हैं।

इसी वर्ष तमिलनाडु में आयोजित छठे खेलों इंडिया यूथ गेम्स में राजस्थान के खिलाड़ियों ने भी विभिन्न प्रतिस्पर्धा में बेहतरीन प्रदर्शन कर राज्य को टॉप 5 में स्थान दिलाया है। इसमें लड़कों के साथ-साथ लड़कियों ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और राज्य की झोली में स्वर्ण पदक डाला। अपने प्रदर्शन से इन्होंने यह साबित किया कि यदि लड़कियों को भी अवसर उपलब्ध कराए जाएं तो वह भी अपने गांव, जिला और राज्य का नाम रौशन कर सकती है। इतना ही नहीं, वर्ष 2009 में, नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा के साथ-साथ, बच्चों को विभिन्न खेलों और मनोरंजन में शामिल करने के लिए खेल के मैदानों को अनिवार्य बनाया गया क्योंकि इससे उन्हें आवश्यक जीवन कौशल, आदतें और दृष्टिकोण विकसित करने में मदद मिलती है। इस अधिनियम के लागू होने के बाद कई बच्चों को इसका लाभ हुआ है, लेकिन अधिनियम के लागू होने के 15 साल बाद भी जमीनी स्थिति पर नजर डालें तो आज भी हजारों बच्चे विशेषकर लड़कियां खेल की सुविधा से वंचित हैं। वास्तव में, खेल का मैदान सिर्फ मैदान नहीं होता है बल्कि यह एक ऐसा मंच होता है जहां प्रतिभाएं हकीकत का रूप लेती हैं। लेकिन इसकी कमी ने करणीसर गांव की किशोरियों की क्षमता को सीमित कर दिया है। जिस पर सभी को ध्यान देने की ज़रूरत है ताकि उन्हें भी खेलने का भरपूर अवसर मिले और वह भी एक उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम बढ़ा सकें।

ऐसा ही एक गांव करणीसर भी है, जो राजस्थान के बीकानेर जिला स्थित लूणकरणसर ब्लॉक से करीब 50 किमी दूरी पर स्थित है। इस गांव की लड़कियों में खेल की काफी प्रतिभाएं हैं लेकिन उसे निखारने के लिए प्रैक्टिस की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। इस संबंध में गांव की 22 वर्षीय ममता कहती है कि उसे खेलने का बहुत शौक था। वह स्कूल स्तर पर खो खो खेला करती थी। उसने जिला स्तर पर स्कूली खेल प्रतियोगिताएं में भाग भी लिया था और स्कूल के लिए सिल्वर मेडल जीता था। लेकिन कॉलेज स्तर पर उसे अवसर नहीं मिला क्योंकि प्रैक्टिस की सुविधा नहीं थी। वह कहती हैं कि गांव में खेलने के लिए कोई मैदान नहीं है जिससे प्रैक्टिस नहीं कर पाती हैं। वहीं एक अन्य किशोरी संगीता कहती है कि खेल में अच्छे प्रदर्शन के लिए लगातार प्रैक्टिस की ज़रूरत होती है गांव के लड़के तो कहीं भी जाकर खेल की प्रैक्टिस कर लेते हैं लेकिन लड़कियों को ऐसे अवसर नहीं मिलते हैं जिससे वह अभ्यास से वंचित रह जाती है।

सरिता नायक, लूणकरणसर, राजस्थान

ललित सुरजन की कलम से

मुक्तिबोध और परसाई

'मुझे महागुरु मुक्तिबोध में यह देखकर आत्मिक सुख मिला कि स्वामी कृष्णानंद सोख्ता, जीवनलाल वर्मा विद्रोही, रामकृष्ण श्रीवास्तव जैसे समर्थ रचनाकारों की संभवतः पहली बार किसी ने सुध ली। पाठक याद करें कि सोख्ता जी नागपुर से 'नया खून' शीर्षक विद्रोही तेवरों वाला साप्ताहिक प्रकाशित करते थे जिसमें मुक्तिबोध उनके सहयोगी थे। सोख्ता जी की कविताओं का एक संकलन 'कलामे सोख्ता के नाम से प्रकाशित भी हुआ था। उनके जैसे अक्खड़ शैली में बात करने वाले कवि कम ही होंगे। मुझे यह कहने में संकोच नहीं कि सोख्ताजी व अन्य पर लिखकर कांतिकुमार जैन ने हिन्दी भाषा के इतिहास की एक बड़ी कमी पूरी की है और इस तरह भाषा का कर्ज चुकाया है। एक अध्याय मशरिकीजी पर भी है। उनकी मुक्तिबोध जी से कितनी घनिष्ठता थी, इस बारे में मैं पूरी तरह आश्वस्त नहीं हूं। रामशंकर मिश्र ने यह काम सीधे-सीधे तो नहीं किया लेकिन वे भी रामानुजलाल श्रीवास्तव, पन्नालाल श्रीवास्तव 'नूर', भवानी प्रसाद तिवारी आदि के कृतित्व से पाठकों का परिचय करवाने का महत्वपूर्ण काम करते हैं।'

'कांतिकुमार जी और रामशंकर जी दोनों ने मुक्तिबोध जी और परसाई जी के निजी जीवन के ब्यौरे भी अपनी-अपनी पुस्तक में प्रस्तुत किए हैं। ऐसा करने में कहीं-कहीं संभवतः स्मृतिभ्रम से ही, छोटी-मोटी चूकें हुई हैं, लेकिन कुल मिलाकर अपने इन प्रिय लेखकों के बारे में हमें प्रामाणिक जानकारियां उपलब्ध होती हैं। दोनों लेखकों ने अपने-अपने नायक के साथ गहरे आत्मीय संबंध होने के बावजूद अपनी वस्तुनिष्ठता सिद्ध की है। इस साल जब मुक्तिबोध जी के निधन को पचास साल पूरे होने आए हैं और परसाई जी की उन्नीसवीं पुण्यतिथि भी इसी माह पड़ रही है तब ये दोनों पुस्तकें हमारे लिए कुछ और ज्यादा मूल्यवान हो जाएंगी।'

(अक्षर पर्व अगस्त 2014 में प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2014/08/blog-post_7.html

पावन प्रसंग

धर्मपरायण युधिष्ठिर की साधना

एक दूसरे के मुख से निकलती हुई यह बात अनेक कानों में समा गई। भले ही कहने- वालों के स्वर धीमे हों, पर सभी के मनों में आश्चर्य तीव्र हो उठा। 'क्या करते हैं सम्राट? कहां जाते हैं?' यद्यपि युद्ध प्रारंभ होने के पूर्व ही उन्होंने इस तथ्य की स्पष्ट घोषणा कर दी थी कि शाम का समय उनकी व्यक्तिगत उपासना के लिए है। इस समय उन्हें कोई व्यवधान न पहुंचाए।

'लेकिन वेश बदलकर जाना?' अर्जुन के स्वर के पीछे चिंता की झलक थी। प्रश्न उनकी सुरक्षा का है। भीम कुछ उद्विग्न थे। 'इससे सहायक सेनाएं विचलित हो सकती हैं।'- नकुल, सहदेव प्राय: एक साथ बोले। महायुद्ध का प्रवाह पिछले दस दिनों से धावमान था। ऐसे में इन सबका चिंतित होना स्वाभाविक था। इन भाइयों की भांति अन्य प्रियजनों की भी यही मनोदशा थी। 'सत्य को जानने का उपाय उद्वेगपूर्ण मानसिकता-चिंताकुल चित्त नहीं। एक ही समाधान है। शांत मन से शोधपूर्ण कोशिश।' पार्थ सारथी के शब्दों ने सभी के मनों में घुमड़ रहे प्रश्न का उत्तर साकार कर दिया।

दिन छिपते ही युधिष्ठिर जैसे ही अपने कक्ष से बाहर निकले। अन्य भाई भी उनके पीछे हो लिए। मद्धिम पड़ते जा रहे प्रकाश में इन्होंने देखा महाराज अपने हाथ में कुछ लिए उधर की ओर बढ़ रहे हैं, जिधर दिन में संग्राम हुआ था। यह देखकर सभी की उत्सुकता और बढ़ गई। वे अपने को छिपाए उनका सावधानी से पीछा कर रहे थे। युद्धस्थल आ गया तो सब एक ओर छिपकर खड़े हो गए। तारों के मंद प्रकाश में इन सबकी आंखें पूर्ण सतर्कता से देख रही थीं; आखिर अब ये करते क्या हैं? इनकी ओर से अनजान युधिष्ठिर उन मृतकों में घूम- घूमकर देखने लगे। कोई घायल तो नहीं है, कोई प्यासा तो नहीं है, कोई भूख से तड़प तो नहीं रहा, किसी को घायलावस्था में अपने स्नेही-स्वजनों की चिंता तो नहीं सता रही। वे घायलों को ढूंढते, उनसे पूछते और उन्हें अन्न- जल खिलाते-पिलाते बड़ी देर तक वहां घूमते रहे। कौरव पक्ष का रहा हो या पांडव पक्ष का, बिना किसी भेदभाव के वह सबकी सेवा करते रहे। किसी को घर की चिंता होती, तो वे उसे दूर करने का आश्वासन देते। इस तरह उन्हें रात्रि के तीन पहर वहां बीत गए?

ये सभी उनके लौटने की प्रतीक्षा में खड़े थे। समय हो गया। युधिष्ठिर लौटने लगे, तो ये सभी प्रकट होकर सामने आ गए। अर्जुन ने पूछा- 'आपको! यों अपने आप को छिपाकर यहां आने की क्या जरूरत पड़ी?'

न किसी की आकांक्षा, वह संन्यासी जैसा है। युधिष्ठिर सामने खड़े अपने को संबोधित करते हुए बोले-तात! इनमें से अनेकों कौरव दल के हैं, वे हमसे द्वेष रखते हैं। यदि मैं प्रकट होकर उनके पास जाता हूं तो वे अपने हृदय की बातें मुझसे न कह पाते और इस तरह मैं सेवा के सौभाग्य से वंचित रह जाता। भीम तनिक रुष्ट होकर बोले- शत्रुओं की सेवा करना क्या अधर्म नहीं है? युधिष्ठिर ने कहा- बंधु शत्रु मनुष्य नहीं, पाप और अधर्म होता है। अधर्म के विरुद्ध तो हम लड़ रहे हैं। पर मनुष्य तो आत्मा ही है। आत्मा का आत्मा से क्या द्वेष?

युग निर्माण योजना

खेल जगत

अर्जुन तेंदुलकर के पंजे से अरुणाचल 84 पर ढ़ेर

पोरवोरिम। अर्जुन तेंदुलकर (पांच विकेट) और मोहित रेडकर (तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर बुधवार को रणजी ट्रॉफी के प्लेट ग्रुप में मुकाबले में गोवा ने अरुणाचल प्रदेश को 84 रनों के स्कोर पर ढ़ेर कर दिया है। आज यहां टॉस जीतकर अरुणाचल प्रदेश ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अरुणाचल की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 27 के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिये। नबाम हचांग(शून्य), नीलम ओबी (22), जय भावसार (शून्य), चिन्मय पाटिल (3) रन बनाकर आउट हुये। इन चारों बल्लेबाजों को अर्जुन तेंदुलकर ने आउट किया। इसके अलावा मोजी एटे (एक) रन को भी अर्जुन ने आउट किया। सिद्धार्थ बलोदी (16), संदीप कुमार (12), याब निया (शून्य) पर आउट हुये। कप्तान नबाम अबो ने सर्वाधिक (नाबाद25) रनों की पारी खेली।

भारतीय महिला हॉकी को डी के भीतर निशानेबाजी और पेनल्टी कॉर्नरों के बेहतर इस्तेमाल की जरूरत

सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 13 नवम्बर (देशबन्धु)। आक्रामक मिडफील्डर सलीमा टेटे की अगुआई और फिर से चीफ कोच की जिम्मेदारी संभालने वाले हरेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में भारत ने राजगीर(बिहार) में बिहार महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी राजगीर, 2024 में पहले मलयेशिया और दक्षिण कोरिया से अपने दोनों शुरुआती मैच अलग-अलग अंदाज में जीत कर आगाज कर पूरे छह अंक हासिल किए है। भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए अब तक उसकी दूसरी सबसे कम उम्र की स्ट्राइकर 17 बरस की संगीता कुमारी ने तीन और स्ट्राइकर होने के साथ ड्रैग फ्लिकर 'ऑलराउंडर' 20 बरस की दीपिका सहरावत ने दो गोल किए हैं। भारत के लिए लिंकवूमैन के रूप में खेल रही ललरेमसियामी के साथ आक्रामक मिडफील्डर के रूप में खुद कप्तान सलीमा टेटे, नेहा गोयल, शर्मिला कुमार ने बराबर आगे टीम की सबसे छोटी उम्र की स्ट्राइकर सुनीलिता टोपो, संगीता कुमारी, नवनीत कौर और प्रीति दुबे के लिए आगे गेंद बढ़ाई। इसी का नतीजा है कि भारत ने दो मैचों में 19 पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए और इनमें से पहले मैच में तीन पर संगीता, प्रीति दुबे और ड्रैग फ्लिकर उदिता दुहान

ने एक एक गोल किया है। भारत की स्ट्राइकर संगीता, नवनीत,दीपिका, सुनीलिता टोपो और ब्यूटी डुंगडुंग, ललरेमसियामी और कप्तान सलीमा टेटे द्वारा बराबर आगे बढ़ाई गेंद पर प्रतिद्वंद्वी टीम की डी में पहुंचने के बाद वहां चूकना जरूर चीफ कोच हरेन्द्र सिंह के लिए चिंता का सबब है।

दो बार की चैंपियन भारत और 2024 के पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता चीन की महिला टीमें शुरू के अपने अपने दो दो मैच जीत चुकी हैं और दोनों के ही समान रूप से छह छह अंक है। भारत के लिए सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए शीर्ष चार में रहना जरूरी है। चीन(+20) की टीम भारत (+5) से अपने बेहतर गोल अंतर के मुकाबले शीर्ष पर है। रोचक बात

- भारतीय टीम थाईलैंड को कम आंकने की भूल नहीं कर सकती
- चीफ कोच हरेन्द्र सिंह को खासतौर पर 20 बरस की हिसार, हरियाणा की दीपिका से बहुत उम्मीद हैं

यह है कि सबसे नीची वरीयता वाली थाईलैंड ने जिस तरह दो बार चैंपियन रही जापान को बढ़त लेने के बाद एक एक की बराबरी पर रोका है उससे भारत भी थाईलैंड को बृहस्पतिवार के मैच में कम आंकने की भूल नहीं कर सकता है। भारत को अपने अगले तीनों मैच जीतने हैं तो उसे डी के भीतर अपनी निशानेबाजी और पेनल्टी कॉर्नर का बेहतर इस्तेमाल करने की जरूरत है। भारत ने अब तक दो मैचों में कुल सात गोल किए हैं और दो गोल खाए हैं। भारत के लिए संगीता ने तीन, दीपिका सहरावत ने दो तथा प्रीति दुबे व उदिता दुहान ने पेनल्टी कॉर्नर पर एक एक गोल किया। भारत के सामने भले ही शुक्रवार को अपने पहले मैच में ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन से पहल मैच 0-15 से हारने के बाद दूसरे मैच में दो बार चैंपियन जापान को एक एक की गोल की बराबरी पर रोका। चीन की जिंजहुआंग तान ने पेनल्टी कॉर्नर पर तीन एक पेनल्टी स्ट्रोक सहित सबसे ज्यादा चार, भारत के लिए संगीता कुमारी ने तीन,दीपिका सहरावत ने दो, उदिता दुहान और प्रीति दुबे ने पेनल्टी कॉर्नर पर एक एक गोल किया। भारत के चीफ कोच हरेन्द्र सिंह को खासतौर पर 20 बरस की हिसार, हरियाणा की दीपिका सहरावत से बहुत उम्मीद हैं। दीपिका ने कभी भाई के साथ कुश्ती में पहलवान बनने की ठानी लेकिन जल्द ही हॉकी को पूरी तरह अपना लिया। भारत के लिए 35 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 11 गोल किए हैं और वह लगातार दूसरी महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी में शिरकत कर रही हैं। भारत के चीफ कोच हरेन्द्र सिंह ने दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच में जीत के बाद एक बार फिर कहा, 'हमे मलयेशिया के खिलाफ मैच की तरह दक्षिण कोरिया के खिलाफ मैच यह मैच भी बड़े अंतर से जीतना चाहिए था और इसमें भी हम सात-आठ गोल कर सकते

मैं उस टीम में खेलना चाहता हूं, जहां मुझे स्वतंत्रता और सम्मान मिले : राहुल

नई दिल्ली, 13 नवम्बर (एजेंसियां)। अनुभवी बल्लेबाज के एल राहुल ने कहा है कि वह एक ऐसे संतुलित माहौल में खेलना चाहते हैं, जहां उन्हें पूरी स्वतंत्रता के साथ खेलने का मौका मिले। साथ ही आरसीबी में शामिल होने को लेकर भी राहुल ने अपनी राय रखी है। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने राहुल को रिलीज़ कर दिया था और अब वह मेगा नीलामी का इंतज़ार कर रहे हैं। कुछ समय पहले ही लखनऊ फ्रेंचाइज़ी के मालिक संजीव गोयनका ने उन खिलाड़ियों को टीम में रिटेन करने की इच्छा जताई थी जिनके पास 'जीतने की मानसिकता' हो और जो अपनी व्यक्तिगत आकांक्षाओं और लक्ष्यों से पहले टीम को महत्व दें। क्या इस बयान ने किसी तरह राहुल की नीलामी में जाने की इच्छा को प्रेरित किया?

इस सवाल के जवाब में राहुल ने 12 नवंबर को स्टार स्पोर्ट्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि नहीं, मुझे लगता है निर्णय पहले ही लिया जा चुका था और मुझे नहीं पता कि उस बयान में क्या कहा गया था, लेकिन यह शायद रिटेंशन की घोषणा के बाद ही आया होगा। मुझे लगा कि मैं एक नई शुरुआत करना चाहता हूं, अपने विकल्पों को तलाशना चाहता हूं और वहां खेलना चाहता हूं, जहां मुझे थोड़ी स्वतंत्रता मिले और टीम का माहौल

मैं बस एक ऐसी टीम का हिस्सा बनना चाहता हूं जिसमें अच्छा वातावरण हो। जहां आपको प्यार, देखभाल और सम्मान मिले और उस वातावरण में फ्रेंचाइज़ी के हर व्यक्ति का एक ही लक्ष्य हो - जीतना। अगर ऐसा है तो वह मेरे लिए एक आदर्श स्थिति होगी : केएल राहुल

अधिक संतुलित हो।

आईपीएल में पहले से ही बहुत दबाव होता है। आप गुजरात टाइटंस, चेन्नई सुपर किंग्स और अन्य टीमों को देखते हैं तो ऐसा साफ़ दिखता है कि जब वे जीतते या हारते हैं तो उनका संतुलन बना रहता है और ड्रेसिंग रूम का माहौल बहुत शांत होता है। एक खिलाड़ी के रूप में यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मुझे लगता है कि अगर ऐसा माहौल हो, तो सभी खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का सबसे अच्छा मौक़ा मिलता है। राहुल ने कहा कि न कप्तानी मेरे लिए उतना भी ज़रूरी नहीं है कि इसी से आगे की सारी चीज़ें तय हों। मैं बस एक ऐसी टीम का हिस्सा बनना चाहता हूं जिसमें अच्छा वातावरण हो। जहां आपको प्यार, देखभाल और सम्मान मिले और उस वातावरण में फ्रेंचाइज़ी के हर व्यक्ति का एक ही लक्ष्य हो – जीतना। अगर ऐसा है तो वह मेरे लिए एक आदर्श स्थिति होगी। उन्होंने कहा कि हमने एलएसजी में पहले एंडी फ्लावर (हेड कोच) और जीजी (गौतम गंभीर, मेंटॉर) के साथ और फिर पिछले साल नए हेड कोच जस्टिन लैंगर के साथ उस तरह के माहौल को बनाने की कोशिश की। मुझे लगता है कि ड्रेसिंग रूम का वातावरण शानदार था। लेकिन कभी-कभी आपको खुद के लिए कुछ बेहतर तलाशने के लिए आगे बढ़ने की ज़रूरत होती है। राहुल ने 2022 और 2023 में एलएसजी को प्लेऑफ़ तक पहुंचाया था। जब उनसे आईपीएल 2024 को लेकर सवाल किया गया, तो राहुल ने संकेत दिया कि बाहरी दबाव उनके प्रदर्शन में गिरावट का कारण हो सकता है।

स्मिथ की 'अच्छी खेल योजनाओं' को तोड़ने के तरीके खोज लिए हैं : अश्विन

नई दिल्ली, 13 नवम्बर (एजेंसियां)। अनुभवी भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा है कि उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में स्टीव स्मिथ के खिलाफ़ कई मुकाबलों में उनकी 'अच्छी खेल योजनाओं' को तोड़ने के तरीके खोज लिए हैं। उन्होंने कहा कि आईपीएल में उनके समय के दौरान नेट सेशन ने उन्हें ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ के खिलाफ़ तैयारी करने के तरीके के बारे में भी जानकारी दी। 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाली आगामी बॉर्डर-गावस्कर सीरीज़ में दोनों दिग्गज अपनी प्रतिद्वंद्विता को फिर से जगाने के लिए तैयार हैं। यह जोड़ी 2013 से टेस्ट क्षेत्र में प्रतिद्वंद्वी रही है, जिसमें संघर्षरत स्मिथ को 2020-21 सीरीज़ की शुरुआत में अश्विन ने दो बार आउट किया था। जब ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में भारत का दौरा किया, तो स्मिथ दो बार अश्विन और तीन बार रवींद्र जडेजा के हाथों आउट हुए। अश्विन ने 7 क्रिकेट को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि स्टीव स्मिथ स्पिन के खिलाफ़ एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनके पास अपनी अनूठी तकनीक है, यहां तक कि तेज़ गेंदबाज़ी के खिलाफ़ भी। लेकिन स्पिन के साथ, मुझे लगता है कि वह बेहतरीन गेम प्लान, बेहतरीन तैयारी के साथ आए थे और हाँ, वह इसे अंजाम देते थे। और पिछले कुछ सालों में मैंने इसे तोड़ने के तरीके और साधन खोज लिए हैं। दिल्ली कैपिटल्स में उनका समय, राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स में उनका समय, ये सभी नेट सेशन जो मैंने उन्हें अपने काम के बारे में करते हुए देखे हैं, उनसे मुझे वास्तव में यह समझ में आया कि वह कैसे तैयारी करते हैं और उन्हें क्या पसंद है और क्या नहीं। अश्विन ने कहा कि वह बहुत ही सोच-समझकर खेलने वाले क्रिकेटर हैं। वह हर समय आप पर हावी होना चाहते हैं। लेकिन उनके पास अभ्यास करने के बहुत ही अनोखे तरीके हैं और बीच में आपके साथ लड़ने के अनोखे तरीके हैं।

गंभीर की प्रतिक्रिया से हैरान नहीं पोंटिंग

नई दिल्ली, 13 नवम्बर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने बॉर्डर-गावस्कर सीरीज से पहले विराट कोहली के फॉर्म के बारे में उनकी टिप्पणियों पर भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर की प्रतिक्रिया पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है, और कहा है कि वह गंभीर की प्रतिक्रिया से हैरान नहीं हैं, उन्होंने उन्हें 'उग्र स्वभाव का व्यक्ति' कहा है। पिछले सप्ताह आईसीसी रिव्यू

रिकी पोंटिंग का भारतीय क्रिकेट से क्या लेना-देना है? उन्हें ऑस्ट्रेलिया के बारे में बात करनी चाहिए : गौतम गंभीर

के एपिसोड के दौरान, पोंटिंग ने कोहली के फॉर्म पर चिंता जताते हुए कहा था, मैंने दूसरे दिन विराट के बारे में एक आंकड़ा देखा, जिसमें कहा गया था कि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में केवल दो (तीन) टेस्ट शतक बनाए हैं। यह मुझे सही नहीं लगा, लेकिन अगर यह सही है, तो यह चिंता का विषय है। प्रस्थान से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पोंटिंग की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर गंभीर ने पलटवार करते हुए कहा कि रिकी पोंटिंग का भारतीय क्रिकेट से क्या लेना-देना है? उन्हें ऑस्ट्रेलिया के बारे में बात करनी चाहिए। एक चैनल से बात करते हुए भारत के मुख्य कोच को नाराज़ करने वाली अपनी टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण

देते हुए पोंटिंग ने कहा कि मैंने कहा था कि मैं (उनके फॉर्म को लेकर) चिंतित रहूंगा। लेकिन मुझे लगता है कि अगर आप विराट से पूछेंगे, तो मुझे यकीन है कि विराट थोड़ा चिंतित होंगे कि वह पिछले सालों की तरह शतक नहीं बना पाए हैं। उन्होंने कहा कि यह किसी भी तरह से उन पर कटाक्ष नहीं था। मैंने वास्तव में यह कहकर इसका अनुसरण किया कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में अच्छा खेला है और वह यहां वापसी करने के लिए उत्सुक होंगे। इसलिए, यह आश्चर्यजनक है कि कैसे छोटी-छोटी चीजें कट जाती हैं, लेकिन वह एक क्लास खिलाड़ी हैं और उन्होंने अतीत में ऑस्ट्रेलिया में अच्छा खेला है। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज ने आगे कहा कि वह अपनी टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया से थोड़ा हैरान थे, लेकिन गंभीर से ऐसी ही उम्मीद की जा सकती थी।

पार्थिव पटेल गुजरात टाइटन्स के सहायक और बल्लेबाजी कोच बने

अहमदाबाद, 13 नवम्बर (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से पहले गुजरात टाइटन्स (जीटी) का नया सहायक और बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है। फ्रेंचाइजी की ओर से एक बयान में कहा गया कि गुजरात टाइटन्स को पार्थिव पटेल को अपना नया सहायक और बल्लेबाजी कोच नियुक्त करने की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। पूर्व भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में 17 साल के शानदार करियर के साथ, पार्थिव टीम में अनुभव और ज्ञान का खजाना लेकर आए हैं।आईपीएल में पार्थिव की यात्रा 2008 में शुरू हुई, जब उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ अपनी शुरुआत की। पिछले कुछ वर्षों में, वह लीग के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक बन गए हैं, जिन्होंने 139 मैचों में भाग लिया और 22.60 की औसत से 2,848 रन बनाए।

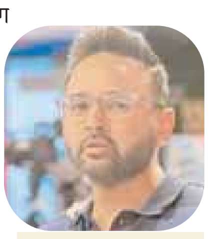

- पार्थिव पटेल पिछले कुछ वर्षों में, लीग के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक बन गए हैं

सार संक्षेप

विटोरी आईपीएल नीलामी के कारण पर्थ टेस्ट से चूक सकते हैं

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के सहायक कोच डेनियल विटोरी 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट से चूक सकते हैं, क्योंकि सीरीज का पहला मैच 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दाह में होने वाली आईपीएल की मेगा नीलामी से टकरा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई अखबार 'द एज' की रिपोर्ट के अनुसार, सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच विटोरी संभवतः पहले टेस्ट के समापन के समय ऑप्टस स्टेडियम में होने के बजाय जेद्दाह में आईपीएल की मेगा प्लेयर नीलामी में भाग लेने के लिए सऊदी अरब में होंगे। ऑस्ट्रेलिया के लिए, डैन विटोरी की संभावित अनुपस्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। विटोरी ऑस्ट्रेलियाई कोचिंग सेटअप के एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं और मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड के भरोसेमंद डिप्टी हैं। रिपोर्ट में अपने सूत्र के हवाले से कहा गया है, इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है कि विटोरी पूरे टेस्ट के दौरान टीम के साथ रहेंगे या नीलामी के लिए जल्दी चले जाएंगे।

कर्नाटक ने मैच पर बनाई मजबूत पकड़

लखनऊ। वासुकी कौशिक (पांच विकेट) और कृष्णन श्रीजीत (नाबाद 68) के शानदान प्रदर्शन की बदौलत कर्नाटका ने रणजी ट्रॉफी के ग्रुप सी मुकाबले में आज पहले दिन उत्तर प्रदेश को 89 पर समेटने के बाद दिन का खेल समाप्त होने के समय पांच विकेट पर 127 रन बनाकर 38 रन की बढ़त के साथ मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। आज यहां उत्तर प्रदेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी उत्तर प्रदेश की पूरी टीम कर्नाटक के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 40.3 ओवर में 89 रन पर सिमट गई। उत्तर प्रदेश की ओर समीर रिजवी ने सर्वाधिक (25) रनों की पारी खेली। इसके अलावा कृतज्ञ सिंह और सौरभ कुमार ने 13-13 रन बनाये। ऋतुराज शर्मा (12) रन बनाकर आउट हुये। उत्तर प्रदेश के सात बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके।

चौथी राष्ट्रीय फिनस्विमिंग चैंपियनशिप दिल्ली में 15 से

नई दिल्ली। अंडरवाटर स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (यूएसएफआई) फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के सहयोग से 15 से 17 नवंबर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स नई दिल्ली में चौथी राष्ट्रीय फिनस्विमिंग चैंपियनशिप की आयोजित की जायेगी। आज यहां इंटरनेशनल यूथ हॉस्टल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में अंडरवाटर स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (यूएसएफआई) के सचिव डॉ. तपन पाणिग्रही ने फिनस्विमिंग चैंपियनशिप के बारे जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बार चौथी राष्ट्रीय फिनस्विमिंग चैंपियनशिप नई दिल्ली पैन इंडिया से लगभग 28 राज्य इकाइयों और 400 से अधिक जिलों ने इस आयोजन के लिए पंजीकरण कराया है और 1500 से अधिक प्रतिभागी भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि महिला और पुरुष वर्ग में सभी आयु श्रेणियों में 186 स्पर्धाओं और 558 पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा की होगी।

एटीपी फाइनल्स: सिनर ने फ्रिट्ज को हराया

ट्यूरिन, 13 नवम्बर (एजेंसियां)। विश्व के नंबर 1 जानिक सिनर की एटीपी फाइनल्स ट्रॉफी के साथ अपने शानदार सत्र का समापन करने की तलाश जारी रही, क्योंकि शीर्ष वरीय खिलाड़ी ने टेलर फ्रिट्ज़ पर 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की, जिससे इली नास्तासे ग्रुप में उनकी 2-0 की बढ़त हो गई। फ्रिट्ज़, ने प्रतियोगिता के शुरुआती चरणों में सिनर को कड़ी टक्कर दी। हालांकि, इतालवी ने एक घंटे, 40 मिनट की जीत दर्ज करने के लिए आवश्यक होने पर अपना खेल का स्तर बढ़ाया, जिससे जोड़ी की एटीपी हेड-टू-हेड सीरीज़ में 3-1 का सुधार हुआ। सिनर, जो 2024 के अपने आठवें टूर-लीडिंग खिताब की तलाश में हैं, अब एक भी सेट नहीं हारने के कारण ग्रुप से आगे बढ़ने की प्रबल दावेदारी में हैं। वह गुरुवार को चौथी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव से भिड़ने पर इली नास्तासे ग्रुप में अपने 2-0 के शानदार रिकॉर्ड को आगे बढ़ाने की कोशिश करेंगे। फ्रिट्ज़, जो 1-1 पर हैं, का लक्ष्य दूसरी बार (2022) सेमीफ़ाइनल में पहुंचने के अपने प्रयास में एलेक्स डी मिनौर के खिलाफ़ एक महत्वपूर्ण जीत हासिल करना है। सिनर पिछले साल ट्यूरिन में फ़ाइनल में पहुंचे थे। बारह महीने बाद इटालियन एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी के रूप में लौटे, 2024 में ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन में मेजर जीते। युगल में, पूर्व चैंपियन वेस्ले कूलहॉफ़ और निकोला मेकटिक की जोड़ी ने प्रतिष्ठित सीज़न के फाइनल्स में शुरुआती हार से वापसी करते हुए दूसरे वरीय मार्सेल ग्रैनोलर्स और होरासियो ज़ेबालोस को 4-6, 7-6(6), 10-8 से हराकर मैच पॉइंट बचाया।

पीवी सिंधू जीतीं, लक्ष्य पहले दौर में बाहर

कुमामोटो (जापान), 13 नवम्बर (एजेंसियां)। पी.वी. सिंधु ने अपना पहला दौर जीता जबकि लक्ष्य सेन पुरुष एकल ड्रॉ से बाहर हो गए। बुधवार को यहां बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 सीरीज बैडमिंटन इवेंट कुमामोटो मास्टर्स जापान 2024 में भारत के लिए दिन मिला-जुला रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता

कुमामोटो मास्टर्स जापान 2024

सिंधु, जो इस इवेंट में महिला एकल खिताब जीतकर निराशाजनक सीजन की भरपाई करने की उम्मीद कर रही हैं, ने कुमामोटो प्रीफेक्चरल जिमनैजियम के कोर्ट 1 पर आठवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान को 52 मिनट में 21-12, 21-8 से हराया।

पेरिस ओलंपिक खेलों के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन मलेशिया के लियोंग जुन हाओ से 74 मिनट तक चले मुकाबले में 22-20, 17-21, 16-21 से हारकर तीन गेम में बाहर हो गए। भारत की शीर्ष महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद पहले दौर में हार गईं।

- भारत की शीर्ष महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद पहले दौर में हार गईं

2022 में सिंगापुर ओपन के बाद से अपना पहला खिताब जीतने और 24 महीने के सूखे को खत्म करने की कोशिश में सिंधु की शुरुआत अच्छी नहीं रही और ओंगबामरुंगफान ने 5-1 की बढ़त बना ली। लेकिन बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में 20वें स्थान पर काबिज भारतीय शटलर ने वापसी की और ब्रेक तक 11-10 से आगे चल रही थीं।29 वर्षीय सिंधु ने इसके बाद खेल पर पूरा नियंत्रण कर लिया और लगातार सात अंक जीतकर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भी उन्होंने इसी गति से खेलना जारी रखा और 4-0 की बढ़त ले ली, लेकिन थाई लड़की ने अपना पहला अंक जीत लिया। ओंगबामरुंगफान ने दूसरे गेम में वापसी करने की कोशिश की, लेकिन सिंधु अच्छी लय में थीं और उन्होंने अंतिम 12 में से 11 अंक जीतकर जीत हासिल की और दूसरे दौर में कनाडा की मिशेल ली के खिलाफ 32 खिलाड़ियों के ड्रॉ में भिड़ंत तय की। मिशेल ली ने अपने शुरुआती दौर के मैच में जापान की नात्सुकी निदाइरा को सीधे गेम में हराया। कुमामोटो प्रीफेक्चरल जिमनैजियम के कोर्ट 4 पर, सेन ने लियोंग जुन हाओ के खिलाफ सकारात्मक शुरुआत की, 13-16 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए उन्होंने पहला गेम 22-20 से जीत लिया। हालांकि, वे अगले दो गेम में उसी तरह का संयम नहीं बनाए रख सके, और दोनों में ही संघर्षपूर्ण प्रदर्शन करने के बावजूद हार गए। उन्होंने दूसरे गेम में 1-4 से पिछड़ने के बाद वापसी की और स्कोर 6-6 से बराबर कर दिया, लेकिन मलेशियाई शटलर ने 11-7 का अंतर बना लिया। सेन के बढ़त बनाने के बाद, लियोंग ने 14-14 से बढ़त हासिल की और अगले चार अंकों की बढ़त हासिल की, तथा 21-17 से गेम जीत लिया।

अमनदीप को प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया का सीईओ नियुक्त किया गया

नई दिल्ली, 13 नवम्बर (एजेंसियां)। प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) ने जनवरी 2025 से अमनदीप जोहल को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की। यह नियुक्ति हाल ही में एक और महत्वपूर्ण नेतृत्व वृद्धि के साथ हुई है, जिसमें दिग्गज क्रिकेटर कपिल देव ने इस साल जून में पीजीटीआई के अध्यक्ष की भूमिका संभाली थी। जोहल उत्तम सिंह मुंडी की जगह लेंगे, जिन्होंने इसकी स्थापना के बाद से संगठन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जोहल, जो हाल ही तक पीजीटीआई बोर्ड में थे, 1 जनवरी, 2025 से कार्यभार संभालेंगे। 31 दिसंबर, 2024 तक की अंतरिम अवधि में, वह हैंडओवर प्रक्रिया को पूरा करने में मुंडी की सहायता करेंगे। जोहल के सीईओ बनने का स्वागत करते हुए कपिल देव ने कहा कि अमनदीप लगभग 34 वर्षों से भारतीय और एशियाई गोल्फ़ सर्किट में हैं और यह बिल्कुल सही है कि कोई ऐसा व्यक्ति जो इस खेल में इतना निपुण है, पीजीटीआई का नेतृत्व करे।

अफरीदी वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में फिर बने नंबर 1

दुबई, 13 नवम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने आईसीसी पुरुष वनडे गेंदबाज रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है, यह स्थान उन्होंने पिछले साल भारत में हुए क्रिकेट विश्व कप के दौरान हासिल किया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पाकिस्तान की विजयी श्रृंखला में अफरीदी के हालिया प्रदर्शन ने उन्हें एक बार फिर शीर्ष स्थान पर पहुंचने में मदद की, जहां उन्होंने तीन मैचों में 12.62 के प्रभावशाली औसत से आठ विकेट लिए। अफरीदी की यह बढ़त रैंकिंग में फेरबदल के हिस्से के रूप में आई है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं और अफगानिस्तान के राशिद खान दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। अफरीदी का मैदान पर दबदबा, पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम के वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में अग्रणी स्थान के साथ मिलकर पाकिस्तान को एकमात्र टीम बनाता है जिसके पास वनडे बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में नंबर 1 रैंक वाला खिलाड़ी है। बाबर, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के

- अफ़रीदी अकेले पाकिस्तानी गेंदबाज़ नहीं थे, जिन्होंने तरक्की की

खिलाफ़ सिर्फ़ एक आउट के साथ 80 रन बनाए, शीर्ष बल्लेबाज़ रैंकिंग पर बने हुए हैं। अफ़रीदी अकेले पाकिस्तानी गेंदबाज़ नहीं थे, जिन्होंने तरक्की की। हारिस राउफ़ ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ 10 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ के प्रदर्शन के बाद अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 13वें स्थान पर पहुंचकर रैंकिंग में तरक्की की। नसीम शाह ने भी अपने करियर को नइ ऊंचाई हासिल की, वे 14 पायदान चढ़कर 55वें स्थान पर पहुंच गए। इसके अलावा, पाकिस्तान के नए वनडे कप्तान मोहम्मद रिज़वान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ सीरीज़ के बाद बल्लेबाज़ी चार्ट में 23वें स्थान पर पहुंच गए। इस बीच, बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो 11 पायदान चढ़कर वनडे बल्लेबाज़ों में 23वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि अफ़ग़ानिस्तान के अज़मतुल्लाह उमरज़ई अपनी स्थिति में सुधार करते हुए 31वें स्थान पर पहुंच गए। वनडे गेंदबाज़ी के मोर्चे पर, वेस्टइंडीज़ के गुडाकेश मोती और बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज ने बढ़त हासिल की, जिसमें मेहदी नौ पायदान चढ़कर 23वें स्थान पर पहुंच गए।

टी-20 मैचों से बाहर हुए रसेल

सेंट जॉन्स (एंटीगुआ), 13 नवम्बर (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल को इंग्लैंड के खिलाफ बाकी बचे तीन टी-20 मैचों से बाहर कर दिया गया है। उन्हें पहले मैच के दौरान बाएं टखने में चोट लग गई थी। पहले मैच में यह चोट लगने के कारण रसेल दूसरा मैच नहीं खेल सके, जिसमें वेस्टइंडीज को 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा, जिससे वह सीरीज में 0-2 से पीछे हो गई।रसेल की जगह शमार स्प्रिंगर को टीम में शामिल किया गया है, जो श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में दो टी20 मैच खेल चुके हैं। इसके साथ ही अल्जारी जोसेफ अपने दो मैचों के बैन के बाद टीम में वापस आ रहे हैं। वह अंतिम महत्वपूर्ण चरण के लिए सेंट लूसिया में टीम से जुड़ेंगे और शमार जोसेफ की जगह लेंगे। अल्जारी को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में बिना अनुमति के मैदान छोड़ने पर वेस्टइंडीज क्रिकेट ने दो मैचों के लिए प्रतिबंधित कर दिया था, जिससे वेस्टइंडीज की टीम में एक खिलाड़ी कम हो गया था। सीरीज के बाकी मैच सेंट लूसिया में होंगे, जिसमें तीसरा मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा।वेस्टइंडीज को सीरीज में बने रहने के लिए गुरुवार को होने वाले तीसरे टी20 मैच में जीत हासिल करनी होगी।उल्लेखनीय है कि इंग्लैंड की टीम इस समय कैरेबियाई दौरे पर है जहां उन्होंने तीन मैचों की वनडे सीरीज खेल ली है। इस सीरीज के मेजबान वेस्टइंडीज ने 2-1 से जीता था। अब दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है। सीरीज के तीसरे मैच की तरह चौथा और पांचवां मैच भी सेंट लुसिया में होगा।

सार समाचार

गुरुद्वारे से निकला नगर कीर्तन, प्रकाश पर्व पर होंगे कई आयोजन

सिरोंज, देशबन्धु। श्री गुरुनानक देव जयंती प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा में 15 नवंबर को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जावेगा। जयंती को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही है। जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहे कायक्रमों की कड़ी में बुधवार को नगर कीर्तन का आयोजन किया गया। नगर कीर्तन स्थानीय गुरुद्वारा से प्रारंभ होकर सिनेमा चौराहा, चांदनी चौक, कपड़ा बाजार, सर्राफा बाजार, कठाली बाजार, कस्टम पथ से होता हुआ गुरुद्वारा पर समापन हुआ। नगर कीर्तन में श्री गुरुनानक देव के चित्र को आकर्षक रूप से सजे रथ में विराजित किया गया था। वही श्रद्धालु नगर कीर्तन करते हुए चल रहे थे। श्री गुरुनानक देव जयंती के अवसर पर शुक्रवार को स्थानीय गुरुद्वारा में लंगर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित होकर प्रसादी ग्रहण करेंगे। इस मौके पर गुरुद्वारे में चल रहे गुरु ग्रंथ साहिब पाठ साहब का भी समापन होगा।

चुंगी नाके के पास टायर पंचर की दुकान में लगी आग

विदिशा, देशबन्धु। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत मंगलवार की रात हांसुआ रोड चुंगी नाके के पास एक पंचर सुधारने वाली दुकान में अज्ञात कारण से आग लग गई। आग की तेज लपटें देखकर आसपास के लोग एकत्रित हुए और अपने स्तर पर आग को काबू करने का प्रयास किया। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना टीआई शाहबाज खान भी मौके पर पहुंचे। दमकल को बुलाकर आग को काबू किया गया। बताया गया कि यह दुकान बहादुर सिंह की है जो पंचर सुधारने का काम किया करते थे। फिलहाल नुकसान का आंकलन नहीं हो सका है।

सीएम राइस विद्यालय के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

विदिशा, देशबन्धु। बुधवार को शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय बाल रंग प्रतियोगिता में सीएम राइस विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपना परचम फहराया। जिसमें स्वरचित काव्य पाठ में नैंसी दुबे ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, निशक्त चित्रकला में उमेश साहू प्रथम, वादन में वंश मैथिल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, लोकगीत और लोक नृत्य में सिया पंथी एवं उनके समूह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता समस्त छात्र 18 नवम्बर को संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल होंगे। विद्यालय के शिक्षकों रत्न देशपांडे, इतिश्री भावसार, दीपक यादव ने छात्रों के साथ तैयारी की। इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार एवं प्रभारी प्राचार्य बलराम चौधरी ने शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

भोपाल से जनपद पंचायत ग्यारसपुर पहुंची लोकायुक्त की टीम ने की कार्रवाई

पंचायत सचिव, बाबू और कंप्यूटर ऑपरेटर रिश्वत लेते गिरफ्तार

विदिशा, देशबन्धु। जनपद पंचायत ग्यारसपुर में बुधवार को लोकायुक्त ने बड़ी कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि ग्राम खेजड़ा निवासी चिरंजीलाल लोधी जिसकी मृत्यु जुलाई माह में हुई थी। संबल योजना के अंतर्गत 2 लाख की सहायता राशि सरकार के द्वारा प्रदान की जाती है।

इसी से संबंधित हितग्राही के परिजनों के द्वारा जनपद पंचायत में आवेदन प्रस्तुत किया गया था और योजना के अंतर्गत परिजनों को लाभ भी प्राप्त हुआ। लाभ प्राप्त होने के उपरांत ग्राम पंचायत के सचिव गिरवर यादव द्वारा आवेदनकर्ता से 10000 की राशि की मांग की गई और आवेदक से कहा गया कि अगर राशि नहीं दी जाती है तो शासन की किसी भी योजना का लाभ नहीं दिया जाएगा। हितग्राही द्वारा परेशान होकर इसकी शिकायत लोकायुक्त पुलिस भोपाल में की गई। लोकायुक्त की टीम ने इस पर संज्ञान लेते हुए रंगे हुए नोट दिए और हितग्राही के द्वारा विदिशा में सचिव से संपर्क कर मांगी गई राशि में से 5000 की राशि विदिशा कृषि उपज मंडी के सामने दी गई और लोकायुक्त की टीम ने मौके पर ही धर दबोचा। जानकारी लेने पर सचिव ने बताया कि यह राशि जनपद पंचायत कार्यालय में पदस्थ बाबू सुरेश शर्मा को देनी है। टीम ने मौके पर से ही सचिव से फोन पर बाबू से बात करने को कहा गया। सचिव ने बाबू से बात की और राशि को लेकर कहा की राशि मेरे पास आ चुकी है। बाबू ने राशि को लेकर ग्यारसपुर जनपद पंचायत में आने को कहा। सचिव द्वारा ग्यारसपुर में आकर पदस्थ बाबू से राशि लेने को कहा तो बाबू ने जनपद पंचायत में पदस्थ कंप्यूटर ऑपरेटर गोवर्धन कुशवाहा को उक्त राशि देने को कहा गया। सचिव के द्वारा राशि कंप्यूटर ऑपरेटर को दी गई। राशि प्राप्त करते ही लोकायुक्त की टीम ने पदस्थ बाबू एवं कंप्यूटर ऑपरेटर को पकड़ लिया और अपनी कार्रवाई प्रारंभ की। सभी के हाथ धुलवाए गए और लोकायुक्त के द्वारा कार्रवाई की गई। लोकायुक्त टीम में नीलम पटवा इंस्पेक्टर, रजनी तिवारी इंस्पेक्टर, नेहा प्रधान आरक्षक, राजेंद्र पवन प्रधान आरक्षक, मुकेश पटेल प्रधान आरक्षक, मुकेश परमार आरक्षक शामिल थे।

3 लोगों पर हुई कार्रवाई: इस मामले में इंस्पेक्टर लोकायुक्त भोपाल नीलम पटवा ने बताया कि फरियादी ने भोपाल लोकायुक्त में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि पंचायत सचिव द्वारा 10000 की राशि की मांग की गई है और न देने पर शासकीय योजनाओं का लाभ न मिलने की धमकी दी गई थी। जिस पर लोकायुक्त टीम ने सचिव गिरवर सिंह यादव को विदिशा कृषि उपज मंडी के पास रुपए लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। साथ ही उनके द्वारा बताया गया कि यह राशि जनपद पंचायत कार्यालय में पदस्थ बाबू और ऑपरेटर को देना है, जिस पर उन्हें साथ लेकर टीम ग्यारसपुर जनपद कार्यालय आई। यहां पर बाबू को रुपए दिए गए। इसी दौरान टीम ने उन्हें रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस तीन लोगों पर रिश्वत लेने की कार्रवाई की गई है।

शुभ मंगलमय पार्क में पौधा लगाकर मनाया जन्मदिन

सिरोंज, देशबन्धु। एकता पब्लिक स्कूल सिरोंज प्रबंधन ने पर्यावरण के प्रति अपनी जागरूकता दिखाते हुए जनता को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एकता पब्लिक स्कूल सिरोंज की छात्रा हुरिया खान ने अपना जन्म दिवस जिले के पहले शुभ मंगलमय जन्मदिवस उपवन पार्क में जामुन का पौधा रोपकर जन्मदिवस मनाया। इस अवसर पर हुरिया खान का जन्मदिन मनाने उनके परिवारजन, एकता पब्लिक स्कूल के सदस्य, पत्रकार गण वसीम अख्तर, डॉ. चंद्रेश सैनी, शब्बू गौरी, और समाजसेवी का चारु सोनी सहित अनेक लोग उपस्थित थे। सभी ने हुरिया के जन्मदिवस को स्मृतिवान बनाते हुए जामुन के पौधे को रोपण करने में सहयोग किया। स्कूल प्रबंधन का उद्देश्य है कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से जनता को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया जाए और उन्हें पौधारोपण के महत्व को समझाया जाए। समाजसेवीका चारु सोनी ने इस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने सिरोंज वासियों से आह्वान करते हुए कहा अपने बच्चों का जन्मदिवस मनाने इस स्थान पर आए और एक पौधा लगाकर उसे अपने सामने बढ़ता देखें होते और पर्यावरण को संतुलित करने में अपना योगदान दें। चारु सोनी ने पर्यावरण संरक्षण के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं और वे समाज सेवा में भी सक्रिय हैं। उनके प्रयासों से सिरोंज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है।

पार्षदों ने कलेक्टर से मुलाकात कर किया सीसी सड़क का विरोध, डामर रोड की उठाई मांग

विदिशा, देशबन्धु। शहर के माधवगंज चौराहे से लेकर मुख्य सड़क का लोक निर्माण विभाग के द्वारा सीसी सड़क का निर्माण किया जा रहा है। सड़क के निर्माण से पहले ही विरोध शुरू हो गया है। बुधवार को नगर पालिका के भाजपा और कांग्रेस पार्षदों ने कलेक्टर रोशन कुमार सिंह से मुलाकात कर एक ज्ञापन दिया। जिसमें उन्होंने बताया कि वर्षों से मुख्य बाजार में सड़कों का निर्माण डामरीकरण से होता आ रहा है, लेकिन इस बार सड़क का सीसी निर्माण किया जा रहा है। पार्षदों का कहना था कि सीसी सड़क के निर्माण में काफी समय लगेगा। इस बीच शहर के व्यापारियों का व्यापार भी प्रभावित होगा। वहीं आम लोगों को भी आवागमन में परेशानी होगी। पार्षदों का यह भी कहना था कि शहर में बारिश के समय में कई जगह पर जल भराव होता है। यदि यह सड़क बन जाती है तो कई दुकानें नीची हो जाएगी और बारिश में व्यापारी की दुकान में पानी भर जाएगा। जिससे व्यापारियों का काफी नुकसान होगा। ज्ञापन के माध्यम से सीसी सड़क निर्माण न कर डामर की सड़क बनाने की मांग की गई। वहीं ज्ञापन द्वारा नपा कार्यालय में सिटी चार्टर की व्यवस्था करने, सफाई मित्र उपलब्ध कराने, मुक्तिधाम की व्यवस्था हेतु बाउंड्रीवाल कराने सहित साफ-सफाई लगतार करने की मांग भी की गई।

कलेक्टर ने लिया वार्ड का जायजा, सफाई व्यवस्था पर जताई नाराजगी

विदिशा, देशबन्धु। बुधवार को कलेक्टर रोशन सिंह सुबह विदिशा शहर के वार्ड क्रमांक 35 में भ्रमण करने पहुंचे। उनके साथ मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीडी कतरौलिया, वार्ड पार्षद सपना राजेश जैन एवं नगर पालिका का अमला भी मौजूद रहा। उन्होंने वार्ड के मुख्य मार्ग अहमदपुर रोड इंद्रप्रस्थ कॉलोनी एवं विजय नगर कॉलोनी का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान खाली प्लाटों पर हो रही गंदगी पर नाराजगी व्यक्त की। साथ ही रोड एवं नाली की साफ-सफाई पर प्रशंसा की। वार्ड पार्षद सपना राजेश जैन ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कुटीर कई दिनों से नहीं हुई है, साथ ही वार्ड में स्ट्रीट लाइट एवं खंभे की कमी है एवं सिविल लाइन बार-बार चौक हो जाती है आदि समस्या का कलेक्टर को ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने जल्दी ही सब काम करने का आश्वासन दिया एवं वार्ड के एक बगीचे में ओपन जिम खोलने का कहा। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर संतोष बिटोलिया, संजय भंडारी उपस्थित रहे।

बालिका के साथ दुष्कर्म के आरोपी को शेष जीवनकाल तक कारावास

▶ **एक साल पहले की घटना के मामले में न्यायालय ने सुनाया फैसला**

विदिशा, देशबन्धु। बालिका के साथ दुष्कर्म मामले में न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए आरोपी को शेष प्राकृत जीवनकाल तक के लिए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जिला लोक अभियोजन अधिकारी जेएस तोमर ने बताया कि 12.11.2024 को न्यायालय प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट मनोज कुमार राठी जिला विदिशा ने थाना गुलाबगंज के अपराध क्रमांक 206/2023 प्रकरण क्रमांक 01/2024 में निर्णय पारित करते हुए अभियुक्त निवासी थाना गुलाबगंज जिला विदिशा को बालिका के साथ बालात्संग करने के अपराध में धारा 376(एबी) भादसं. में शेष प्राकृत जीवनकाल तक के लिए आजीवन कारावास एवं 1000 रूपये के अर्थदण्ड तथा पॉक्सो अधिनियम 2012 की धारा 5(एम) सहपठित धारा 6 में आजीवन कारावास एवं 1000 रूपये के अर्थदंड से दण्डित किया गया। अभियोजन की ओर से पैरवी सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी/विशेष लोक अभियोजक प्रतिभा गौतम द्वारा की गई एवं समय-समय पर जिला लोक अभियोजन अधिकारी विदिषा जेएस तोमर द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। अभियोजन का मामला इस प्रकार है कि 15.11.2023 को दोपहर 2:30 बजे फरियादी/पीड़िता का पिता व उसकी पत्नी घर पर थे। पीड़िता के दादा जानवर चराने गये थे। पीड़िता घर के बाहर अन्य बच्चों के साथ खेल रही थी। उसी समय गांव के दो व्यक्ति घर पर आये और उन लोगों को बताया कि उनकी बच्ची को गांव में ही रहने वाला आरोपी अपने साथ गांव में बने अपने खलिहान के टपरे में ले गया है और पीड़िता के साथ गलत काम करने की कोशिश कर रहा है। वे लोग शौच करने गये थे तो वहां बच्ची के रोने की आवाज आ रही थी तो उन्होंने छिपकर देखा था। फिर फरियादी/पीड़ित का पिता अपने बड़े भाई को लेकर बताई गई जगह पर गया तो देखा कि आरोपी बच्ची के साथ गलत कार्य कर रहा था। फरियादी/पीड़िता के पिता के द्वारा उक्त घटना की रिपोर्ट थाना गुलाबगंज में दर्ज कराई गई। उक्त रिपोर्ट तत्कालीन थाना प्रभारी गुलाबगंज सीमा राय द्वारा दर्ज की गई। पुलिस द्वारा प्रकरण विवेचना में लिया गया। उप निरीक्षक राजेन्द्र सिंह थाना गुलाबगंज द्वारा विवेचना पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय में पश किया गया। विचारण उपरान्त न्यायालय द्वारा आरोपी को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया।

हेल्पलाइन शिकायत निवारण शिविर का आयोजन

विदिशा, देशबन्धु। बुधवार को जिला मुख्यालय पुलिस लाइन विदिशा में पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के निर्देशन में एक सीएम हेल्पलाइन शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य जनता की शिकायतों को सुनना और उनका त्वरित निवारण करना था। शिविर में पुलिस अधीक्षक सहित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे, डीएसपी अजाक श्री अनूप नैन, समस्त अनुविभागीय अधिकारी, थाना प्रभारी और अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लगभग 171 आवेदकों की शिकायतों को सुना गया। इनमें से 90 शिकायतों का तत्काल निराकरण किया गया। पुलिस अधीक्षक ने स्वयं आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्रवासियों को निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान सभी संबंधित अधिकारी शिविर में उपस्थित रहे ताकि आवेदकों की समस्याओं का प्रभावी समाधान हो सके। सभी अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को सुना और वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

राज्य स्तरीय शालेय प्रतियोगिता में जीत दर्ज कर लौटे खिलाड़ी

सिरोंज, देशबन्धु। राज्य स्तरीय शालेय अंडर-19 हॉकी प्रतियोगिता सिवनी से मध्य प्रदेश चैंपियनशिप प्राप्त कर लौटे। राज्य स्तरीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता अंडर-19 वर्ष सीनियर बालक /बालिका दिनांक 08/11/2024 से 12/11/2024 तक सिवनी जिले में आयोजित हुई थी। इस राज्य स्तरीय शालेय अंडर 19 हॉकी प्रतियोगिता में भोपाल संभाग की टीम में सिरोंज की 6 बेटियां एवं 3 बेटे शामिल थे। जिसमें शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिरोंज की छात्रा ज्योति अहिरवार, सरोज अहिरवार, शिवानी, सपना, रचना अहिरवार, सी. एम. राइज़ स्कूल की अंजलि दांगी ने मध्य प्रदेश उप विजेता एवं सी .एम. राइज़ के रवेंद्र कुशवाह, ज़ैद खान, सुरेंद्र कोली ने मध्य प्रदेश उप विजेता की ट्राफी सिवनी जिले की कलेक्टर मुख्य अतिथि संस्कृति जैन से प्राप्त कर अपने खेल शिक्षक जमशेद खान, खेल शिक्षक शान मियां, रीतेश केवट,प्रगति केवट के साथ सिरोंज पहुंचे। छात्र-छात्राओं की इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकार आर.के.ठाकुर विकासखंड शिक्षा अधिकारी उमेश कुमार सोनी, प्राचार्य मनोज कुमार शर्मा, प्राचार्य महेश कुमार ताम्रकार, जिला खेल अधिकारी संतोष चतुर्वेदी,खेल शिक्षक शान मिया, खेल शिक्षक जमशेद खान, केशव शर्मा, रितेश केवट, कुमारी प्रगति केवट एवं स्टाफ के सदस्यों ने एवं सिरोंज के वरिष्ठ हॉकी खिलाड़ियों ने छात्र छात्राओं की इस उपलब्धि पर बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य की कामना की।

मुस्लिम त्यौहार कमेटी के जिलाध्यक्ष बने सोहेल

विदिशा, देशबन्धु। ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हाफिज अहमद शाहमीरी खुर्रम बुधवार को विदिशा आए। इस दौरान विदिशा के वरिष्ठ समाजसेवी सोहेल अहमद बबलू को जिलाध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया। इस अवसर पर अहमद शाहमीरी खुर्रम और सोहेल अहमद बबलू का समाजजनों ने शाल व पुष्प मालाओं से स्वागत किया। अहमद शाहमीरी खुर्रम ने कहा कि सोहेल अहमद बबलू को यह जिम्मेदारी उनके पूर्व में की गई खिदमतों को देख कर दी गई है।सोहेल अहमद बबलू ने कहा कि मेरे बुजुर्गों दोस्तों ने जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी है मैं इस जिम्मेदारी को अपने ऊपर फ़र्ज़ समझता हूं और कौम की खिदमत में पहले भी खड़ा रहा हूं और आगे भी खड़ा रहूंगा। सोहेल अहमद की इस नियुक्ति पर चौधरी मुशाहिद अली मुश्शी, चौधरी परवेज अहमद, चौधरी फिरोज खान, इस्माइल अली, सलमान आफरीदी, गुड्डू भाई शमशाबाद, डॉ. रऊफ, राजा भाई ब्लॉक अध्यक्ष, बन्नू पठान, दानिश अली इंडियन, आसिफ खान, अशफाक खान, परवेज खान, आसिफ पटेल, तौफीक अली, इदरीस खान, शाहिद अहमद, वसीम अंसारी, नवाज चौधरी, टीपू पठान, कैस पठान सहित कई साथियों ने बधाई देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया है।

ममता के साथ-साथ वात्सल्य भी उतना ही जरूरी :असाटी

छतरपुर, देशबन्धु। संबंधी के प्रति जिम्मेदारी का भाव स्नेह है जिसका प्रगटीकरण ममता और वात्सल्य के रूप में होता है। संबंधी के शरीर के प्रति जिम्मेदारी का भाव ममता है तथा संबंधी के समझ के प्रति जिम्मेदारी का भाव वात्सल्य है। यह बात लखनलाल असाटी ने गर्ल्स पीजी कॉलेज में आयोजित वृद्धजनों के प्रति युवाओं का दायित्व विषय पर तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता के समापन पर कही है।

इस अवसर पर प्राचार्य शशिप्रभा सिंह परिहार, डॉ. शशिकांत अवस्थी एवं डॉ. नीरज निरंजन प्रमुख रूप से उपस्थित थे। छात्राओं ने अपने उद्बोधन में इस बात को रेखांकित किया कि समाज में बुजुर्गों के प्रति सम्मान नहीं है, उनकी उचित देखभाल नहीं हो रही है इस कारण वृद्धावस्था में उन्हें दुखद जीवन जीना पड़ रहा है। लखनलाल असाटी ने कहा मूलरूप से सारी विचार प्रक्रिया संबंध पर आधारित है। जहां-जहां हम संबंध देख पाते हैं, वहां-वहां हमारा आचरण निश्चित हो जाने से हम उचित निर्वाह कर पाते हैं। उन्होंने कहा संबंध के आभाव में हमारा आचरण जिम्मेदारीपूर्वक नहीं होता है। परिवार में कुछ बातों पर ध्यान देने की जरूरत है।

सम्मान की आवश्यकता परिवार के छोटे से लेकर बुजुर्ग व्यक्ति सभी की है पर अभी हमारी मान्यता यह है कि सम्मान बुजुर्गों का होना चाहिए।

श्री असाटी ने कहा इसी तरह जब हम मान्यताओं और धारणाओं को अपना संस्कार बना लेते हैं, तो शरीर के आधार पर दूसरे से भेद करते हैं जिस कारण खुद भी दुखी होते हैं और सामने वाले को भी दुखी करते हैं। शरीर के अलावा भी मैं अर्थात खुद को जानने, समझने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीरज निरंजन ने किया। अंत में आभार शशिकांत अवस्थी ने जताया। प्रतियोगिता में स्नेहा तिवारी प्रथम, आराधना अहिरवार द्वितीय, खुशी सेन तृतीय स्थान पर रहीं, जिन्हें पुरस्कृत किया गया। सांत्वना पुरस्कार कु. पवन यादव को दिया गया।

ताप्ती तीरे

सार-समाचार

शिबू विश्वकर्मा बने नर्मदापुरम संभाग के पत्रकार संघ अध्यक्ष

बैतूल, देशबन्धु। प्रेस मीडिया पत्रकार कल्याण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवींद्र सिंह पवैया द्वारा शिबू विश्वकर्मा को नर्मदापुरम संभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पत्रकारों की सर्वसम्मति से चयनित शिबू विश्वकर्मा को पत्रकारिता में उनके उल्लेखनीय योगदान और समर्पण को देखते हुए यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। संघ के वरिष्ठ सदस्यों और पत्रकारों ने शिबू को इस नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। सभी ने विश्वास जताया कि शिबू विश्वकर्मा के नेतृत्व में संघ नई ऊंचाइयों को छूएगा और संगठन को नई दिशा मिलेगी।

फर्जी हस्ताक्षर से हड़पी महिला की जमीन, एसपी से शिकायत

बैतूल, देशबन्धु। खंडवा मार्ग इंदौर निवासी एक महिला ने षड्यंत्र रचकर फर्जी हस्ताक्षर के आधार पर उनकी खेड़ी सांवलीगढ़ स्थित जमीन को हड़पने का गंभीर लगाते हुए एसपी से शिकायत की है। गौरतलब है कि जिनके खिलाफ शिकायत की गई है उनमें शहर के दो नामचीन वकील भी शामिल है। शिकायत में आरोप है कि अनावेदक गण ने आवेदिका सविता पति नवल किशोर सहित अन्य आवेदक गण के फर्जी हस्ताक्षर कर न्यायालय में पेश किए, जिसके चलते उनकी जमीन के हिस्से को राजीनामा कर अपने नाम करवाया गया। आवेदिका ने अनावेदकों के खिलाफ कुट रचना करने और न्यायालय को गुमराह करने के आरोप लगाए है। शिकायत के अनुसार, अनावेदक के पिता के नाम ग्राम खेड़ी सांवलीगढ़ के खसरा क्रमांक 50/2 (रकबा 2.023 हेक्टेयर) और ग्राम अखतवाडा के खसरा क्रमांक 193/1 (रकबा 4.2049 हेक्टेयर) की कृषि भूमि थी। अनावेदक के पिता की मृत्यु के बाद, इस भूमि पर उनके सभी उत्तराधिकारियों का हक था। परंतु अनावेदक ने षड्यंत्र पूर्वक इन भूमियों में आवेदक गण के हिस्से को खत्म करने के लिए फर्जी अंगूठा और हस्ताक्षर कराए, ताकि संपत्ति पर पूर्ण कब्जा किया जा सके।

शिकायतकर्ता का दावा है कि हाल ही में उन्हें जानकारी मिली कि उक्त भूमि में से उनके नाम हटा दिए गए हैं। इस पर छानबीन करने पर पता चला कि अनावेदक ने अनावेदक दो वकीलों और अन्य के साथ मिलकर व्यवहार वाद क्रमांक 83ए/2022 में आवेदक गण के फर्जी हस्ताक्षर और शपथ पत्र प्रस्तुत किए और उनकी जानकारी के बिना रजीनामा कर निर्णय पारित करा लिया गया। आरोप है कि न्यायालीन कार्यवाही में अत्यंत लापरवाही बरती गई, क्योंकि आवेदक गण को बुलाना या बयान लेना उचित नहीं समझा गया, जिससे अनावेदक गण अपने मंसूबे में सफल हुए। पीड़िता ने बताया कि उनकी जानकारी के बिना फर्जी हस्ताक्षर कर कुट रचित दस्तावेज़ तैयार किए। उन्होंने इस कृत्य को एक बड़े षड्यंत्र का हिस्सा बताया, जिसके सूत्रधार अनावेदक गण हैं। साथ ही, शिकायत करने पर धमकी देने का भी आरोप लगाया। सविता ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि अनावेदक गण के खिलाफ जाली हस्ताक्षर करने, कुट रचना करने, संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और न्यायालय को गुमराह करने के आरोप में कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाए।

वर्षों पुरानी मांग हुई पूरी

ग्राम पंचायत नानकुड़ी के गौना में नाली निर्माण कार्य शुरू

बैतूल, देशबन्धु। जनपद पंचायत प्रभात पट्टन अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत नानकुड़ी के अंतर्गत आने वाले ग्राम गौना में सीमेंट कांक्रीट नाली निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया है। इस कार्य का भूमि पूजन जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाडे ने ग्राम पंचायत सरपंच संगीता हिवराले और हिवरखेड़ की उपसरपंच डॉ. मीना गव्हाडे के साथ ग्रामीणों की उपस्थिति में किया। इस निर्माण कार्य पर कुल 6.69 लाख रुपये की लागत आएगी।

गौरतलब है कि ग्रामीण लंबे समय से नाली निर्माण की मांग कर रहे थे, जिसे पूरा करने के लिए उन्होंने जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाडे से कई बार अनुरोध किया था। ग्रामीणों की इस वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए उर्मिला गव्हाडे ने नाली निर्माण कार्य का शुभारंभ किया, जिससे ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। कार्यक्रम में समाजसेवी रमेश गव्हाडे ने भी विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सचिव शिवकांता नरवरे, रोजगार सहायक नानेश्वर गावंडे, शंकरराव गावंडे, लक्ष्मण खासदेव, दिनेश धोटे, तातोबा राव धोटे, शुभम अमरूते, मुन्ना धोटे, चंद्रशेखर गावंडे, संत खासदेव, गणेश धोटे, और भगवान धोटे शामिल रहे। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाडे का आभार प्रकट किया और इस कार्य को गांव की आवश्यकता बताते हुए इसे विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। नाली निर्माण से गांव में जल निकासी की समस्या हल होगी और लोगों को स्वच्छता का लाभ मिलेगा। इस भूमि पूजन के साथ ही कार्य का विधिवत आरंभ हो गया है, जिससे ग्रामीणों को जल्द ही नाली निर्माण का लाभ मिलेगा।

बैतूल में मां ताप्ती नदी के तटों पर नहीं हुआ विकास

सूर्य पुत्री मां ताप्ती जागृति समिति ने जनप्रतिनिधियों पर उठाए सवाल

बैतूल, देशबन्धु। बैतूल विधानसभा क्षेत्र में बहने वाली पुण्य सलिला सूर्यपुत्री मां ताप्ती नदी का एक लंबा किनारा पारसडोह से लेकर खेड़ी घाट तक लगभग 100 किलोमीटर तक उपेक्षित पड़ा है। इस क्षेत्र के बीजेपी- कांग्रेस के पूर्व एवं वर्तमान जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण मां ताप्ती के किनारे किसी भी घाट का निर्माण कार्य नहीं हुआ, जिससे श्रद्धालुओं की सुरक्षा और धार्मिक कार्यक्रमों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

मां सूर्यपुत्री ताप्ती जाग्रति समिति के रामकिशोर पवार ने इस गंभीर मुद्दे को उठाते हुए बताया कि ताप्ती नदी में डूबने से कई मौतें हो चुकी हैं और घाट के अभाव में वैवाहिक संबंधों पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। पवार के अनुसार, बैतूल विधानसभा क्षेत्र में ताप्ती नदी के तटों पर किसी भी घाट का निर्माण नहीं होने से लोगों को गहरे पानी में स्नान के लिए जाना पड़ता है, जिससे बारहलिंग और पारसडोह जैसे क्षेत्रों में डूबने की घटनाएं बार-बार सामने आती हैं। पवार ने बताया कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से कांग्रेस और भाजपा दोनों ही दलों के जनप्रतिनिधियों से बार-बार निवेदन किया है कि होशंगाबाद (नर्मदापुरम) में मां नर्मदा के सेठानी घाट की तरह बैतूल के बारहलिंग या खेड़ी ताप्ती घाट पर भी घाट का निर्माण करवाया जाए।

पवार ने कहा कि वे किसी राजनीतिक पद पर नहीं हैं और आर्थिक रूप से भी सक्षम नहीं हैं, लेकिन जन सहयोग से बारहलिंग तीर्थ स्थल को पहचान दिलाने का प्रयास किया है। उन्होंने धर्मप्रेमी जनता के सहयोग से शिवधाम बारहलिंग में दो आरती द्वार श्री राम आरती द्वार और मां जगत जननी सीता आरती द्वार का निर्माण करवाया है, साथ ही नदी के जल मार्ग तक पहुंचने के लिए सीढ़ी और बुजुर्गों के लिए ढलान वाला रास्ता भी बनवाया है। आज यह दोनों आरती द्वार श्रद्धालुओं के लिए सेल्फी पॉइंट बन चुके हैं, लेकिन अगर जनप्रतिनिधि ताप्ती के किनारों को संवारने का कार्य करेंगे तो इससे ताप्ती के प्रति श्रद्धा रखने वालों को भी पुण्य लाभ प्राप्त होगा।

आदिवासी छात्रावासों में मूलभूत सुविधाओं की कमी

● युवा आदिवासी संगठन ने डिप्टी कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बैतूल, देशबन्धु। आदिवासी छात्रावासों और आश्रमों में छात्र-छात्राओं के लिए बुनियादी सुविधाओं की कमी को लेकर युवा आदिवासी विकास संगठन ने जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। संगठन के जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह इवने के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री के नाम यह ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर पटेरिया मैडम को दिया। ज्ञापन में आदिवासी छात्रावासों में ठंड के मौसम में बिस्तर और अन्य सामग्री की कमी का मुद्दा उठाया गया। जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह इवने ने बताया कि बैतूल जिले के आदिवासी छात्र-छात्राओं के लिए जनजातीय कार्य विभाग द्वारा छात्रावास योजना के तहत आवास, भोजन, फर्नीचर और बिस्तर जैसी सुविधाएं दी जाती हैं। हालांकि, पिछले दो वर्षों से बिस्तर और अन्य आवश्यक सामग्री के लिए किसी भी प्रकार की राशि शासन द्वारा आवंटित नहीं की गई है, जिससे छात्र-छात्राएं पुराने और खराब बिस्तरों में सोने को मजबूर हैं। उन्होंने बताया कि ठंड के मौसम में बिस्तरों की कमी के कारण विद्यार्थियों को स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा, अनुचित बिस्तर के कारण छात्रों को खुजली और अन्य त्वचा संबंधी बीमारियां हो रही हैं, जिससे उनकी पढ़ाई पर भी असर पड़ रहा है। इस ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने मुख्यमंत्री से निवेदन किया है कि आदिवासी छात्रावासों और आश्रमों में आवश्यक सामग्री के लिए शीघ्र राशि प्रदान की जाए, ताकि छात्रों को इन कठिनाइयों से निजात मिल सके। इस अवसर पर संगठन के जिला महासचिव रामदास उइके, दीपक उइके, सुनील कवड़े, रेवाराम सलामे, और आशीष उइके भी उपस्थित रहे।

जिला चिकित्सालय का निजीकरण गरीब और मध्यम वर्ग के लिए हानिकारक: वाईकर

गरीबों के हित में सरकार से पुनर्विचार की मांग, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

बैतूल, देशबन्धु। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष शैलेष कुमार वाईकर ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपते हुए बैतूल जिला चिकित्सालय को निजी हाथों में देने के निर्णय का विरोध किया है। उन्होंने यह ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर को सौंपा और कहा कि यह फैसला जिले के गरीब और मध्यम वर्ग के लिए अत्यंत हानिकारक होगा।

ज्ञापन में वाईकर ने बताया कि बैतूल जिला चिकित्सालय वर्तमान में शासन द्वारा संचालित है और यहां गरीब, पिछड़े और मध्यम वर्ग के लोगों को मुफ्त में इलाज की सुविधा मिलती है। लेकिन हाल ही में सामने आए निर्णय के अनुसार, सरकार अस्पताल को (पीपीपी) मोड में निजी मेडिकल कॉलेज संचालकों के हाथों में सौंपने की योजना बना रही है। वाईकर ने इस फैसले को बैतूल की जनता के हितों के खिलाफ बताते हुए कहा कि जिला अस्पताल में पहले से ही वार्ड और बेड की संख्या बेहद कम है जबकि यहां मरीजों की संख्या अधिक होती है। उन्होंने बताया कि इस नई नीति के अनुसार, जिला अस्पताल के 25 प्रतिशत बेड निजी अस्पताल की तर्ज पर संचालित होंगे, जहां इलाज के लिए मरीजों से शुल्क लिया जाएगा। वर्तमान में अस्पताल में करीब 300 बेड हैं, जिसमें से यदि 25 प्रतिशत बेड निजी तौर पर संचालित किए जाते हैं, तो केवल 225 बेड ही शासकीय रूप से संचालित रहेंगे, जहां गरीब और जरूरतमंद मरीजों का मुफ्त इलाज हो सकेगा। उन्होंने कहा कि 225 बेड के बाद आने वाले मरीजों को या तो निजी वार्ड का शुल्क देना पड़ेगा या फिर निजी अस्पताल में इलाज करवाना पड़ेगा, जिससे गरीबों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा।

वाईकर ने इस पर भी सवाल उठाया कि निजीकरण के बाद अस्पताल में फोरेंसिक जांच, पोस्टमार्टम और अन्य कानूनी कार्यों में पारदर्शिता की कमी आ सकती है, जिससे न्यायिक प्रक्रिया पर भी असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी आवश्यक सेवाएं हर व्यक्ति का अधिकार हैं और दिल्ली व पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकारों द्वारा सभी नागरिकों को मुफ्त इलाज की सुविधा दी जाती है। मध्य प्रदेश में इस तरह का निजीकरण गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए समस्याएं खड़ी करेगा। उन्होंने यह भी चिंता जताई कि निजी संचालन में शासकीय डॉक्टर और अन्य स्टाफ किसके अधीन कार्य करेंगे और वर्तमान में अस्पताल में उपलब्ध मशीनों और अन्य सुविधाओं पर भी शुल्क लिया जाएगा। इस प्रकार, गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों के साथ अन्याय होगा। उन्होंने जिला चिकित्सालय के लिए जारी किए गए 25 नवंबर 2024 के टेंडर को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की मांग की और अस्पताल को शासकीय रूप से ही संचालित करने का आग्रह किया ताकि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को स्वास्थ्य सुविधाएं मिलती रहें। इस ज्ञापन के माध्यम से शैलेष कुमार वाईकर ने स्पष्ट किया कि अगर जिला चिकित्सालय को निजीकरण के तहत संचालित किया गया, तो आम आदमी पार्टी इसका कड़ा विरोध करेगी और जरूरत पड़ने पर आंदोलन भी करेगी। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश सह सचिव अजय सोनी, जिला उपाध्यक्ष संतोष देशमुख, शंकर पेंद्राम, जिला मीडिया प्रभारी मुकेश गायकवाड, जिला कार्यालय प्रभारी गोपाल झरबड़े, जिला कोषाध्यक्ष सपन कामला, पूर्व बौद्धिक विंग जिला अध्यक्ष ललित देशमुख, पूर्व इवेंट इंचार्ज मनोहर पचोरिया, पूर्व जिला उपाध्यक्ष फिरदौस खान, पूर्व जिला अध्यक्ष एसटी विंग शिवकुमार तुमराम, पूर्व जिला सह सचिव रमेश भुमरकर, आठनेर ब्लॉक अध्यक्ष अशोक सोनारे, पवन गावंडे, अनिल पवार, संदीप वाईकर, अरविंद गीद आदि शामिल थे।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर टिटवी में कोयापुनेम का आयोजन कल

आज कलश यात्रा और भ्रमण महारैली से होगी कार्यक्रम की शुरुआत

बैतूल, देशबन्धु। ग्राम पंचायत टिटवी में 15 नवंबर को धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में कोयापुनेम का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति स्थापना का कार्यक्रम भी रखा गया है। ग्राम पंचायत टिटवी के अध्यक्ष मंगलू मरकाम, शिवेंद्र इरपाचे, नंदकिशोर उपराले, महादेव मरकाम, श्याम इवने ने क्षेत्रवासियों और सगा समाज को इस महत्वपूर्ण आयोजन में पधारकर सहयोग प्रदान करने की अपील की है।

कार्यक्रम का आयोजन पुनेमाचार्य दीवानशाह धुर्वे, जिला सिवनी के मार्गदर्शन में किया जाएगा। 14 नवंबर को सुबह 11 बजे से प्रारंभ होने वाले इस आयोजन में कलश यात्रा और सामूहिक भ्रमण महारैली का आयोजन किया जाएगा। दोपहर 3 बजे भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति स्थापना और कोयापुनेम का शुभारंभ किया जाएगा। 15 नवंबर को दोपहर 1 बजे से पूजन-पाठ और क्षेत्रीय वक्ताओं द्वारा उद्बोधन का कार्यक्रम होगा। रात 9.30 बजे से क्षेत्रीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जिसमें मुख्य अतिथि और विशेष अतिथि भी शामिल होंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आठनेर ब्लॉक से तिरुमाल रामचरण इरपाचे जिला पंचायत सदस्य, तिरुमाल राजेश धुर्वे यु.आ. वि. सं संस्थापक), तिरुमाल हेमंत सरियाम सामाजिक कार्यकर्ता, तिरुमाल जामवंत कुमरे जयस प्रदेश संयोजक, तिरुमाल जयचंद सरियाम, और तिरुमाल भारत कुमरे उपस्थित रहेंगे। भैंसदेही ब्लॉक से सोनू पांसे जयस प्रभारी, भीमपुर ब्लॉक से तिरुमाल पप्पू ककोडिया जनपद सदस्य, महादेव बेटेकर सामाजिक कार्यकर्ता, शंभू गोंड धुर्वे पूर्व जनपद सदस्य, तिरुमाल विजेश इडपाचे, इंद्रकुमार उइके, अरविंद गोंड भी सम्मिलित होंगे। चिचोली ब्लॉक से तिरुमाल सुरेंद्र कुमरे, तिरुमाल पवन परते, और तिरुमाल राजकुमार उइके भी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। साथ ही, बैतूल से तिरुमाल डॉ. राजा धुर्वे, तिरुमाल ईश्वर धुर्वे, अविनाश धुर्वे और जितेंद्र इवने (अध्यक्ष, युवा आदिवासी संगठन) भी आयोजन में भाग लेंगे। कार्यक्रम में महिला सामाजिक कार्यकर्ताओं का भी विशेष योगदान रहेगा, जिसमें तिरुमाय देवेश्वरी मरकाम, तिरुमाय पुष्पा मर्सकोले पूर्व सरपंच, तिरुमाय गंगा उइके पूर्व सरपंच, धनोरा, और बबली कुमरे भीमपुर शामिल हैं। इन सभी का सहयोग कार्यक्रम की सफलता में अहम भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के सहसचिव शिवलाल इवने, रामप्रसाद उपराले, सोमलाल काकोड़िया और भैयालाल मरकाम ने सभी ग्रामीणों को इस आयोजन में सम्मिलित होने का न्योता दिया है।

एक शाम बाबा श्याम के नाम का आयोजन 18 को

बैतूल, देशबन्धु। विनोबा नगर स्थित श्री कृष्णम सुपरमार्ट के पास दिगम्बर जैन मंदिर के निकट आगामी 18 नवंबर, सोमवार को एक भव्य कीर्तन कार्यक्रम एक शाम बाबा श्याम के नाम का आयोजन होने जा रहा है। यह भक्तिमय संध्या शाम 7 बजे से प्रारंभ होगी। इस विशेष आयोजन में सुप्रसिद्ध गायक संजू शर्मा (कामठी) और उनके साथी अपनी मधुर आवाज में भजनों की प्रस्तुति देंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन संजय चौधरी और श्रीमती रंजू चौधरी द्वारा किया जा रहा है।

जल ईश्वर का अनमोल वरदान है, इसे सहेजना हमारा कर्तव्य: मधु

आठनेर के ग्राम बागवानी में बोरी बंधान कर जल संरक्षण का लिया संकल्प

बैतूल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशन में ग्राम बागवानी में जल संरक्षण की एक अनूठी पहल करते हुए ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति और मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के सेक्टर कांवला के छात्र-छात्राओं ने बोरी बंधान कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के आठनेर विकासखंड की समन्वयक मधु चौहान ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए जल संरक्षण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि बारिश का अधिकतर पानी नदी-नालों के माध्यम से समुद्र में चला जाता है, जिससे जलस्तर कम हो रहा है। छोटे-छोटे बोरी बंधानों से धरती में जल पुनर्भरण होता है, जो फसलों और मवेशियों के लिए जल का संरक्षण करने में सहायक है। मधु चौहान ने इसे ईश्वर का अनमोल वरदान बताया और इसके संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।

नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सावंगी के अध्यक्ष दिनेश माकोड़े ने कहा कि जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए गांव-गांव में ऐसे कार्यक्रम होने चाहिए ताकि सभी जल की महत्ता को समझ सकें। सेक्टर कांवला के मेंटर आशुतोष सिंह चौहान ने भी जल के महत्व पर चर्चा की और बताया कि यह मानव जीवन ही नहीं, बल्कि पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों और समस्त जीव-जंतुओं के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस कार्यक्रम में राजवंती, सतीश उईके, दुर्गीलाल, दुर्गा अहाके, बबीता कुमरे, बिसराम धुर्वे, गनीता, रूपेश, रवीना, अशोक, चंद्रिका, निकिता, प्रभुलाल, केशोराव और सुबिता सहित सेक्टर के अन्य सीएमसीएलडीपी छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन जल संरक्षण के संकल्प और भोजन प्रसादी के साथ हुआ।

ओबीसी महासभा के जिला उपाध्यक्ष बने हिमांशु सोनी

बैतूल, देशबन्धु। ओबीसी महासभा ने शहर के विकास नगर निवासी हिमांशु सोनी को जिला उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है। यह नियुक्ति ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय संस्थापक सदस्यों, प्रदेश कार्यकारी प्रदेशाध्यक्षों की सहमति और बैतूल जिले के अध्यक्ष राजू नरेश मालवीय की अनुशंसा से की गई है। हिमांशु सोनी को यह जिम्मेदारी संगठन के संवैधानिक और सामाजिक उद्देश्यों के प्रति समर्पित कार्यों को ध्यान में रखते हुए सौंपी गई है। ओबीसी महासभा बैतूल संगठन ने उन्हें बहुत-बहुत बधाई दी।

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आज

बैतूल, देशबन्धु। बैतूल के समस्त 17 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में आज 14 नवंबर को परिवार नियोजन, गर्भनिरोधक सेवाएं और अन्य प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल सेवाएं थीम के तहत एक दिवसीय आयुष्मान आरोग्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। शिविर के आयोजन में आयुक्त, संचालनालय आयुष मध्यप्रदेश भोपाल के निर्देशों और कलेक्टर बैतूल के मार्गदर्शन का पालन किया जाएगा। शिविर में आए लाभार्थियों को संबंधित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में फॉलोअप की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही, औषधीय पौधों की जानकारी भी दी जाएगी ताकि लोग प्राचीन चिकित्सा पद्धति के बारे में जागरूक हों और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। इस विशेष शिविर में जिले के नोडल अधिकारी के रूप में डॉ. विजय तांडिलकर, पाढर और डॉ. लक्ष्मी किशनानी, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, हिवरखेड़ी अपनी सेवाएं देंगे। इस नि:शुल्क आयुष रोग निदान शिविर में विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं दी जाएंगी, जिसमें जनसामान्य को आने के लिए आमंत्रित किया गया है। आयुष विभाग का प्रयास है कि इस आयोजन के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य से संबंधित हर जरूरी सहायता और जानकारी मिले, जिससे स्वस्थ समाज का निर्माण किया जा सके।

भोपाल सम्मेलन की तैयारी में जुटा आजाद अध्यापक शिक्षक संघ

बैतूल, देशबन्धु। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ घोड़ाडोंगरी की बैठक राठौर मैरिज लॉन में जिला अध्यक्ष विनय सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस बैठक में जिला पदाधिकारियों की मौजूदगी में संगठन की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। जिला अध्यक्ष श्री विनय सिंह राठौड़ ने संगठन की आगामी रणनीतियों पर मार्गदर्शन प्रदान किया, साथ ही दिसंबर माह में भोपाल में होने वाले प्रांतीय सम्मेलन के लिए अधिक से अधिक शिक्षकों की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। ब्लॉक अध्यक्ष हेमराज बेले ने बताया कि विकासखंड घोड़ाडोंगरी के शिक्षकों की लंबित समस्याओं और भुगतान मुद्दों को लेकर विकासखंड शिक्षा अधिकारी, सहायक आयुक्त, और जिलाधीश महोदय को ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समयबद्ध समाधान नहीं हुआ तो संगठन द्वारा पुन: स्मरण ज्ञापन दिए जाएंगे, और इसके बाद भी समाधान न होने पर उग्र आंदोलन और धरना प्रदर्शन का रास्ता अपनाया जाएगा। बैठक में संगठन की अनुशंसा पर कई नए पदाधिकारियों को नियुक्त किया गया, जिनमें निर्मला धुर्वे ब्लॉक उपाध्यक्ष महिला इकाई, लालजी यादव ब्लॉक उपाध्यक्ष, ललित मालवीय ब्लॉक उपाध्यक्ष, मदन गोहे ब्लॉक कोषाध्यक्ष, ध्रुव सिंह ठाकुर ब्लॉक उपाध्यक्ष, राजेश राठौर ब्लॉक उपाध्यक्ष, द्वारकाप्रसाद नायक ब्लॉक महासचिव, मनेष देशमुख ब्लॉक सहसचिव, ज्ञान सिंह टेकाम ब्लॉक महासचिव, गणेश कुमार सलाम ब्लॉक सहसचिव, निरंजन कुमार माखाल ब्लॉक महासचिव, संजय टेम्रवाल ब्लॉक सहसचिव, राजेश सिनोटिया ब्लॉक उपाध्यक्ष, चेतराम गुलबासे जिला सहसचिव, और पंकज पाटणकर को जिला मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों ने जिला नेतृत्व के प्रति आभार जताया और सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर श्रीमती निर्मला धुर्वे, राधिका डोंगरे, हेमलता कटारे, वंदना बेले, शीला कटोले, सीमा राठौर समेत विकासखंड के विभिन्न संकुलों से सैकड़ों शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

जनता की मार्च क्लोजिंग मानसिकता से मुश्किल में राजस्व वसूली, भूमि शुल्क लक्ष्य अधूरा

कर जमा न होने से राजस्व विभाग परेशान

बैतूल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश शासन के राजस्व विभाग के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के निर्धारित राजस्व लक्ष्य को पूरा करने में जनता की मार्च मानसिकता रोड़ा बन गई है। नजूल टैक्स, डायवर्सन टैक्स, अर्थ दंड, प्रीमियम, उपकर सहित अन्य भू-सम्बंधित करों में अभी तक निर्धारित राजस्व का बड़ा हिस्सा जमा नहीं हुआ है। जनता के इस रवैये से राजस्व विभाग के अधिकारी भी चिंतित हैं और प्रतिदिन टैक्स वसूली अभियान चला रहे हैं, लेकिन वांछित परिणाम नहीं मिल रहे हैं। मध्य प्रदेश शासन के खाते में भूमि शुल्क जमा करवाने के लिए राजस्व विभाग हरसंभव प्रयास कर रहा है। प्रदेश के सभी जिलों को सत प्रतिशत वसूली के लिए साप्ताहिक रूप से भोपाल से प्रमुख राजस्व आयुक्त, आयुक्त भू अभिलेख, प्रमुख सचिव राजस्व विभाग द्वारा निर्देश दिए जा रहे हैं। इसके अलावा, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिलों को निर्देशित किया जा रहा है कि वसूली में तेजी लाएं। बैतूल जिले में कलेक्टर के निर्देश अनुसार, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक और पटवारियों के साथ बैठकें की जा रही हैं। वित्तीय वर्ष के प्रारंभिक महीनों में जनता टैक्स भुगतान के लिए आगे नहीं आ रही है और मार्च के अंतिम महीनों में ही इसे करने की मानसिकता बनी हुई है। इससे विभाग के अधिकारी परेशान हैं और यदि समय पर भुगतान नहीं हुआ तो विलंब से भुगतान करने पर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज पहले 12 महीनों के लिए और इसके बाद 15 प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज दर से देय होगा। माना जा रहा है कि अगर बिजली कंपनी की तरह यूपीआई से भुगतान की सुविधा दी जाती है तो इससे वसूली में सुधार हो सकता है।

प्रदेश की वित्तीय स्थिति और लक्ष्यों की पूर्ति के लिए प्रशासन ने जनता से अपील की है कि वे अपने हल्का पटवारी, राजस्व निरीक्षक, नजूल, डायवर्सन या तहसील ऑफिस से संपर्क कर टैक्स जमा करें। प्रत्येक वार्ड और हल्के में संबंधित अधिकारी संपर्क में हैं और जनता को टैक्स वसूली में सहयोग करने की अपील की गई है। सभी नागरिकों से अपेक्षा की गई है कि वे सरकारी लक्ष्यों की प्राप्ति में सहयोग करें। इस बीच, राजस्व निरीक्षक और पटवारियों द्वारा प्रतिदिन जनता से संपर्क किया जा रहा है, लेकिन लोग आश्वासन देते हैं कि वे आज या कल भर देंगे, लेकिन व्यावहारिक रूप से वह भुगतान नहीं करते। प्रशासन ने एक बार फिर जनता को सतर्क करते हुए कहा है कि देर होने पर अतिरिक्त ब्याज के साथ-साथ अन्य वित्तीय दंड का सामना करना पड़ सकता है।

अतिरिक्त राजस्व वसूली हेतु नियमित समीक्षा - राजस्व वसूली की धीमी प्रगति को देखते हुए, आयुक्त नर्मदापुरम संभाग और बैतूल कलेक्टर ने प्रतिदिन राजस्व अधिकारियों से वसूली की जानकारी लेने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही, हर सप्ताह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस प्रगति की समीक्षा की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि शत प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने के लिए सभी अधिकारियों से सहयोग लिया जा रहा है और जरूरतमंद करदाताओं को भी सहयोग देने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश की सभी 7 हजार खदानों को किया जियो टैग

अवैध खनिज परिवहन पर नियंत्रण के लिये 41 ई-चेकगेट की होगी स्थापना

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में अवैध परिवहन रोकने के लिये एआई आधारित 41 ई-चेकगेट की स्थापना की जा रही है। इन ई-चेकगेटों पर वेरीफोकल कैमरा, आरएफआईडी लीडर, ऑटोमेटिक नम्बर प्लेट रीडर की सहायता से खनिज परिवहन में संलग्न वाहनों की जाँच की जायेगी।

परियोजना में पॉयलेट प्रोजेक्ट के रूप में खनिज परिवहन के लिये महत्वपूर्ण मार्ग के 4 स्थानों पर ई-चेकगेट स्थापित कर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। अवैध परिवहन की निगरानी के लिये राज्य स्तर पर भोपाल में कमॉण्ड एवं कंट्रोल सेंटर और जिला भोपाल एवं रायसेन में जिला कमॉण्ड सेंटर स्थापित किये गये हैं। माह दिसम्बर 2024 तक सभी 41 ई-चेकगेट की स्थापना किये जाने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में अवैध खनन की रोकथाम के लिये उपग्रह और ड्रोन आधारित परियोजना भी प्रारंभ की गयी है। इसके द्वारा प्रदेश की सभी 7 हजार खदानों की जियो टैग कर खदान क्षेत्र का सीमांकन किया गया है। यह परियोजना पूर्ण रूप से लागू होने पर अवैध खनन को चिन्हित कर प्रभावी रोकथाम की जा सकेगी। परियोजना के लागू होने पर स्वीकृत खदान के अंदर थ्री-डी इमेजिंग एवं वॉल्यूमेट्रिक एनालिसिस कर उत्खनित खनिज की मात्रा का सटीक आंकलन किया जा सकेगा।

विजयपुर पहुंचे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा-

कांग्रेस की गुंडागर्दी व दबाव की राजनीति का मुंह्तोड़ जवाब देने विजयपुर की सीमा पर आया हूं

श्योपुर, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को विजयपुर विधानसभा क्षेत्र की सीमा पहुंचकर कांग्रेस नेताओं द्वारा चुनाव में की जा रही गुंडागर्दी, अनुचित दबाव की राजनीति और भ्रमित किए जाने के षड्यंत्रों का मुंहतोड़ जवाब दिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा को प्रशासन द्वारा चुनाव आचार संहिता के कारण विजयपुर विधानसभा की सीमा पर रोका गया तो नियमों का सम्मान करते हुए कार्यकर्ताओं के साथ वहीं जमीन पर उतरकर चुनाव का हाल जाना। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं की गुंडागर्दी नहीं चलने दी जाएगी। कांग्रेस की गुंडागर्दी व दबाव की राजनीति का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए मैं विजयपुर की सीमा पर आया हूं। चुनाव को प्रभावित करने के लिए कांग्रेस ने आदिवासियों पर अत्याचार किए। किसी भी आदिवासी भाई बहन पर अत्याचार होगा तो भाजपा उनके साथ खड़ी है। भारतीय जनता पार्टी हमेशा नियमों का पालन करती है, लेकिन कांग्रेस नेताओं ने इसे तोड़ा है उन पर चुनाव आयोग को सख्त कार्रवाई करना चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि चुनाव प्रचार खत्म होने के बाद भी विजयपुर में कांग्रेस के बाहरी नेता कैसे मौजूद रहे, उन पर मामला दर्ज कर कार्रवाई क्यों नहीं की गई ? प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने बुधनी और विजयपुर विधानसभा के मतदाताओं का आभार जताया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री शर्मा ने कहा कि विजयपुर विधानसभा में कांग्रेस को हार का आभास हो गया है। कांग्रेस ने हार की बौखलाहट में योजनाबद्ध तरीके से आदिवासी भाई-बहनों के प्रति दबाव की राजनीति करने के लिए गुंडागर्दी, झूठ और तुष्टीकरण की राजनीति का सहारा लिया है। कांग्रेस जब भी चुनाव हारने लगती है, इसी तरह गुंडागर्दी का सहारा लेती है, लेकिन विजयपुर की जनता भाजपा और गरीब कल्याण की योजनाओं के साथ है। भाजपा कार्यकर्ता और विजयपुर विधानसभा की जनता कांग्रेस की गुंडागर्दी का जवाब देने के लिए तैयार है। इस दौरान प्रदेश शासन के मंत्री राकेश शुक्ला, पार्टी के प्रदेश महामंत्री रणवीर सिंह रावत, जिला अध्यक्ष राजू बाथम, विधायक देवेन्द्र जैन, महेन्द्र यादव, रमेश खटीक, पूर्व मंत्री सुरेश राठखेड़ा, पूर्व विधायक जशवंत सिंह जाटव, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नेहा यादव, नगर पलिका अध्यक्ष श्रीमती गायत्री शर्मा सहित जनप्रतिनिधि एवं बडी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल

'मार्चिंग इन द डार्क' लैंगिक संवेदनशीलता पुरस्कार से सम्मानित

भोपाल, देशबन्धु। शहर के युवा फ़िल्मकार किन्शुक सुरजन की फ़िल्म 'मार्चिंग इन द डार्क' को हाल ही में संपन्न धर्मशाला इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल में 'लैंगिक संवेदनशीलता पुरस्कार' (Gender Sensitivity Award) से नवाज़ा गया है। यह पुरस्कार उन्हें फ़िल्म क्रिटिक्स गिल्ड की ओर से उन्हें फ़ेस्टिवल की संस्थापक ऋतु सरीन ने प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि फ़िल्म क्रिटिक्स गिल्ड, भारत में फ़िल्म समीक्षकों का अकेला संगठन है, जिसकी अध्यक्ष जानी-मानी फ़िल्म समीक्षक अनुपमा चोपड़ा हैं। धर्मशाला फ़िल्मोत्सव में 'गिल्ड' का यह एकमात्र पुरस्कार था, जो किसी फ़िल्मकार को दिया गया है।

'मार्चिंग इन द डार्क' कनाडा के हॉट डॉक्स फ़िल्म फ़ेस्टिवल तथा चीन के सिल्क रोड इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल, ब्राज़ील के मोस्ट्रा साओ पाउलो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल तथा मुंबई के मामी इंटरनेशनल फ़िल्म फ़ेस्टिवल सहित अब तक विश्व के 15 अलग-अलग फ़िल्मोत्सवों में प्रदर्शित की जा चुकी है और इसे कोपेनहेगन के सीपीएच डॉक्स फ़ेस्टिवल तथा ज्यूरिख फ़िल्म फेस्टिवल में 'स्पेशल मेंशन', लिथुवानिया के इनकन्विनिएंट फ़िल्म्स में 'सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म', इटली के बायोग्रा फ़ेस्टिवल में यंग क्रिटिक्स अवार्ड एवं ऑडियंस अवार्ड, तेल अवीव के डॉक अवीव फ़ेस्टिवल में बेस्ट इंटरनेशनल फ़िल्म अवार्ड हासिल हो चुके हैं। इसके अलावा इस फ़िल्म का चयन स्विट्ज़रलैंड के लुसर्न में यूरोपियन फ़िल्म अकादमी द्वारा बेस्ट डाक्यूमेंट्री श्रेणी में किया जा चुका है। 'मार्चिंग इन द डार्क' का अगला प्रदर्शन दिसंबर में रोम इंटरनेशनल डॉक्यूमेंट्री फिल्म फेस्टिवल में होगा।

क्लिनदोई फिल्म्स, ब्रसेल्स द्वारा निर्मित यह फ़िल्म मराठवाड़ा की उन महिलाओं पर केन्द्रित है, जिनके किसान पति क़र्ज़ न चुका पाने के कारण आत्महत्या कर चुके हैं। परिवार और समाज में तिरस्कृत होती ये महिलाएं एक मनोवैज्ञानिक के जरिये एक-दूसरे से मिलती हैं और अपनी पीड़ा साझा करती हैं। इसके साथ ही वे एक-दूसरे को हौसला देती हैं और अपने पैरों पर खड़े होने का जतन भी करती हैं।

संतुलित औद्योगिक विकास पर केन्द्रित होगी नर्मदापुरम् में रीजनल औद्योगिक समिट

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के संतुलित विकास के लिये निरंतर सभी अंचलों में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन कर रहे हैं। अगली आरआईसी आगामी 7 दिसम्बर को नर्मदापुरम में हो रही है। नर्मदापुरम् क्षेत्र में मुख्य रूप से कृषि आधारित उद्योग, खाद्य प्र-संस्करण इकाइयां और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग बहुतायत में हैं। नर्मदापुरम, हरदा, और होशंगाबाद में पहले से स्थापित उद्योगों के साथ-साथ कृषि प्र-संस्करण, सोयाबीन तेल, मसाला उत्पादन और दुग्ध प्र-संस्करण जैसे उद्योग यहाँ की आर्थिक गतिविधियों का मुख्य आधार हैं। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र की खनिज संपदा का उपयोग कर निर्माण और अन्य उद्योगों से भी स्थानीय विकास को गति देने के प्रयास किए जा रहे हैं।

छठवीं आरआईसी का आयोजन 7 दिसंबर 2024 को नर्मदापुरम् के डिवीजनल आईटीआई में किया जाएगा। पिछली पांच रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के अनुभवों से प्रेरित होकर, इस कॉन्क्लेव का नर्मदापुरम् क्षेत्र में आयोजन उद्योगों की वृद्धि, निवेश की संभावनाओं और रोजगार सृजन के अवसरों को बढ़ाने के लिये किया जा रहा है। नर्मदापुरम आरआईसी में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, खनिज, स्स्स्थ और पर्यटन क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रयासों से प्रदेश में एक उद्योग-हितैषी वातावरण बना है, जिससे प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों में प्रगति हो रही है। नर्मदापुरम् और इसके आसपास के क्षेत्र जैसे होशंगाबाद, हरदा में एमएसएमई, कृषि आधारित उद्योग, और पर्यटन के क्षेत्र में कई संभावनाएं हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करेंगे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का आरोप

विजयपुर में डरा-धमकाकर मतदान से रोका गया

भोपाल, देशबन्धु। विजयपुर पहुंचे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में लोकतंत्र आज अपनी आखिरी सांसें ले रहा है। विजयपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी के समर्थकों द्वारा हमारी बहन-बेटियों को गाली-गलौज कर डराया गया, उन्हें वोट देने से रोका गया। उन्होंने शासन, प्रशासन और बीजेपी का सिंडिकेट सारी मर्यादाओं को तोड़ते हुए विजयपुर में लोकतंत्र का मजाक बना रहा। उन्होंने कहा कि पहले मतदाताओं पर गोली चलाई गई, निष्पक्ष चुनाव में बाधा डाल रही भाजपा की हठधर्मिता के खिलाफ शांतिपूर्वक धरना दे रहे श्योपुर के कांग्रेस नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया, कांग्रेस नेताओं को जेल में डाला गया, बहनों को वोट देने से रोका गया, विजयपुर का प्रशासन पूरी तरह भाजपा के आगे नतमस्तक हो गया है और लगातार लोकतंत्र का चीरहरण किया जा रहा है।

श्री पटवारी ने कहा कि विजयपुर में मतदाताओं को वोट नहीं डालने दिया गया उनके साथ मारपीट की गई। पोलिंग बूथ पर भाजपा के एजेंट के रूप में जो लोग बैठे थे उन्होंने चेहरे देख-देख कर वोट डलवाये। बाकी लोगों को मारपीट करके पोलिंग बूथ से भगाया गया। यह देष के सबसे बड़े लोकतंत्र की हत्या है यदि ऐसा ही चलता रहा तो और लोग मूक दर्शक बने रहे तो लोकतंत्र में जो सबसे बड़ा अधिकार उनके हाथ में है वह सदैव के लिए उनके हाथ से चला जाएगा। श्री पटवारी ने पुलिस और प्रशासन के नुमाइंदों से भी कहा कि आपकी जवाबदेही देश की संवैधानिक परंपराओं के प्रति होनी चाहिए। इसलिए, ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभायें और लोकतंत्र को बचाने के लिए अपना धर्म निभायें।

भाजपा ने की कार्रवाई की मांग, कहा-

हार की बौखलाहट से डरी कांग्रेस गुंडागर्दी पर उतारू

भोपाल, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को विजयपुर और बुधनी विधानसभा में मतदान को प्रभावित करने की शिकायत का ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी और उसके कार्यकर्ता विजयपुर और बुधनी में मतदाताओं को धमकाने के साथ भाजपा के पोलिंग बूथ एजेंट्स के साथ मारपीट कर फर्जी वोट डालने का कार्य कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में दोनों विधानसभाओं के प्रत्याशी व कार्यकर्ता मतदाताओं को डरा-धमकाकर मतदान को प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। श्री सबनानी ने कहा कि हार की बौखलाहट से डरी कांग्रेस पार्टी गुंडागर्दी व मारपीट पर उतारू है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में कांग्रेस पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने बैठक में की विजन-एट 2047 पर चर्चा

प्रदेश के हर बच्चे तक पहुंचे शिक्षा, राज्य सरकार रखेगी ध्यान

भोपाल, देशबन्धु। स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति में बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ने पर भी जोर दिया गया है। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा व्यवहरिक तरीके से दिये जाने की व्यवस्था हों। श्री सिंह ने कहा कि सरकारी क्षेत्र से जुड़े शिक्षकों के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होगी। आगामी आवश्यकता को देखते हुए शिक्षकों के पाठ्यक्रम तैयार किए जाएं। उन्होंने कहा है कि राज्य सरकार का प्रयास है कि स्कूल शिक्षा की पहुंच प्रदेश के प्रत्येक बच्चे तक हो। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को विकसित भारत - 2047 के ड्राफ्ट पर प्रभावी क्रियान्वयन करना होगा।

मंत्री श्री सिंह ने बुधवार को मंत्रालय में हुई बैठक में अधिकारियों से ड्रॉफ्ट पर चर्चा कर रहे थे। उन्होंने बैठक में बताया कि विजन-2047 के ड्राफ्ट में यह बिन्दु प्रमुख रूप से डाला गया है कि सभी बच्चों को बगैर भेदभाव के सामान रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाए। श्री सिंह ने कहा कि दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल टेक्नोलॉजी का बेहतर उपयोग हो रहा है। उन्होंने कहा कि विजन ड्राफ्ट में हमें इस बात पर विशेष ध्यान देना होगा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स की चर्चा करते स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि बच्चों की जिज्ञासाओं का समाधान करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेन्स का उपयोग किया जा सकता है। इसके लिये स्कूलों में नवीन टेक्नॉलॉजी के संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। बैठक में सीएम राईज स्कूल परियोजना के पहले चरण में निर्माणाधीन 275 स्कूलों की प्रगति की समीक्षा की गई। श्री सिंह ने कहा कि सीएम राईज स्कूल में उपलब्ध कराये गये संसाधनों का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सीएम राईज स्कूल परियोजना विश्वस्तरीय स्कूल व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है।

झारखंड में 65 फीसदी से अधिक मतदान

रांची, एजेंसी। झारखंड के प्रथम चरण के 43 विधानसभा क्षेत्रों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान शांतिपूर्ण समाप्त हो गया इस दौरान एक करोड़ 37 लाख मतदाताओं में से 65 प्रतिशत से मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर 683 प्रत्याशियों के भाग्य को ईवीएम में बंद कर दिया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि 43 विधानसभा क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच आज सुबह 7:00 बजे से मतदान शुरू हुआ और पांच बजे शाम शांतिपूर्ण मतदान समाप्त हो गया। उन्होंने बताया कि 950 बूथों पर मतदान शाम चार बजे ही समाप्त हो गया था लेकिन अन्य मतदान केंद्रों पर मतदान शाम 5:00 बजे समाप्त हुआ। इन 43 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान समाप्त होने तक 65.30 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

प्रारंभिक आंकड़ों के अनुसार सरायकेला-खरसावां जिले की सीटों पर सबसे अधिक 72.19 फीसदी मतदान रिकॉर्ड किया गया है, जबकि सबसे कम वोटिंग हजारीबाग जिले की सीटों में 59.13 फीसदी दर्ज की गई है। विधानसभावार मतदान प्रतिशत पर निगाह डालें तो कोल्हान प्रमंडल की खरसावां सीट पर सबसे ज्यादा 77.32 प्रतिशत वोट पड़े हैं। रांची शहरी विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम 51.50 मतदाताओं ने ही मताधिकार का इस्तेमाल किया है। जिन अन्य सीटों पर 70 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ है, उसमें बहरागोड़ा में 76.15, लोहरदगा में 73.21, मांडर में 72.13, पोटका में 72.29, सरायकेला में 71.54, सिसई में 71.21 और बिशुनपुर में 70.06 प्रतिशत वोट रिकॉर्ड किया गया है।

इस चरण में 20 सीट अनुसूचित जनजाति और 6 सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं, जबकि 17 सीट सामान्य हैं। मतदान संपन्न होने के साथ ही कुल 683 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई है।

चंपई समेत छह मंत्रियों का भाग्य ईवीएम में बंद

इस चरण के प्रमुख प्रत्याशियों में पूर्व सीएम चंपई सोरेन, उनके पुत्र बाबूलाल सोरेन, झारखंड सरकार के छह मंत्रियों डॉ. रामेश्वर उरांव, मिथिलेश ठाकुर, बन्ना गुप्ता, दीपक बिरुआ, बैद्यनाथ राम और रामदास सोरेन, पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा की पत्नी मीरा मुंडा, ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास की बहू पूर्णिमा दास साहू, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सीपी सिंह, पूर्व मंत्री सरयू राय, कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता रहे पूर्व आईपीएस डॉ. अजय कुमार, राज्यसभा की सांसद डॉ. महुआ माजी, पूर्व सीएम मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा, पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही, डॉ नीरा यादव आदि शामिल हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

विजयपुर में भाजपा-कांग्रेस.... समाज के लोगों ने मतदान से रोकने का आरोप लगाया। बेटी व बहू के साथ मतदान करने गए कांग्रेस नेता श्रीपति शाक्य से मारपीट की गई। इस मामले में विजयपुर पुलिस ने 2 शिक्षकों सहित 11 लोगों पर केस दर्ज किया है। भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत के पैतृक गांव सुनवई में बुजुर्ग महिला के साथ वोट डालने के लिए गए युवक रामदास रावत को सशस्त्र बल के जवान ने थप्पड़ मारकर खदेड़ा तो ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया। वहीं कराहल के मोरावन गांव में पुलिसकर्मी द्वारा एक बुजुर्ग को धक्का मारने पर ग्रामीणों ने हंगामा कर दिया। वीरपुर तहसील मुख्यालय से सटे तेलीपुरा गांव में बूथ कैप्चरिंग का आरोप को लेकर जाटव व रावत समाज के लोगों के बीच लाठियां चलीं, फिर पथराव हुआ। विवाद में 5 लोग घायल हो गए। वहीं, आदिवासी परिवारों पर फायरिंग और हमले को लेकर कलेक्ट्रेट पर धरना देने वाले कई कांग्रेस नेताओं पर मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेजा गया।

सेक्टर मजिस्ट्रेट पर हमला : विजयपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में बुधवार को फर्जी मतदान और वोट डालने से रोकने को लेकर सुबह से शाम तक झड़पें होती रहीं। दौर्द पोलिंग बूथ पर फर्जी मतदान के विरोध पर सेक्टर मजिस्ट्रेट यतेंद्र सिंह छारी पर भीड़ ने हमला कर दिया। मारपीट की व टेबल-कुर्सियां फेंक दी।

राज्य पर्यटन विकास निगम की हुई समीक्षा बैठक

पर्यटन गतिविधियों की विस्तार और निर्माण की योजना बनाएं : लोधी

- क्षेत्रीय और स्थानीय व्यंजनों को होटल के मेनू में प्रमुखता से करे शामिल
- पर्यटकों के मद्देनजर होटलों की संख्या और कमरों में करें वृद्धि

भोपाल, देशबन्धु। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप 2047 का विज़न डॉक्यूमेंट तैयार करें। विज़न डॉक्यूमेंट में पर्यटन गतिविधियों की विस्तार और निर्माण की योजना बनाएं, जिससे प्रदेश में पर्यटकों की संख्या बढ़ सके। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि पर्यटकों की संतुष्टि हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। पर्यटकों द्वारा दिए जा रहे रिव्यू का विशेष ध्यान रखें। होटल में सुझाव के लिए बॉक्स रखें। अतिथियों की रिव्यू की मॉनिटरिंग के लिए स्टेट लेवल डैशबोर्ड बनाएं। पॉजिटिव रिव्यू को वेबसाइट पर प्रदर्शित करें । नेगेटिव रिव्यू को गंभीरता के लेकर होटल की सुविधाओं में सुधार करें। श्री लोधी आज पर्यटन राज्य विकास निगम की समीक्षा बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने निर्देशित किया कि होटल में स्थानीय व्यंजनों को परोसा जाए। क्षेत्रीय और स्थानीय व्यंजनों को मेनू में प्रमुखता से शामिल करें। नर्मदापुरम में होने वाली रीजनल इन्वेस्टर समिट में अतिथियों को स्थानीय और मिलेट व्यंजन परोसे। प्रदेश में पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए होटलों की संख्या और कमरों में वृद्धि करें। पुराने होटलों के रेनोवेट की योजना बनाए। श्री लोधी ने कम आमदानी वाले होटलों और संपत्तियों के उचित निराकरण की योजना बनाने और सैर-सपाटा के आवंटन की प्रक्रिया को एक माह में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि हनुवंतिया प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल है। यहां अधिक संख्या में होटल और रिजॉर्ट निर्माण की योजना बनाएं। इसके साथ अधिक से अधिक पर्यटन गतिविधियों का संचालन करें, ताकि वर्ष भर पर्यटक हनुवंतिया आ सकें।

अनुग्रह सहायता राशि की दोगुनी

राज्यमंत्री श्री लोधी ने निर्देश दिए कि पर्यटन निगम के अधिकारी और कर्मचारियों की मृत्यु होने पर दी जाने वाली अनुग्रह सहायता राशि 50 हजार से दोगुनी कर एक लाख रुपए की जाएं। श्री लोधी को प्रेजेंटेशन के माध्यम से पर्यटन निगम की संपत्तियों, गतिविधियों, उपलब्धियों, नवाचारों के साथ अधिकारियों और कर्मचारियों की स्थिति से अवगत कराया गया। इस अवसर पर प्रबंध संचालक राज्य पर्यटन विकास निगम श्री इलैया राजा टी. सहित पर्यटन निगम के अधिकारी मौजूद थे।

सांसों पर संकट

दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर, दूसरे नंबर पर लाहौर

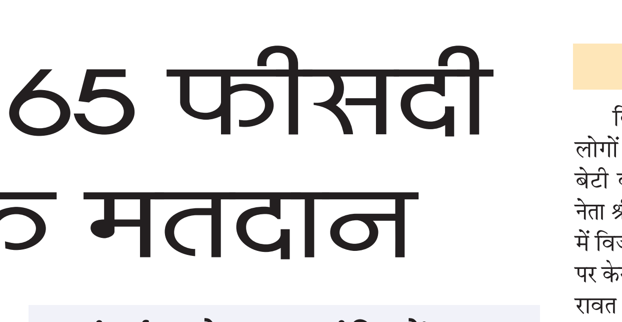

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत समेत दुनिया के कई देशों में वायु प्रदूषण के कारण लोग सांस लेने में तकलीफ का सामना कर रहे हैं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे प्रदूषित 121 शहरों की सूची में भारत के तीन प्रमुख शहर—दिल्ली, कोलकाता, और मुंबई—शामिल हैं। स्विस फर्म आईक्यूएयर की लाइव रैंकिंग के मुताबिक, 13 नवंबर को दिल्ली ने दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर का ताज अपने नाम किया। दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 515 है, जो इस समय पूरी दुनिया में सबसे खराब है।

एयर क्वालिटी इंडेक्स प्रदूषण का मापने का एक तरीका है। यह मानक बताते हैं कि हवा कितनी खतरनाक है। एआईक्यूआई के अनुसार 0-50 एक्यूआई का स्तर अच्छा माना जाता है। 51-100 को मध्यम माना जाता है और 101-150 को संवेदनशील समूहों के लिए खराब कहा जाता है, 151-200 का स्तर खतरनाक होता है, 201-300 के बीच का एक्यूआई बहुत खतरनाक होता है, 301 से ऊपर का स्तर बहुत-बहुत खतरनाक होता है।

दिल्ली का एक्यूआई और मौसम में बदलाव-दिल्ली में 515 एक्यूआई के साथ वायु गुणवत्ता बहुत-बहुत खतरनाक स्तर पर है। हालांकि, मौसम में बदलाव के कारण, पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के बाद मैदानी इलाकों में भी तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जो प्रदूषण के स्तर को कुछ कम करने में मदद कर सकता है। भारत के अन्य प्रदूषित शहर-दिल्ली के बाद, मुंबई 158 एक्यूआई के साथ 10वें स्थान पर है। कोलकाता में एक्यूआई 136 दर्ज किया गया है। इन दोनों शहरों की वायु गुणवत्ता भी खतरनाक स्तर पर है।

पाकिस्तान के शहर भी सूची में-आईक्यूएयर की रैंकिंग में पाकिस्तान के दो शहर भी शामिल हैं। लाहौर का एक्यूआई 432 है और यह दुनिया का दूसरा सबसे प्रदूषित शहर है। कराची शहर का एक्यूआई 147 है, और इसे रैंकिंग में 14वां स्थान मिला है।

दुनिया के अन्य प्रदूषित शहर- इसके बाद कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य का किंशासा शहर तीसरे स्थान पर है, जहां का एक्यूआई 193 है। मिस्र की राजधानी काहिरा में 184 एक्यूआई दर्ज किया गया है, और यह चौथे स्थान पर है। वियतनाम की राजधानी हनोई (168 एक्यूआई) पांचवें, और कतर का दोहा (166 एक्यूआई) छठे स्थान पर है। साथ ही सऊदी अरब का रियाद (एक्यूआई 160) सातवें, नेपाल की राजधानी काठमांडू (160 एक्यूआई) आठवें, और मंगोलिया का उल्लानबटार (158 एक्यूआई) नौवें स्थान पर है। बांग्लादेश की राजधानी ढाका (122 एक्यूआई) को 17वें स्थान पर रखा गया है। चीन के शहरों की स्थिति-चीन के कई शहरों की हवा भी काफी खराब पाई गई है, हालांकि चीन के शहरों का विवरण रिपोर्ट में नहीं दिया गया है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।